सूर्योदय 6.00 सूर्यास्त 6:39

आज का तापमान

शिमला	16.5 न्यू	20.8 अधि
धर्मशाला	13.8 न्यू	29.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	76,515
निफ्टी	23,897

सोना 1,55,000 चांदी 2,35,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | रविवार, 6 सितंबर 2026 | 21 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 132, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

48 शिक्षकों को नेशनल टीचर अवॉर्ड

शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली के विज्ञान भवन में किया सम्मानित

एजेंसी, नई दिल्ली। शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में देशभर के 48 स्कूल शिक्षकों को नेशनल टीचर अवॉर्ड से सम्मानित किया। इनमें केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, आदर्श जनजातीय स्कूल और पीएम श्री स्कूलों के शिक्षक शामिल हैं। इन शिक्षकों ने पढ़ाई को आसान और दिलचस्प बनाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए।

महाराष्ट्र के वैभव वसंतराव कुलकर्णी ने गणित के मुश्किल टॉपिक समझाने के लिए 700 से ज्यादा वीडियो बनाए। वहीं राजस्थान के दिव्येंदु सेन ने 500 पेड़ों पर क्यू कोड लगाकर बच्चों को पेड़ों की जानकारी देने का नया तरीका अपनाया। इसके अलावा पंजाब के दिनेश कुमार ने वर्चुअल फिजिक्स लैब और 100 से ज्यादा कम खर्च वाले मॉडल तैयार किए। 48 स्कूल शिक्षकों के अलावा उच्च शिक्षा संस्थानों और पॉलिटेक्निक के 21 शिक्षक व फैकल्टी सदस्य और कौशल विकास मंत्रालय के 13 कौशल प्रशिक्षकों को भी नेशनल टीचर अवॉर्ड मिला है।

राष्ट्रपति ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बल पर ही विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संविधान में निहित अवसरों की समानता के आदर्शों को कार्यरूप देने का सबसे प्रभावी माध्यम शिक्षा है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि देश में एक भी विद्यार्थी अच्छी शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे।

◆ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से ही विकसित भारत का लक्ष्य होगा हासिल

पीएम ने पूछा- पब्लिक से कैसे बात करें, टिप्स दें : महिला टीचर का जवाब- कॉन्फिडेंस चाहिए

पीएम मोदी ने शनिवार को टीचर्स डे पर उन 48 शिक्षकों से बातचीत की, जिन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया। पीएम मोदी के यूट्यूब चैनल पर 5 मिनट का वीडियो जारी किया। पीएम ने एक महिला टीचर से पूछा कि आप बच्चों को पब्लिक स्पीकिंग सिखाती हैं। अगर मैं आपके यहां का स्टूडेंट हूं और मुझे एक अच्छा स्पीकर बनना है, तो मुझे टिप्स दीजिए कि मुझे क्या-क्या करना चाहिए। इस पर टीचर ने जवाब दिया कि आपको सबसे पहले कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए। इस पर पीएम ने हंसते हुए कहा कि तो आखिर ये कॉन्फिडेंस कैसे आएगा। टीचर्स ने कहा कि इसकी प्रैक्टिस करनी होती है। पीएम ने कहा आज शिक्षकों को बच्चों के मन में पैदा होने वाली आशंकाओं और इससे जुड़े प्रभावों के प्रति लगातार जागरूक रहने की जरूरत है। यह देखना चाहिए कि कौन से कदम बच्चों के व्यवहार में बदलाव ला रहे हैं। पीएम ने कहा स्क्रीन टाइम अब एक तरह की लत बन गया है। मेरे मन में एक विचार आता है, अगर कोई बच्चा खेलों में गहरी रुचि लेना शुरू कर दे और खेल से मेरा मतलब वीडियो गेम नहीं, बल्कि मैदान पर जाकर वास्तविक खेल खेलने से है तो धीरे-धीरे वह इस लत से बाहर निकल सकता है।

शिक्षक समाज के निर्माण की मजबूत नींव : मुख्यमंत्री रेखा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शिक्षा दिवस पर 'शिक्षक महाकुंभ-स्टेट टीचर्स अवॉर्ड 2026' में 118 शिक्षकों को सम्मानित किया। इनमें 20 हेड ऑफ स्कूल (एचओएस), डीओई एवं एमसीडी विद्यालयों के 69 शिक्षक तथा 3 सीएम श्री स्कूलों के शिक्षक शामिल है। इसके अतिरिक्त पुस्तकालयाध्यक्ष, स्पेशल एजुकेटर, खेल शिक्षकों सहित शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

महान शिक्षाविद् व भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में त्यागराज स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षकों के समर्पण, नवाचार और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान दिया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद, सांसद बांसुरी स्वराज, विधायक अभय वर्मा, नीरज बसोया, चंदन कुमार चौधरी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग की निदेशक अंकिता आनंद, कई वरिष्ठ अधिकारी सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल शिक्षकों की उपलब्धियों का सम्मान नहीं, बल्कि उस समर्पण, धैर्य और विश्वास का सम्मान है, जिसके माध्यम से शिक्षक हर दिन हमारे बच्चों के भविष्य को आकार देते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण की मजबूत नींव हैं। वे विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनमें संस्कार, कौशल, आत्मविश्वास, कर्तव्यबोध और जीवन की सही दिशा का भी संचार करते हैं।

न्यूज शॉर्ट्स

लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी यासिर ढेर

एजेंसी, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में हाल ही में चलाए गए ऑपरेशन अशदर में सुरक्षा बलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को बताया कि आतंकी की पहचान यासिर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, यासिर पाकिस्तानी नागरिक है और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा है। सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन के दौरान उसे ढेर किया है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर कहा कि आतंकी कहीं भी छिपने की कोशिश करे, उन्हें ढूंढ निकाला जाएगा। ऑपरेशन से जुड़ी आगे की जानकारी और मारे गए आतंकी के नेटवर्क की जांच की जा रही है।

केरलम में महिला कांग्रेस विधायक के साथ हाथापाई

एजेंसी, तिरुवनंतपुरम। केरलम के तिरुवनंतपुरम जिले के चिरयिनकीझु में शुक्रवार रात कांग्रेस विधायक राम्या हरिदास और स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। झड़प का वीडियो भी सामने आया है। इसमें राम्या के साथ कुछ लोग हाथापाई करते दिख रहे हैं। लोगों ने विधायक का हाथ पीछे की ओर मरोड़ दिया। वीडियो में विधायक अपना हाथ छोड़ने के लिए कहती हैं व सामने मौजूद व्यक्ति से पूछती हैं कि वह कौन है। घटना के बाद विधायक को चिरयिनकीझु तालुक अस्पताल में इलाज कराया। पुलिस ने उनकी शिकायत पर जिला पंचायत सदस्य सजित मुथंबलम और पार्टी नेता साजद समेत 7 कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है।

बेंगलुरु में लोन चुकाने को लेकर महिला का अपहरण

एजेंसी, बेंगलुरु। बेंगलुरु में लोन की रकम और ब्याज चुकाने को लेकर 30 साल की महिला के अपहरण और मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि उसे घर बुलाकर जबरन दूसरे ठिकाने पर ले जाया गया और कई दिनों तक एक कमरे में बंद रखा गया। इस मामले में दो महिलाओं समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उससे 11 लाख रुपए चुकाने की मांग की। इस दौरान उसे पीटा गया और कपड़े उतरवाकर उसका वीडियो बनाया गया। आरोप है कि वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उससे पैसे देने का दबाव बनाया गया।

नेपाल बाढ़- 11वें दिन दो लोग जिंदा मिले

एजेंसी, काठमांडू। नेपाल में भीषण बाढ़ के 10 दिन बाद भी हजारों लापता लोगों की तलाश जारी है। इसी बीच शनिवार को राहत और बचाव दलों ने अलग-अलग अभियानों में एक चीनी नागरिक और एक नेपाली महिला को जिंदा बचा लिया। नुवाकोट में 64 साल की महिला का रेस्क्यू किया गया। उनके घर का निचला हिस्सा मोटी कीचड़ की परत में पूरी तरह दब गया था और वह उसी में फंस गई थीं। उन्हें इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर काठमांडू ले जाया गया है। वहीं, नेपाली सेना और दक्षिण कोरिया की रेस्क्यू टीम ने त्रिशूली-1 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की एक सुरंग से चीनी व्यक्ति को बाहर निकाला। वह करीब 225 मीटर (740 फीट) लंबी सुरंग के अंदर था। बचाव के बाद उसकी स्वास्थ्य जांच की जा रही है।

राजस्व लोक अदालतों से घटा लंबित मामलों का बोझ, बढ़ी पारदर्शिता व जवाबदेही

हिमाचल में 6.81 लाख लंबित मामलों का निपटारा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में लंबित राजस्व मामलों के निपटारे के लिए शुरू की गई राजस्व लोक अदालतों और विशेष राजस्व लोक अदालतों के माध्यम से अब तक करीब 6.81 लाख मामलों का निपटारा किया जा चुका है। इनमें 5.44 लाख से अधिक इंतकाल, 47,333 तकसीम और 63 हजार से अधिक निशानदेही के मामले शामिल हैं। इसके साथ ही राजस्व अभिलेखों में 26,288 दरूस्ती के काम भी किए गए हैं।

राज्य सरकार के अनुसार राजस्व लोक अदालतों की यह पहल लोगों के लिए भूमि से जुड़े मामलों के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही है। खासकर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को इसका लाभ मिला है। पहले भूमि संबंधी मामलों के लिए लोगों को कई बार राजस्व कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। इससे उनका समय और पैसा दोनों खर्च होता था। लोक अदालतों के आयोजन से ऐसे मामलों के निपटारे के लिए लोगों को स्थानीय स्तर पर एक तय मंच मिल रहा है। लंबित राजस्व मामलों के जल्द समाधान के लिए अक्तूबर 2023 से हर महीने के अंतिम दो दिनों में तहसील और उप-तहसील मुख्यालयों पर राजस्व लोक अदालतें आयोजित की जा रही हैं। इसके बाद जनवरी 2026 से तकसीम और राजस्व दस्तावेजों में सुधार से जुड़े मामलों के लिए विशेष राजस्व लोक अदालतों की व्यवस्था शुरू की गई। ये अदालतें हर सप्ताह मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को तीन दिन आयोजित की जा रही हैं। सरकार के मुताबिक इन अदालतों के आयोजन से राजस्व मामलों की लंबित संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। इंतकाल, तकसीम और निशानदेही जैसे मामले सीधे जमीन के मालिकाना हक और भूमि के इस्तेमाल से जुड़े होते हैं। ऐसे मामलों के लंबे समय तक लंबित रहने से लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लोक अदालतों के माध्यम से इनके निपटारे से लोगों को अपने मामलों के समाधान के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ रहा है।

पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य सरकार लोगों को पारदर्शी, जवाबदेह और उत्तरदायी प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राजस्व से जुड़े मामले परिवारों और भूमि मालिकों के हितों से सीधे जुड़े होते हैं। इन मामलों का समय पर समाधान सरकार की प्राथमिकता है।

जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा पर एफआईआर

एजेंसी, नई दिल्ली। सीबीआई ने जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा सहित चार लोगों के खिलाफ 1,322 करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड की शिकायत पर की गई है। एलआईसी का आरोप है कि सुभाष चंद्रा ने फर्जी नेटवर्थ सर्टिफिकेट जमा करके अपनी कंपनियों के लिए लोन लिया। बाद में नेटवर्थ सर्टिफिकेट से मुकर गए। सीबीआई ने सुभाष चंद्रा के अलावा पंकज सुरोलिया, अमिश पांड्या व राजीव ढोलकिया पर केस दर्ज किया है। चारों पर 2018 से 2026 के बीच धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और आपराधिक साजिश रचने का आरोप है। सुभाष चंद्रा जी मीडिया के मालिक एस्सेल ग्रुप के हेड हैं और जी एंटरटेनमेंट के पूर्व चेयरमैन हैं।

अध्यापक ही नई पीढ़ी को सही-गलत का अंतर समझाकर दिखाते हैं सफलता की राह : सीएम मान

एजेंसी, मोहाली। पंजाब सरकार की ओर से अध्यापक दिवस के अवसर पर मोहाली स्थित विकास भवन में राज्यस्तरीय समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मुख्यातिथि के रूप में पहुंचकर प्रदेश के 50 अध्यापकों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राज्यस्तरीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस, मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह, आईएएस सोनाली गिरी सहित शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि समय के साथ शिक्षा के तरीके में बड़ा बदलाव आया है। कंप्यूटर और तकनीक ने पढ़ाई के तौर-तरीकों को काफी बदल दिया है, लेकिन विद्यार्थियों को सही दिशा देने में अध्यापक की भूमिका आज भी सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के पास सीखने के लिए आज कई माध्यम उपलब्ध हैं, लेकिन सही और गलत के बीच अंतर समझाने तथा जीवन में आगे बढ़ने की दिशा देने वाला शिक्षक ही होता है। अपने शिक्षकों को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने सामाजिक शिक्षा के शिक्षक रमेश्वर दास और हिंदी शिक्षक नैनू राम सहित अन्य शिक्षकों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि इन शिक्षकों ने उनके जीवन को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी जब वह अपने पुराने शिक्षकों से मिलते हैं तो उनके पैर छूते हैं।

जिंदगी की परीक्षा बिना नकल के ही संभव

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को मेहनत और ईमानदारी से पढ़ाई करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नकल के सहारे एक-दो परीक्षाएं पास की जा सकती हैं, लेकिन जिंदगी की परीक्षा अपने दम पर ही पास करनी पड़ती है। पढ़ाई में कोई शार्टकट नहीं होता। उन्होंने कहा कि मेहनत और सही मार्गदर्शन ही सफलता का आधार है।

◆ मुख्यमंत्री ने 50 अध्यापकों को किया सम्मानित

यूएन ने बदला दुनिया का नक्शा, बड़ा दिखेगा अफ्रीका, घटेगा अमेरिका-यूरोप का आकार

एजेंसी, नई दिल्ली। दुनिया का नक्शा अब कुछ बदला नजर आएगा। इसे लेकर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को ऐतिहासिक प्रस्ताव पास किया है। भारत ने भी प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। अमेरिका प्रस्ताव के खिलाफ वोट करने वाला अकेला देश रहा।

इस फैसले से देशों और महाद्वीपों के क्षेत्रफल पर कोई असर नहीं पड़ेगा, बस इनका आकार पहले से थोड़ा छोटा या बड़ा दिख सकता है, अब तक धरती पर देशों और महाद्वीपों को दिखाने के लिए मर्केटर वर्ल्ड मैप का उपयोग किया जाता था। इसमें देशों और महाद्वीपों का आकार उनके असली क्षेत्रफल से बड़ा या छोटा दिखता था। नए नक्शे का नाम इक्वल अर्थ प्रोजेक्शन है। इसमें अफ्रीका पहले से काफी बड़ा, जबकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका छोटे नजर आएंगे। एशिया के कुछ हिस्सों का आकार भी पहले से छोटा दिखेगा।

भारत : क्षेत्रफल वही आकार बड़ा दिख सकता है

भारत की वास्तविक जमीन, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं या क्षेत्रफल में कोई बदलाव नहीं होगा। यह बदलाव देशों की सीमाएं बदलने वाला नहीं, बल्कि नक्शे पर पृथ्वी को दिखाने का तरीका बदलने वाला है। भारत का नक्शा देखने में भी थोड़ा अलग दिख सकता है, लेकिन भारत के मामले में बदलाव बहुत बड़ा नहीं होगा। नया नक्शा क्षेत्रफल सही अनुपात में दिखाता है। पुराने नक्शे में भूमध्य रेखा के आसपास के इलाके अपने आकार से छोटे और ध्रुवों के पास के इलाके बड़े दिखते हैं।

शिक्षा में नहीं होनी चाहिए राजनीति : सीएम योगी

बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के 81 शिक्षक किए पुरस्कृत

एजेंसी, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षा में राजनीति नहीं होनी चाहिए। राजनीति के चश्मे से देखने वालों को 2017 के बाद प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में आया आमूलचूल परिवर्तन दिखाई नहीं देगा। उन्होंने प्रदेशभर के शिक्षकों का आह्वान किया कि वे शिक्षा व्यवस्था में उत्कृष्टता और नवाचार को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा आगे बढ़ाएं। यही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा प्रदेश और देश का भविष्य बनाएगी।

मुख्यमंत्री योगी शनिवार को शिक्षक दिवस पर बेसिक और माध्यमिक शिक्षा के उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य अध्यापक पुरस्कार एवं मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार वितरित करने के बाद उपस्थित शिक्षकों व अन्य जन को संबोधित कर रहे थे। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में बेसिक शिक्षा विभाग के 61 और माध्यमिक शिक्षा विभाग के 20 शिक्षकों (कुल 81) को पुरस्कृत किया गया। सभी शिक्षकों को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से पुरस्कृत किया। शिक्षकों को पुरस्कार देते समय मुख्यमंत्री योगी ने उनसे आत्मीय संवाद कर बधाई दी और उन्हें खूब प्रोत्साहित भी किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने विगत साढ़े नौ साल में शिक्षा व्यवस्था में आए सकारात्मक परिवर्तन की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि बेसिक और माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था में सुदृढ़ता लाने के काम वर्ष 2017 से पहले भी हो सकते थे पर, तबकी सरकारों ने ध्यान नहीं दिया। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना तंज कसा, 'जितना पैसा आप सैफई महोत्सव में खर्च करते थे, उसी पैसे में से थोड़ा सा पैसा शिक्षा की तरफ डाइवर्ट करते तो लाखों बच्चों का भविष्य बन चुका होता। जितना पैसा वर्किंघम की बग्गी मंगा कर अपना जन्मदिन मनाते थे, उतना पैसा शिक्षा पर खर्च करते, तो बच्चों का भविष्य बनता, पहचान का संकट नहीं आता।'

केरलम में लॉरी से टकराई कार; 8 की मौत, गाड़ी काटकर निकाले शव

एजेंसी, त्रिशूर। केरलम के त्रिशूर जिले में शुक्रवार देर रात एक कार हाईवे पर खड़ी लॉरी से टकरा गई। हादसे में कार सवार 8 इंजीनियरिंग छात्रों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, हादसा रात करीब 11:40 बजे कैपामंगलम के पर्नबिकुन्नू में हुआ।

पुलिस ने बताया कि सभी मृतक तमिलनाडु के डिंडीगुल के एक इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र थे। कार गुरुवायुर से कोडुंगल्लूर जा रही थी। इसी दौरान वह महाराष्ट्र नंबर की लॉरी के पीछे जा घुसी। हादसे में 6 छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित किया गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उसमें फंसे छात्रों को निकालने के लिए गाड़ी को काटना पड़ा। स्थानीय लोगों, पुलिस और दमकल-बचाव दल ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर शवों को बाहर निकाला। इसके बाद सभी शवों को त्रिशूर मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में भेज दिया गया। कैपामंगलम पुलिस ने लॉरी चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। हादसे के बाद चालक फरार हो गया। पुलिस ने वाहन मालिक की पहचान कर ली है और चालक की तलाश की जा रही है।

◆ लॉरी चालक फरार, पुलिस ने दर्ज किया केस

शिक्षक नई पीढ़ी को ज्ञान और संस्कार देकर देते हैं सही दिशा : मुख्यमंत्री धामी

एजेंसी, देहरादून। शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों एवं शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए महान शिक्षाविद् और पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन किया।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनमें संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करते हैं। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और उन्हें जीवन में सही दिशा देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। शिक्षा को नवाचार, तकनीक, कौशल और संस्कारों से जोड़कर विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने प्रदेश के शिक्षकों के स्वस्थ, सुखी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनका स्मरण किया। उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का जीवन भारतीय शिक्षा, संस्कृति और मानवीय मूल्यों का प्रेरणास्रोत है। उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व आज भी शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक नई पीढ़ी को ज्ञान, संस्कार और जीवन-मूल्यों से समृद्ध कर उन्हें सही दिशा प्रदान करते हैं। राष्ट्र एवं समाज के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रदेश के सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

◆ शिक्षक दिवस पर राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने डॉ. राधाकृष्णन को किया नमन

समारोह पंचकूला में मनाया राज्य शिक्षक पुरस्कार समारोह, मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक नवाजे

शिक्षा के क्षेत्र में हरियाणा को देश का अग्रणी राज्य बनाएं : सैनी

एजेंसी, पंचकूला। शिक्षक दिवस के अवसर पर शनिवार को पंचकूला में राज्य शिक्षक पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। इसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया व शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में हरियाणा को देश का अग्रणी राज्य बनाने में सहयोग मांगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य शिक्षक पुरस्कार समारोह में आना उनके लिए गौरव और सम्मान का क्षण है। उन्होंने शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर प्रदेश के सभी शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी शिक्षकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह समारोह शिक्षा के प्रति शिक्षकों के समर्पण और योगदान के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती है। उनके जन्मदिन को देशभर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और उन्हें बेहतर नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

तकनीक के दौर में शिक्षक की भूमिका और महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक के इस दौर में शिक्षक की भूमिका कम नहीं हुई है, बल्कि पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू नई शिक्षा नीति ने शिक्षा में समझ, कौशल, नवाचार और भारतीय मूल्यों को जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया है। अब शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि योग्य, आत्मनिर्भर, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान नागरिक तैयार करना है।

शिक्षा बजट बढ़ाकर 18,538 करोड़ किया

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में लगातार सुधार कर रही है। चालू वित्त वर्ष में स्कूल शिक्षा का बजट बढ़ाकर 18,538 करोड़ रुपए किया गया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का दायरा बढ़ाने के लिए मॉडल संस्कृत विद्यालयों की संख्या बढ़ाकर 218 की गई है, जबकि प्रदेश में 251 पीएम श्री विद्यालय विकसित किए गए हैं। इसके अलावा 250 विद्यालयों को सीएम-ईईई स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ खेलों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश के 3,328 विद्यालयों में खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं। गणित के प्रति विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाने के लिए हरियाणा गणित ओलंपियाड शुरू किया गया है।

शिमला

शिमला में गहराया पेयजल संकट, अधूरी योजना पर भाजपा ने सरकार से मांगा जवाब

शहरवासियों को नियमित जलापूर्ति नहीं मिलने से रोजमर्रा की जरूरतें हुई प्रभावित

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला में गहराते पेयजल संकट को लेकर भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने कांग्रेस सरकार और नगर निगम शिमला पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर के कई क्षेत्रों में लोगों को नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं मिल रही है और उन्हें कई-कई दिन तक पानी का इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि राजधानी में जहां 24 घंटे पेयजल उपलब्ध कराने के दावे किए जा रहे थे, वहीं आज लोग रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पर्याप्त पानी जुटाने को मजबूर हैं।

972 करोड़ की योजना पर सवाल

: कर्ण नंदा ने कहा कि शिमला की पेयजल समस्या के स्थायी समाधान के लिए करीब 972 करोड़ रुपये की 24म7 पेयजल योजना शुरू की गई थी। योजना को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए, लेकिन अब इसके क्रियान्वयन में अनियमितताओं की आशंका के चलते मुख्यमंत्री कार्यालय को जांच के आदेश देने पड़े हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने बड़े प्रोजेक्ट की निगरानी समय रहते क्यों नहीं की गई और योजना जनता को राहत देने के बजाय जांच के घेरे में कैसे पहुंच गई।

5500 कनेक्शन का लक्ष्य : उन्होंने कहा कि योजना के तहत करीब 5500 नए कनेक्शन दिए जाने थे, लेकिन नई लाइन से अभी तक एक भी नया कनेक्शन नहीं दिया गया। इसी तरह 19 टैंकों का निर्माण प्रस्तावित था, लेकिन इनमें से एक भी टैंक अभी तैयार नहीं हुआ है। इससे योजना की प्रगति और कार्यान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

लाइन बिछाने का काम भी अधूरा : कर्ण नंदा के अनुसार योजना में 136 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई जानी थी, लेकिन अभी तक केवल 51 किलोमीटर लाइन ही बिछ पाई है। 27 किलोमीटर फीडर लाइन के मुकाबले मात्र पांच किलोमीटर का काम पूरा हुआ है।

जनता को कब मिलेगा 24 घंटे पानी : भाजपा नेता ने कहा कि एक ओर शिमला की जनता बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान है और दूसरी ओर करोड़ों रुपये की योजना अधूरी पड़ी है। कई इलाकों में लोगों को चौथे दिन तक पानी मिलने की स्थिति सरकार के 24 घंटे पानी उपलब्ध कराने के दावे पर सवाल खड़े करती है। उन्होंने कांग्रेस सरकार और नगर निगम से पूछा कि आखिर शिमला की जनता को 24 घंटे पेयजल सुविधा कब मिलेगी।

जांच में सभी पहलुओं को शामिल करने की मांग : कर्ण नंदा ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जांच के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपना मामले की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने मांग की कि जांच में संबंधित कंपनी द्वारा अनुबंध की शर्तों के पालन, कार्य की गुणवत्ता, निर्धारित समयसीमा, अब तक किए गए भुगतान, विलंब पर लगाए गए जुर्माने, संचालन एवं रखरखाव पर हुए खर्च तथा अधिकारियों की जवाबदेही की जांच की जाए।

कैग रिपोर्ट पर जयराम का हमला सरकार की वित्तीय नीतियों पर उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कैग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए सुक्खू सरकार पर प्रदेश की वित्तीय व्यवस्था को बदहाल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार के दावों और जमीनी वित्तीय स्थिति में बड़ा अंतर है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि कैग की रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेश 162 दिन यानी करीब 44 प्रतिशत समय निर्धारित न्यूनतम नकदी से नीचे रहा। इस दौरान ट्रेजरी 42 बार ओवरड्राफ्ट हुई और वर्ष के अंत तक 1,652.42 करोड़ रुपये की राशि चुकानी बाकी रही। इसके लिए सरकार को 12.40 करोड़ रुपये अतिरिक्त ब्याज देना पड़ा।

उन्होंने बताया कि सरकार ने 12 महीनों में 120 बार वेज एंड मीन्स एडवांस के माध्यम से भारतीय रिजर्व बैंक से कुल 11,276.83 करोड़ रुपये की उधारी ली। जयराम ठाकुर ने इसे प्रदेश की गंभीर वित्तीय स्थिति का संकेत बताया।

उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार के दौरान कैश बैलेंस इन्वेस्टमेंट अकाउंट 3,645.18 करोड़ रुपये तक पहुंचा था, लेकिन 2023-24 और 2024-25 में इसमें क्रमश: 2,187.37 करोड़ और 1,457.81 करोड़ रुपये की कमी आई। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि विकास योजनाओं और केंद्र प्रायोजित योजनाओं का पैसा अन्य मदों में खर्च होने से योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा नहीं होने के कारण आगामी बजट आवंटन में भी दिक्कत आ रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री के वर्ष 2027 तक हिमाचल को आत्मनिर्भर और 2032 तक देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाने के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को जनता के सामने इसका स्पष्ट फार्मूला रखना चाहिए।

अग्निवीर से सेना अधिकारी बने विकास गौतम, एक संकल्प ने बदली जिंदगी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के एक छोटे से गांव से निकलकर सीनियर अंडर ऑफिसर विकास गौतम ने अग्निवीर से सेना अधिकारी बनने तक का प्रेरणादायी सफर तय किया है। बचपन से ही भारतीय सेना की वर्दी पहनकर देशसेवा करने का सपना देखने वाले विकास ने कंप्यूटर विज्ञान में अभियंत्रण की पढ़ाई पूरी करने के बाद अग्निवीर के रूप में सेना में प्रवेश किया।

उन्होंने आर्मर्ड कॉर्प्स की 'द सिंध हॉर्स' में टी-90 टैंक गनर के रूप में सेवा दी। लेह में करीब 17,300 फीट की ऊंचाई पर तैनाती के दौरान कठिन परिस्थितियों में काम करने का अनुभव मिला। सेना की रेजिमेंट ने उनके भीतर अनुशासन, टीम भावना और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया। इसी दौरान अधिकारी बनने का उनका संकल्प और दृढ़ हुआ।

अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, गया में प्रशिक्षकों और वरिष्ठ कैडेटों के मार्गदर्शन ने उनके नेतृत्व कौशल, आत्मविश्वास, सहनशक्ति और निर्णय लेने की क्षमता को और निखारा। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने कई उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने क्रॉस-कंट्री प्रतियोगिता में अकादमी का रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा शारीरिक प्रशिक्षण में मेरिट कार्ड हासिल किया और युद्ध बाधा दौड़ में पांच मिनट 51 सेकंड का रिकॉर्ड बनाया।

अब युवा सेना अधिकारी के रूप में नई जिम्मेदारी संभालने जा रहे विकास गौतम का लक्ष्य सम्मान, साहस और उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ देश की सेवा करना है।

मनुज शारदीय बने आईआईए हिमाचल चैप्टर के निर्विरोध चेयरपर्सन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स के हिमाचल प्रदेश चैप्टर की वर्ष 2026-28 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। आर्किटेक्ट मनुज शारदीय को चैप्टर का चेयरपर्सन निर्विरोध चुना गया है। उनके साथ आर्किटेक्ट सुशील शर्मा को उपाध्यक्ष, आर्किटेक्ट नीरज रघुवंशी को मानद कोषाध्यक्ष तथा आर्किटेक्ट विजय ठाकुर और अभिनव कौंडल को संयुक्त मानद सचिव चुना गया है।

नई कार्यकारिणी में आर्किटेक्ट अश्वनी कालिया, लेख राज, राजेश कुमार, राजिंदर कुमार धीमान, रेखा कौंडल, सलोचना धीमान, डॉ. संदीप शर्मा और डॉ. सतीश कुमार कटवाल को शामिल किया गया है।

मनुज शारदीय को वास्तुकला के क्षेत्र में 22 वर्षों से अधिक का पेशेवर अनुभव है। वह लंबे समय से आईआईए हिमाचल चैप्टर से जुड़े रहे हैं और विभिन्न जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। हिमाचल में

वास्तुकला तथा पहाड़ी क्षेत्रों के विकास से जुड़े विषयों पर भी उनका व्यापक अनुभव रहा है।

चेयरपर्सन चुने जाने के बाद उन्होंने सभी सदस्यों का आभार जताते हुए कहा कि यह पद सम्मान के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उनका लक्ष्य प्रदेश के अधिक से अधिक वास्तुविदों को संगठन से जोड़ना, पेशेवर विकास के अवसर बढ़ाना और ज्ञान साझा करने के लिए बेहतर मंच तैयार करना है। नई टीम युवा वास्तुविदों को अवसर देने के साथ सरकारी विभागों, स्थानीय निकायों और संबंधित संस्थानों के साथ सकारात्मक संवाद को प्राथमिकता देगी।

अनुबंध शिक्षकों को मिलेगा पूरी सेवा अवधि का लाभ

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने अनुबंध आधार पर नियुक्त शिक्षकों के हक में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि नियमितीकरण के बाद उनकी पूरी अनुबंध अवधि को वरिष्ठता, सालाना वेतन वृद्धि, वेतन निर्धारण, पदोन्नति और पेंशन सहित सभी सेवा लाभों के लिए गिना जाएगा। न्यायाधीश जिया लाल भारद्वाज ने मनोज कुमार, अजय कुमार और भूपेंद्र पाल की ओर से दायर विभिन्न याचिकाओं की संयुक्त सुनवाई के दौरान यह आदेश पारित किया।

मामले के अनुसार याचिकाकर्ताओं ने वर्ष 2010 में जारी विज्ञापन के तहत भाषा अध्यापक, टीजीटी चिकित्सा और ड्राइंग मास्टर के पदों के लिए आवेदन किया था। उन्होंने भर्ती एवं पदोन्नति नियमों के तहत लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार की निर्धारित प्रक्रिया पूरी की थी। इसके बावजूद सरकार ने उन्हें नियमित नियुक्ति देने के बजाय वर्ष 2012 में अनुबंध आधार पर 13,500

रुपये के निश्चित वेतन पर नियुक्त किया। बाद में उनकी सेवाएं नियमित कर दी गईं, लेकिन अनुबंध अवधि को वरिष्ठता और अन्य सेवा लाभों में शामिल नहीं किया गया।

इससे प्रभावित कर्मचारियों ने न्यायालय का रुख किया। हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद कहा कि यदि किसी कर्मचारी की नियुक्ति स्वीकृत पद पर विधिवत जारी विज्ञापन और निर्धारित चयन प्रक्रिया के तहत हुई है तो नियमितीकरण के बाद उसकी अनुबंध सेवा को सेवा लाभों से अलग नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसी पूरी अवधि को वरिष्ठता, वेतन वृद्धि, वेतन निर्धारण, पदोन्नति और पेंशन संबंधी लाभों के लिए शामिल किया जाना चाहिए।

अदालत के इस फैसले से उन कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद है जिनकी अनुबंध सेवा को नियमितीकरण के बाद सेवा अवधि में नहीं जोड़ा गया था। वित्तीय बकाया भी मिलेगा: न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि याचिकाकर्ताओं को उनकी शुरुआती नियुक्ति की तारीख से सभी वित्तीय बकाया का भुगतान किया जाए। अदालत ने कहा कि कर्मचारियों को उनके वास्तविक सेवा अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता।

शिमला में मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने जानी सैन्य विरासत और प्रशिक्षण व्यवस्था

ऐतिहासिक धरोहरों और वीरता के प्रतीकों से रूबरू हुए पत्रकार

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रेस सूचना ब्यूरो, कोलकाता के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल के मीडिया प्रतिनिधिमंडल ने शिमला के अन्नाडेल स्थित आर्मी हेरिटेज म्यूजियम का दौरा किया।

संग्रहालय सेना प्रशिक्षण कमान के मुख्यालय के अधीन है। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल को भारतीय सेना की प्रशिक्षण व्यवस्था, परिचालन तैयारियों और समृद्ध सैन्य विरासत की प्रत्यक्ष जानकारी मिली।

कर्नल अभिनव धस्माना ने मीडिया प्रतिनिधियों को भारतीय सेना की प्रशिक्षण प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षण कमान की भूमिका, परिचालन तैयारियों, प्रशिक्षण पद्धतियों और मानकों के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं से अवगत करवाया।

सेना प्रशिक्षण कमान की स्थापना एक अक्टूबर 1991 को हुई थी। यह भारतीय सेना की प्रशिक्षण नीतियों और सिद्धांतों के निर्माण के साथ प्रशिक्षण व्यवस्था के समन्वय और निगरानी के लिए जिम्मेदार है। इसके प्रशिक्षण नेटवर्क में 24 स्थानों पर 34 प्रशिक्षण संस्थान शामिल हैं। इन संस्थानों में सेना के जवानों और अधिकारियों के लिए परिचालन तथा पेशेवर प्रशिक्षण की व्यापक व्यवस्था है। प्रतिनिधिमंडल ने आर्मी हेरिटेज म्यूजियम के विभिन्न हिस्सों का भी भ्रमण किया। वर्ष 2006 में स्थापित इस संग्रहालय का उद्देश्य भारतीय सेना के इतिहास, परंपराओं, वीरता और बलिदान को संरक्षित कर लोगों तक पहुंचाना है।

सात नए गोसदनों से 2500 बेसहारा गोवंश को मिलेगा सहारा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में सड़कों पर घूम रहे बेसहारा गोवंश की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने गोसदनों और गो अभयारण्यों की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया है। प्रदेश में अब तक 222 गोसदन और गो अभयारण्य बनाए जा चुके हैं, जिनमें 23,018 बेसहारा पशुओं को आश्रय दिया गया है। इसके बावजूद कई क्षेत्रों में गोवंश के सड़कों पर घूमने से सड़क हादसों का खतरा बना हुआ है। कांगड़ा, ऊना, मंडी और कुल्लू जिलों में एक गो अभयारण्य और छह नए गोसदन बनाए जा रहे हैं। इनके तैयार होने के बाद करीब 2,500 बेसहारा पशुओं को चरणबद्ध तरीके से आश्रय मिल सकेगा। इससे सड़कों पर पशुओं की मौजूदगी कम होने के साथ हादसों और पशुओं के हमलों की घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है।

ढल्ली स्कूल में कृष्णमय माहौल, बच्चों ने दी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

विद्यार्थियों ने परंपराओं को समझते हुए उत्साह से लिया भाग

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ब्लू बेल्स पब्लिक स्कूल ढल्ली में तीन सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं तथा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके संदेशों से परिचित करवाना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, भगवद्गीता के संदेश और जन्माष्टमी के महत्व पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थी श्रीकृष्ण और राधा की वेशभूषा में विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

विद्यालय में भजन, नृत्य, नाट्य प्रस्तुतियों सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भक्ति गीतों और रंग-बिरंगी सजावट से विद्यालय परिसर कृष्णमय वातावरण में नजर आया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती संतोष बंता ने विद्यार्थियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य, कर्म, प्रेम, सद्भाव और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

शिमला में बंदरों का आतंक जानलेवा, छत से गिरने पर महिला की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला के समिट्री क्षेत्र में बंदरों के हमले में गंभीर रूप से घायल 63 वर्षीय सत्या देवी की उपचार के दौरान मौत हो गई। रविवार सुबह करीब 7:30 बजे वह मकान की छत पर रखी पानी की टंकियां देखने गई थीं। इसी दौरान बंदरों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। अचानक घबराने से वह छत से नीचे आंगन में जा गिरीं। हादसे में उनके सीने में गंभीर चोटें आईं और काफी खून बह गया। सांस लेने में परेशानी के चलते उन्हें आईजीएमसी के आईसीयू में भर्ती करवाया गया। चिकित्सकों की निगरानी में करीब छह दिन तक उपचार चला, लेकिन शनिवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। परिवार शव को लेकर अर्की रवाना हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार समिट्री क्षेत्र में बंदरों का आतंक लंबे समय से बना हुआ है। बंदरों के झुंड आए दिन घरों की छतों और रिहायशी इलाकों में पहुंचते हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल है।

शिमला में 19 उचित मूल्य दुकानों के लिए 28 सितंबर तक करें आवेदन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जिला शिमला में उचित मूल्य की नई दुकानें खोलने के लिए इच्छुक पात्र व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला नियंत्रक खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नरेंद्र कुमार धीमान ने बताया कि जिले के विभिन्न विकास खंडों और शिमला शहर में कुल 19 स्थानों पर उचित मूल्य की दुकानें खोली जानी प्रस्तावित हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 28 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि यह निर्णय 18 जुलाई 2026 को आयोजित सार्वजनिक वितरण प्रणाली समिति की बैठक में लिया गया था। प्रस्तावित दुकानों में छौहारा विकास खंड की ग्राम पंचायत सारीबासा के देवीधार वार्ड नंबर-दो, नारकंडा की खनेटी पंचायत के खनेटी वार्ड नंबर-पांच और बड़ागांव पंचायत के सराहन शामिल हैं। जुब्बल के झगटान, भोलाड़ और झड़ग, रामपुर के शाह और व्यनूथल में भी दुकानें प्रस्तावित हैं।

इसके अलावा शिमला शहर के कुफटाधार और लोअर खलीणी, टुटू

हीरानगर के क्यारी, मशोबरा के डुबलू, ठियोग के धगाली, डोडरा के वार्ड नंबर-एक, चौपाल के वार्ड नंबर-एक, नेरवा के वार्ड नंबर-तीन, मडावग के वार्ड नंबर-छह, शीलघाट के वार्ड नंबर-पांच तथा पुजारली नंबर-चार के वार्ड नंबर-चार में भी उचित मूल्य की दुकानें खोली जानी हैं। विभाग के अनुसार आवेदनकर्ता की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदकों को शैक्षणिक योग्यता और वित्तीय स्थिति से संबंधित प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे। भूतपूर्व सैनिक, दिव्यांग, शिक्षित बेरोजगार, विधवा और एकल नारी जैसी श्रेणियों से संबंधित आवेदक पात्रता प्रमाण पत्र भी अपलोड कर सकते हैं।

शिक्षक ज्ञान से गढ़ते हैं चिंतनशील और संस्कारी भविष्य

उच्च अध्ययन संस्थान में शिक्षक दिवस पर डॉ. राधाकृष्णन के योगदान को किया याद

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, राष्ट्रपति निवास, शिमला में शिक्षक दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के फेलो, अध्येता, विद्वान, अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान महान दार्शनिक, शिक्षाविद् और संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व एवं योगदान को स्मरण करते हुए उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में शिक्षक की भूमिका और शिक्षा के व्यापक उद्देश्य पर विस्तार से विचार किया गया। संस्थान के फेलो प्रो. एस. रंगनाथ ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम और विषयगत ज्ञान प्रदान करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह विद्यार्थियों में विवेक, चिंतन और मानवीय दृष्टि विकसित करने वाला मार्गदर्शक भी होता है। उन्होंने डॉ. राधाकृष्णन के दार्शनिक चिंतन और शिक्षा के प्रति उनके समर्पण को रेखांकित किया।

इसके बाद संस्थान के फेलो प्रो. बृजेंद्र पाण्डेय ने विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने शिक्षक दिवस की ऐतिहासिक एवं वैचारिक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान सूचना युग में शिक्षक की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। शिक्षक विद्यार्थियों को सही ज्ञान के साथ प्रश्न करने, स्वतंत्र रूप से सोचने और नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए प्रेरित करता है।

शिक्षक निभाते हैं बौद्धिक निर्माण में अहम भूमिका

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. हिमांशु कुमार चतुर्वेदी ने की। उन्होंने डॉ. राधाकृष्णन को श्रद्धापूर्वक याद करते हुए कहा कि उनका जीवन शिक्षा, दर्शन और ज्ञान-साधना के उत्कृष्ट समन्वय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ विचार करने की क्षमता और व्यापक दृष्टिकोण विकसित करता है। कार्यक्रम का संचालन पुस्तकालयाध्यक्ष एवं अकादमिक संसाधन अधिकारी डॉ. राजीव कुमार मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में यह संदेश प्रमुखता से सामने आया कि शिक्षक समाज के बौद्धिक और नैतिक निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्थान के राष्ट्रीय अध्येताओं, टैगोर अध्येताओं, फेलो, आईयूसी एसोसिएट्स और विभिन्न अनुभागों के प्रमुखों सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

खेलोत्सव तीन दिवसीय प्रतियोगिता में 35 विद्यालयों के 346 खिलाड़ियों ने छह खेलों में दिखाया दम

कांगड़ में खेल प्रतिभाओं को सम्मान, शिक्षा को मिली नई उड़ान

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। पीएम श्री राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कांगड़ में आयोजित तीन दिवसीय 41वीं अंडर-14 लड़कों की जोन हरोली खेलकूद प्रतियोगिता शनिवार को संपन्न हो गई। समापन समारोह की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने की। तीन से पांच सितंबर तक चली प्रतियोगिता में 35 स्कूलों के 346 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान वॉलीबॉल, खो-खो, कबड्डी, शतरंज, कुश्ती और बैडमिंटन सहित छह खेलों के मुकाबले करवाए गए।

समापन अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता में विजेता और उपविजेता टीमों के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया।

हरोली को खेलों का केंद्र बनाने पर जोर : मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि हरोली को शिक्षा और खेलों का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए भी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने खेल शिक्षकों, डीपीई और पीईटी से क्षेत्र को खेलों का केंद्र बनाने के लिए अपना दृष्टिकोण साझा करने का आग्रह किया।

कांगड़ स्कूल में कई घोषणाएं : उपमुख्यमंत्री ने कांगड़ स्कूल में अगले वर्ष से संगीत शिक्षा की कक्षाएं शुरू करने की घोषणा की। इसके अलावा चार कमरों वाले अतिरिक्त भवन के निर्माण, सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने और पानी की निकासी के लिए बेहतर नाली व्यवस्था विकसित करने की घोषणा की। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिशासी अभियंता को नाली व्यवस्था को लेकर तुरंत आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कांगड़ के वार्ड नंबर दो और पांच की गलियों के सुधार एवं निर्माण के लिए पांच-पांच लाख रुपये देने की भी घोषणा की।

समारोह से पहले उपमुख्यमंत्री ने स्कूल में 13.75 लाख रुपये की लागत से निर्मित डिजिटल पुस्तकालय का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं से विद्यार्थियों को पढ़ाई के नए संसाधन उपलब्ध होंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों के लिए उन्होंने 31 हजार रुपये देने की घोषणा भी की। उन्होंने स्कूल प्रबंधन समिति से विद्यालय के विकास में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया।

महाविद्यालय में नए पाठ्यक्रम : उन्होंने कहा कि प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री राजकीय महाविद्यालय हरोली का दूसरा भवन अगले वर्ष तक तैयार होने की उम्मीद है। इससे विद्यार्थियों को अतिरिक्त शैक्षणिक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि अगले शैक्षणिक सत्र से महाविद्यालय में एमएससी, विधि और संगीत की कक्षाएं शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कांगड़ मैदान में होली के अवसर पर मेले के आयोजन की भी घोषणा की। उन्होंने ग्राम पंचायत प्रधान को मेले की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र की सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने कहा कि खेलों के साथ स्थानीय संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाना भी जरूरी है।

नालागढ़ में भूस्खलन से खड्ड का बहाव रुका, छह हजार लोगों पर बाढ़ का खतरा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में भारी वर्षा के कारण कई क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। सोलन जिले के नालागढ़ क्षेत्र में नालागढ़-शिमला-रामशहर मार्ग पर कुमारहट्टी-मित्तियां के पास वीरवार रात पहाड़ी दरकने से भारी मात्रा में मलबा और पत्थर चिकनी खड्ड में जा गिरे। इससे खड्ड का बहाव रुक गया और करीब एक किलोमीटर लंबी झील बन गई। झील में पानी जमा होने से कंगनवाल, नंगल, प्लासी और कोइड़ी पंचायतों के करीब छह हजार लोगों पर खतरा मंडरा रहा है। प्रशासन को आशंका है कि यदि झील टूटती है तो निचले क्षेत्रों में अचानक बाढ़ की स्थिति बन सकती है। सुरक्षा के मद्देनजर आसपास के कुछ घरों को खाली करवाया गया है। भूस्खलन के कारण नालागढ़-शिमला-रामशहर मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो गया है। सड़क पर दरारें आने के कारण यातायात प्रभावित हुआ है। लोगों को नालागढ़ से रामशहर जाने के लिए नालागढ़-बुवासनी-साई मार्ग का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। प्रशासन और विशेषज्ञों की टीम पानी की निकासी का रास्ता बनाने में जुटी है।

विश्वविद्यालय भर्ती बदलाव पर एबीवीपी मुखर सरकार की अकादमिक नीति पर उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा पारित हिमाचल प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक 2026 का कड़ा विरोध किया है। एबीवीपी ने आरोप लगाया कि पारदर्शिता और भ्रष्टाचार रोकने के नाम पर सरकार विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक स्वायत्तता को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। संगठन के अनुसार विश्वविद्यालय सरकारी विभाग नहीं बल्कि स्वतंत्र शैक्षणिक संस्थान हैं।

शिक्षक भर्ती पर उठाए सवाल : एबीवीपी की नैंसी अटल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति केवल लिखित परीक्षा के आधार पर नहीं होनी चाहिए। शिक्षक के चयन में शैक्षणिक रिकॉर्ड, शोध, प्रकाशन, विषयगत ज्ञान और अनुभव का भी महत्व है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नियुक्ति व्यवस्था में विषय विशेषज्ञों वाली चयन समितियों का प्रावधान है। ऐसे में सामान्य भर्ती परीक्षा को विश्वविद्यालयों की अकादमिक चयन प्रक्रिया पर लागू करना उचित नहीं है।

मौजूदा व्यवस्था का हवाला : नैंसी अटल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, सरदार पटेल विश्वविद्यालय तथा कृषि एवं बागवानी विश्वविद्यालयों में शिक्षक भर्ती की मौजूदा व्यवस्था में अकादमिक योग्यता को प्रमुखता दी जाती है। इसमें 80 प्रतिशत अंक शैक्षणिक योग्यता और 20 प्रतिशत अंक साक्षात्कार के आधार पर निर्धारित हैं। आवेदन ऑनलाइन लिए जाते हैं और अकादमिक अंकों की प्रक्रिया भी पारदर्शी है। उन्होंने सवाल किया कि जब व्यवस्था में पारदर्शिता के प्रावधान हैं तो इसे बदलने की आवश्यकता क्यों पड़ी।

दूसरे राज्यों से सीखने की सलाह : एबीवीपी ने सरकार को ओडिशा और पंजाब के अनुभवों से सीखने की सलाह दी। संगठन का कहना है कि उच्च शिक्षा में नियुक्ति प्रक्रिया को सामान्य परीक्षा तक सीमित करने के प्रयासों से पहले ही कानूनी और व्यावहारिक सवाल उठ चुके हैं। हिमाचल को ऐसी व्यवस्था लागू करने से बचना चाहिए जिससे विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता और स्वायत्तता प्रभावित हो।

सरकार से मांगा जवाब : नैंसी अटल ने सवाल उठाया कि सरकार को ऐसी सलाह कौन दे रहा है, जो विश्वविद्यालयों की मूल प्रकृति और अकादमिक व्यवस्था का पर्याप्त अध्ययन किए बिना निर्णय सुझा रहा है। उन्होंने पूछा कि क्या सरकार के सलाहकारों ने यूजीसी के नियमों और विश्वविद्यालयों की वर्तमान भर्ती व्यवस्था का अध्ययन किया है। यदि किया है तो विषय विशेषज्ञों वाली चयन व्यवस्था में बदलाव की जरूरत क्यों महसूस हुई।

एबीवीपी ने स्पष्ट किया कि पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी हैं, लेकिन इनके नाम पर विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

सर्वाइकल कैंसर रोकथाम में चमोली अव्वल सभी 3174 बालिकाओं को लगा टीका

उदित नैनवाल। सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में चमोली जनपद ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत चलाए गए ह्यूमन पेपिलोमा वायरस टीकाकरण अभियान में चमोली उत्तराखंड का पहला जनपद बना, जिसने शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया। जनपद में 14 वर्ष आयु वर्ग की लक्षित 3174 बालिकाओं के सापेक्ष सभी 3174 बालिकाओं का टीकाकरण किया गया। जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया। विद्यालयों में जागरूकता अभियान चलाकर बालिकाओं और अभिभावकों को टीके के महत्व की जानकारी दी गई। एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य अधिकारियों और शिक्षा विभाग के समन्वित प्रयासों से यह लक्ष्य हासिल हुआ। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव सिंह पाल ने पूरी टीम को बधाई दी।

लंपी से बचाव के लिए रुद्रप्रयाग में 3367 गोवंश का टीकाकरण

उदित नैनवाल। मैदानी जिलों में लंपी स्किन डिजीज के मामले सामने आने के बाद रुद्रप्रयाग में पशुपालन विभाग अलर्ट हो गया है। गांव-गांव पहुंच रही करीब दो दर्जन टीमें पशुओं का टीकाकरण करने के साथ औषधियां वितरित कर पशुपालकों को जागरूक कर रही हैं। दूसरे चरण में 31 अगस्त से अब तक 3367 गोवंशीय पशुओं का टीकाकरण किया जा चुका है। विभाग ने पशुपालकों से समय पर टीकाकरण कराने और लक्षण दिखने पर तत्काल पशु चिकित्सालय से संपर्क करने की अपील की है। नगर निकायों को कीटनाशक छिड़काव और फॉगिंग के निर्देश भी दिए गए हैं।

स्मार्ट सिटी देहरादून की सड़कों पर गड्ढों का राज

अनिल थपलियाल। देहरादून में स्मार्ट सिटी के दावों के बीच शहर की जर्जर सड़कें व्यवस्था की पोल खोल रही हैं। प्रमुख मार्गों पर जगह-जगह गहरे गड्ढे, उखड़ा डामर और बिखरा कंक्रीट राहगीरों के लिए परेशानी बन गए हैं। इन सड़कों पर दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने और चोटिल होने का खतरा बना हुआ है। धूल और उड़ते पत्थरों से पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़कें बदहाल हैं। उन्होंने प्रशासन और नगर निगम से जल्द मरम्मत कराकर गड्ढों से राहत दिलाने की मांग की है।

चढ़ावा चोरी प्रकरण में जांच समिति के सामने पेश हुए संदीप खत्री

अनिल थपलियाल। बदरीनाथ मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में गढ़वाल कमिश्नर आनंद स्वरूप की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय जांच समिति ने भैरव सेना अध्यक्ष संदीप खत्री के बयान दर्ज किए। खत्री ने लिखित बयान में पूरे मामले की निष्पक्ष और विस्तृत जांच की मांग की। उन्होंने चढ़ावा गिनती में कर्मचारियों की तैनाती और पुराने सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं होने को लेकर सवाल उठाए। खत्री ने गिरफ्तार तीन आरोपियों तक जांच सीमित न रखने और मामले से जुड़े सभी लोगों की भूमिका की पड़ताल करने का आग्रह किया। उन्होंने दोषियों की पहचान कर कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

देहरादून में सीटू का प्रदर्शन, गृह मंत्री का पुतला फूंका

अनिल थपलियाल। दिल्ली पुलिस की कथित बर्बरता और पत्रकारों पर हमले के विरोध में सीटू के बैनर तले श्रमिकों, महिलाओं और छात्रों ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सीटू कार्यालय से राजपुर रोड तक जुलूस निकालकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई, स्वतंत्र न्यायिक जांच और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई। इस दौरान गृह मंत्री का पुतला भी फूंका गया और चार सूत्री मांगें रखी गईं।

सोशल मीडिया के जरिए जनसंवाद बढ़ाएगी उत्तराखंड कांग्रेस

अनिल थपलियाल

उत्तराखंड कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग की नव नियुक्त प्रदेश कार्यकारिणी की पहली बैठक देहरादून में हुई। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने राष्ट्रीय समन्वयकों का स्वागत किया। बैठक में सोशल मीडिया संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कांग्रेस की नीतियों और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने पर चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष अभिनव थापर ने संगठन को सक्रिय और जनसरोकारों से जोड़ने की बात कही। राष्ट्रीय समन्वयक संदीप गुप्ता ने 2027 विधानसभा चुनाव को देखते हुए मजबूत डिजिटल संगठन तैयार करने पर जोर दिया।

रुद्राक्ष उत्पादन में आत्मनिर्भर बनेगा उत्तराखंड

नेपाल के खेती मॉडल से उत्तराखंड में बढ़ेगी रुद्राक्ष की व्यावसायिक खेती

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

हिमालयी राज्य उत्तराखंड रुद्राक्ष की खेती, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में अहम कदम उठाने जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में रुद्राक्ष की संगठित व व्यावसायिक खेती को बढ़ावा देने को व्यापक नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि उक्त पहल टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय के नेतृत्व में गए एक प्रतिनिधिमंडल की ओर से नेपाल में किए गए विस्तृत अध्ययन के बाद सामने आई है। प्रतिनिधिमंडल में कृषि वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक लेखक डॉ. रमेश सिंह पाल, रुद्राक्ष विशेषज्ञ प्रिंस अग्रवाल शामिल थे।

नेपाल इंडोनेशिया से आयात घटाने की बनेगी रणनीति

उन्होंने नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों में रुद्राक्ष की खेती, फसल प्रबंधन, कटाई के बाद की प्रसंस्करण व्यवस्था, विपणन प्रणाली, मिट्टी की विशेषताओं तथा किसान आधारित उत्पादन मॉडल का अध्ययन किया।

रुद्राक्ष को लाभकारी फसल बनाने की तैयारी तेज

देहरादून। क्षेत्रीय अध्ययन व वैज्ञानिक आकलन के आधार पर प्रतिनिधिमंडल ने उत्तराखंड में रुद्राक्ष की खेती की संभावनाओं को लेकर बीती 9 जुलाई मुख्यमंत्री धामी को रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। सिफारिशों पर विचार के बाद मुख्यमंत्री के निर्देश पर 31 अगस्त उप सचिव ने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग को व्यापक राज्य नीति तैयार करने के संबंध में पत्र जारी किया।

विधायक किशोर ने बताया कि इसका उद्देश्य रुद्राक्ष को एक व्यावसायिक रूप से लाभकारी फसल के रूप में विकसित करना है। भारत में घरेलू रुद्राक्ष मांग को पूरा करने को आयात पर काफी निर्भरता है। आंकड़ों के अनुसार भारत 95 प्रतिशत से अधिक रुद्राक्ष का आयात नेपाल और इंडोनेशिया से करता है। विधायक उपाध्याय, और डॉ. रमेश सिंह पाल, प्रिंस अग्रवाल ने प्रस्तावित नीति पहल का स्वागत किया।

12 साल बाद मां नंदा की बड़ी जात यात्रा शुरू, जयकारों से गूंजा सिद्धपीठ कुरुड़

अनिल थपलियाल

हिमालय महाकुंभ के रूप में प्रसिद्ध मां नंदा की बड़ी जात यात्रा शनिवार को सिद्धपीठ कुरुड़ से कैलाश के लिए रवाना हुई। पांच दिवसीय पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों के बाद मां नंदा की डोली को विधि-विधान से विदा किया गया। डोली के प्रस्थान के साथ पूरा कुरुड़ क्षेत्र जय मां नंदा के जयकारों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए और मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। करीब 280 किलोमीटर लंबी यह यात्रा विभिन्न गांवों और पड़ावों से होते हुए हिमालयी क्षेत्र में पहुंचेगी। 12 वर्ष बाद आयोजित हो रही इस यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। 30 सितंबर को होमकुंड में पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ यात्रा का विधिवत समापन होगा।

नेपाल आपदा के चलते हरिद्वार में तीज महोत्सव स्थगित

अनिल थपलियाल। नेपाल में आई भीषण प्राकृतिक आपदा के चलते गोर्खाली महिला कल्याण समिति ने 6 सितंबर को होने वाला हरतालिका तीज महोत्सव स्थगित कर दिया है। समिति ने निर्णय लिया कि उत्सव मनाने के बजाय आपदा प्रभावित परिवारों की मदद को प्राथमिकता दी जाएगी। महोत्सव के लिए एकत्रित धनराशि नेपाल राहत कार्यों के लिए भेजी जाएगी। समिति के संरक्षक पदम प्रसाद सुबेदी ने कहा कि संकट की घड़ी में समाज की जिम्मेदारी पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होने की है। अध्यक्ष पदमा पांडेय ने बताया कि समिति समाज के लोगों से अतिरिक्त आर्थिक सहयोग भी जुटाएगी।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर भक्तिमय हुआ इस्कॉन मंदिर, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

अनिल थपलियाल

इस्कॉन देहरादून के मोथरोवाला स्थित मंदिर में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। दिनभर मंदिर परिसर हरिनाम संकीर्तन, भजन, कथा, प्रवचन और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों से भक्तिमय बना रहा। श्री श्री राधा बांके बिहारी जी के विशेष फूल बंगला दर्शन श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे। भगवान के दिव्य विग्रह को फूलों से सजाए गए भव्य फूल बंगले में विराजमान किया गया।

भक्तिमय हुआ मंदिर परिसर

जन्माष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए पूरे दिन प्रसाद वितरण किया गया। शाम को विशेष कृष्ण कथा और प्रवचन हुआ। रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण को 1008 प्रकार के भोग अर्पित किए गए। इसके बाद महामंगल संकीर्तन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य के अवसर पर विशेष जन्म महाआरती की गई। भगवान के जन्म की घोषणा होते ही मंदिर परिसर हरिनाम संकीर्तन और जयकारों से गूंज उठा। महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर के आसपास पांच पार्किंग स्थलों की व्यवस्था की गई थी।

महोत्सव की शुरुआत मंगल आरती और तुलसी पूजा से हुई। इसके बाद गुरु पूजा, जप-ध्यान और श्रीमद्भागवतम की विशेष कृष्ण जन्म कथा आयोजित की गई।

चमोली में जिला योजना समिति चुनाव की प्रक्रिया शुरू

उदित नैनवाल। चमोली में जिला योजना समिति के सदस्यों के निर्वाचन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसके तहत जिला पंचायत और नगर निकायों के निर्वाचित सदस्यों की मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। राज्य निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला योजना समिति के रिटर्निंग अधिकारी गौरव कुमार ने निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 8 सितंबर 2026 को किया जाएगा। इसके बाद मतदाता सूची का निरीक्षण करने तथा दावे और आपत्तियां दाखिल करने के लिए 10 सितंबर तक का समय निर्धारित किया गया है। प्राप्त दावों और आपत्तियों का निस्तारण 12 सितंबर को किया जाएगा।

रुद्रप्रयाग में मानव-वन्यजीव संघर्ष पर वैज्ञानिक अध्ययन शुरू

उदित नैनवाल

मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढ़ती घटनाओं के कारणों को वैज्ञानिक तरीके से समझने के लिए रुद्रप्रयाग वन प्रभाग में शोध शुरू किया गया है। उप वन संरक्षक विनीत कुमार के निर्देशन में सलीम अली सेंटर फॉर ऑर्निथोलॉजी एंड नेचुरल हिस्ट्री के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की छह सदस्यीय टीम अध्ययन कर रही है। टीम का नेतृत्व डॉ. शेखोम इनोओतोम्बी कर रहे हैं। अध्ययन में हिमालयी भालू, गुलदार, जंगली सुअर, बंदर और लंगूर से जुड़ी घटनाओं का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाएगा। शोध की शुरुआत दक्षिणी जखोली रेंज के संवेदनशील क्षेत्रों से हुई है।

टीम उच्छना, पालाकुराली और त्यूंखर सहित आसपास के गांवों में जानकारी जुटा रही है। वन्यजीवों के भोजन, मौसम, आवास, शिकार और मानवीय गतिविधियों जैसे पहलुओं का अध्ययन किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुभव भी शोध का हिस्सा हैं। सभी रेंजों से आंकड़े जुटाने के बाद रिपोर्ट तैयार होगी।

आपदा प्रबंधन पर यूकॉस्ट में हुई चर्चा

अनिल थपलियाल। शिक्षक दिवस के अवसर पर देहरादून के यूकॉस्ट में जल शिक्षा कार्यक्रम के तहत विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने हिमालयी पर्यावरण संरक्षण में शिक्षकों और विद्यार्थियों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। जेएनयू के प्रो. पी.के. जोशी ने हिमालयी जल संसाधनों, जल संरक्षण, वर्षाजल संचयन, जलस्रोत प्रबंधन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने दूरसंवेदी तकनीक, भौगोलिक सूचना प्रणाली और स्थानीय ज्ञान के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के शिक्षक और विद्यार्थी शामिल हुए तथा विशेषज्ञ से प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल कर्णप्रयाग में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

उदित नैनवाल

जिला चमोली के श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल कर्णप्रयाग में शिक्षक दिवस धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य बुद्धिबल्लभ डोभाल तथा वरिष्ठ शिक्षकों ने मां सरस्वती और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। प्रधानाचार्य ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को डॉ. राधाकृष्णन के जीवन, विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से गुरुजनों और माता-पिता का सदैव सम्मान करने तथा अनुशासन का पालन करते हुए अच्छे नागरिक बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ वर्ग के विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में विभिन्न सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र कुमार जोशी, अंकुल पुरोहित और आरोही नवानी ने संयुक्त रूप से किया।

सरकारी अस्पतालों में लापरवाही पर सीएमओ का शिकंजा

पंकज पांडेय

जिला पिथौरागढ़ के सरकारी अस्पतालों में व्यवस्थाओं और ड्यूटी में लापरवाही पर कार्रवाई के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे.एस. चुफाल ने शनिवार को महिला अस्पताल और जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। उपस्थिति पंजिका की जांच में कई अधिकारियों द्वारा उपस्थिति दर्ज नहीं किए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सीएमओ ने स्पष्ट किया कि ड्यूटी में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने भर्ती मरीजों से स्वास्थ्य सुविधाओं और भोजन की गुणवत्ता की जानकारी ली तथा आवश्यक दवाएं अस्पताल से ही उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। यूआईपी स्टोर में वैक्सीन व अन्य सामग्री का स्टॉक भी जांचा गया। एनसीडी सेल और मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक की व्यवस्थाओं की समीक्षा कर मरीजों को बेहतर सेवाएं देने और लंबित कार्य समय पर पूरा करने को कहा।

ऑक्सफोर्ड में गूंजा उत्तराखंड का आनंदम शिक्षा मॉडल

ऑक्सफोर्ड सम्मेलन में डॉ. मैंदोली ने दुनिया को बताया उत्तराखंड का शिक्षा परिवर्तन मॉडल

अनिल थपलियाल

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में आयोजित सामाजिक परिणाम सम्मेलन में उत्तराखंड की आनंदम पाठचर्या को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया गया। 3 और 4 सितंबर को आयोजित सम्मेलन के विशेष सत्र में शिक्षा विभाग समग्र शिक्षा के स्टाफ ऑफिसर डॉ. भगवती प्रसाद मैंदोली ने उत्तराखंड में शिक्षा व्यवस्था में हो रहे बदलावों और आनंदम पाठचर्या के अनुभवों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ साझा किया। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत संस्कृत मंगलाचरण से की और प्रतिभागियों को सचेतनता एवं ध्यान का अभ्यास कराया। इस पहल के माध्यम से शिक्षा में मानसिक शांति, बच्चों के कल्याण और समग्र विकास के महत्व को रेखांकित किया गया।

बच्चों के समग्र विकास पर शिक्षा का जोर

डॉ. मैंदोली ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक परिवर्तन केवल नीतियां बनाने से संभव नहीं है। नीतियों का प्रभाव तब दिखाई देता है जब वे विद्यालयों और कक्षाओं तक पहुंचकर बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम और शैक्षणिक प्रदर्शन बेहतर करना नहीं, बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास, संवेदनशीलता, सहानुभूति, रचनात्मकता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी होना चाहिए।

16 हजार विद्यालयों तक पहुंची आनंदम पहल

डॉ. मैंदोली ने अपने शोधकार्य और राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के अध्ययनों का उल्लेख करते हुए बताया कि आनंदम पाठचर्या से बच्चों की एकाग्रता, सहानुभूति और आपसी संबंधों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं। शिक्षकों के कक्षा प्रबंधन में भी इसके सकारात्मक प्रभाव सामने आए हैं। वर्तमान में यह पहल लगभग 16 हजार विद्यालयों, 30 हजार शिक्षकों और करीब दो लाख विद्यार्थियों तक पहुंच चुकी है।

उत्तराखंड में टैक्स फ्री होगी 'हनुमान अंश' फिल्म, धामी ने की घोषणा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाबा नीब करौरी महाराज के आध्यात्मिक जीवन, भक्ति, सेवा और मानवता के संदेश पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश' को राज्य में कर मुक्त करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने फिल्म की विषयवस्तु की सराहना करते हुए कहा कि यह फिल्म बाबा नीब करौरी महाराज के जीवन और उनके विचारों को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि बाबा नीब करौरी महाराज ने अपने जीवन के माध्यम से मानवता की सेवा, प्रेम, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया।

उनके विचार आज भी बड़ी संख्या में लोगों को प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे महापुरुषों के जीवन और उनके आदर्शों पर आधारित रचनात्मक प्रयास नई पीढ़ी को भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि फिल्म के माध्यम से बाबा नीब करौरी महाराज के सेवा और समर्पण के संदेश को देश-दुनिया तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड की पहचान को उसकी समृद्ध धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ते हुए कहा कि राज्य सरकार देवभूमि की इस विशिष्ट पहचान को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं तथा ऐसी फिल्मों और पहलों से राज्य की विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में मदद मिलेगी।

बारिश | प्रदेश में पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर बरसेंगे बादल

उत्तराखंड में अगले चार दिन भारी बारिश के आसार

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

उत्तराखंड में पहाड़ से लेकर मैदान तक बारिश का सिलसिला लगातार जारी है। राज्य के कई हिस्सों में रिमझिम बारिश हो रही है, जबकि कुछ क्षेत्रों में तेज बौछारें भी पड़ रही हैं। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने अगले तीन से चार दिनों तक राज्य में बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने लोगों से मौसम को देखते हुए सतर्कता बरतने और भारी बारिश के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में अनावश्यक आवाजाही से बचने की अपील की है।

मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार रविवार को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत, बागेश्वर और ऊधमसिंह नगर में कहीं-कहीं तेज बारिश हो सकती है।

बारिश का दौर जारी

छह और सात सितंबर को राज्य के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। वहीं आठ और नौ सितंबर को पर्वतीय जिलों में अनेक स्थानों तथा मैदानी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है।

इसके अलावा राज्य के सभी जिलों में कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश और आकाशीय बिजली चमकने की संभावना जताई गई है। आज और कल राज्य के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। वहीं आठ और नौ सितंबर को पर्वतीय जिलों में अनेक स्थानों तथा मैदानी क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है।

बारिश के बीच उत्तराखंड की प्रमुख नदियों के जलस्तर पर भी नजर रखी जा रही है। शनिवार सुबह दस बजे तक अलकनंदा, गंगा और काली समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़ा है, हालांकि प्रमुख नदी स्थलों पर पानी अभी खतरे के निशान से नीचे बना हुआ है।

अलकनंदा और गंगा का जलस्तर बढ़ा

केंद्रीय जल आयोग की दैनिक जलस्तर एवं बाढ़ पूर्वानुमान रिपोर्ट के अनुसार विष्णुप्रयाग में अलकनंदा का जलस्तर 3111.17 मीटर दर्ज किया गया, जबकि यहां खतरे का स्तर 3113 मीटर है। रुद्रप्रयाग में जलस्तर 625.45 मीटर और श्रीनगर में 533.60 मीटर रहा। रुद्रप्रयाग में पिछले 24 घंटे के दौरान 39.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

चार शहरों में बाढ़ का अलर्ट

केंद्रीय जल आयोग ने श्रीनगर, ऋषिकेश, हरिद्वार और रामनगर को बाढ़ पूर्वानुमान वाले स्थलों में शामिल किया है। लगातार बारिश को देखते हुए इन क्षेत्रों में नदी के जलस्तर और जलप्रवाह पर निगरानी रखी जा रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में होने से राहत है, लेकिन आने वाले दिनों में बारिश बढ़ने पर नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ सकता है।

न्यूज शॉर्ट्स

घर बैठे डाउनलोड होगा मुख्यमंत्री सेहत योजना का हेल्थ कार्ड

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब सरकार की मुख्यमंत्री सेहत योजना के लाभार्थियों के लिए हेल्थ कार्ड प्राप्त करना आसान हो गया है। स्टेट हेल्थ एजेंसी पंजाब ने आधिकारिक पोर्टल पर कार्ड ऑनलाइन डाउनलोड करने की सुविधा शुरू की है। अब कार्ड लेने के लिए केंद्र पर जाने की जरूरत नहीं होगी। ई-केवाईसी और फोटो सत्यापन पूरा होने के बाद लाभार्थी मोबाइल से कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे या उसकी प्रिंट कॉपी निकाल सकेंगे। परिवार पहचान पत्र, हेल्थ कार्ड नंबर, मोबाइल नंबर या आधार नंबर से रिकॉर्ड खोजा जा सकेगा।

बमियाल में भारी वाहनों की आवाजाही के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन

भारतेंदु संवाददाता, बमियाल। जम्मू-कश्मीर से रेत-बजरी लेकर आने वाले भारी वाहनों के गांवों की छोटी सड़कों से पंजाब में प्रवेश करने के विरोध में ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। लोगों ने रात में बड़ी संख्या में ट्रकों को रोक दिया। बताया गया कि मगवाल मोड़ से रमकालमा गांव तक करीब 100 ट्रक खड़े रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि भारी वाहनों की आवाजाही से सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं और हादसों का खतरा बढ़ गया है।

राहुल गांधी के दौरे से पहले भूपेश बघेल साधेंगे पंजाब कांग्रेस में एकजुटता और समन्वय

सात सितंबर को चंडीगढ़ में प्रेस वार्ता, आठ को सरकार के खिलाफ प्रदेशव्यापी प्रदर्शन में होंगे शामिल

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल सात सितंबर को एक बार फिर चंडीगढ़ पहुंचेंगे। राहुल गांधी के प्रस्तावित पंजाब दौरे से ठीक पहले उनका यह दौरा पार्टी संगठन के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बघेल के दो से चार दिन तक चंडीगढ़ और पंजाब में रहने की संभावना है। इस दौरान वह राहुल गांधी के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करने के साथ प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख नेताओं से मुलाकात कर संगठन की स्थिति का जायजा लेंगे।

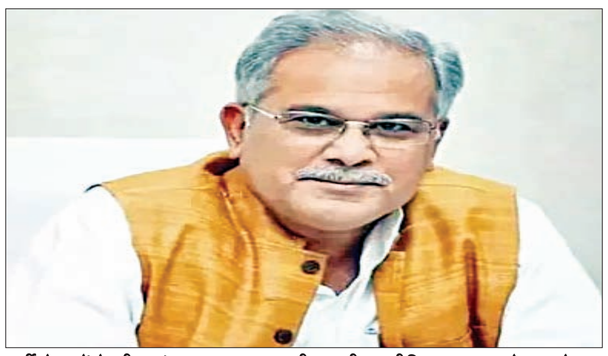

पार्टी नेताओं के बीच संवाद बढ़ाकर आगामी चुनावी रणनीति मजबूत करने पर जोर।

भूपेश बघेल के दौरे का मुख्य उद्देश्य राहुल गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप देना माना जा रहा है। इसके साथ ही पंजाब कांग्रेस के भीतर लंबे समय से चल रही खींचतान और गुटबाजी को कम करने पर भी उनका विशेष ध्यान रहने की संभावना है। पार्टी में अलग-अलग खेमों के बीच मतभेद लगातार चर्चा में रहे हैं। ऐसे में बघेल का नेताओं के साथ संवाद काफी अहम माना जा रहा है।

पंजाब कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के खेमों के बीच मतभेदों की चर्चा होती रही है। कांग्रेस नेतृत्व की कोशिश है कि राहुल गांधी के पंजाब दौरे से पहले पार्टी के भीतर एकजुटता का संदेश जाए। बघेल इसी दिशा में प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं से बातचीत कर सभी को एक मंच पर लाने का प्रयास कर सकते हैं।

शुद्धिकरण मामले पर करेंगे प्रेस वार्ता : भूपेश बघेल सात सितंबर को चंडीगढ़ में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से जुड़े शुद्धिकरण मामले पर प्रेस वार्ता भी करेंगे। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस पहले से ही भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों पर निशाना साध रही है। बघेल की प्रेस वार्ता के दौरान पार्टी की ओर से इस मामले को लेकर अपना पक्ष स्पष्ट किए जाने की संभावना है।

इसके अगले दिन आठ सितंबर को बघेल पंजाब सरकार के खिलाफ कांग्रेस की ओर से आयोजित प्रदेशव्यापी प्रदर्शन में भी शामिल होंगे। इस प्रदर्शन को पार्टी की जमीनी सक्रियता परखने के अवसर के तौर पर भी देखा जा रहा है।

चुनावी तैयारी में कांग्रेस

पंजाब कांग्रेस लंबे समय से संगठनात्मक स्तर पर चुनौतियों का सामना कर रही है। पार्टी नेतृत्व अब संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर दे रहा है। बघेल के दौरे को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। प्रदेशव्यापी प्रदर्शन, नेताओं से संवाद और राहुल गांधी के दौरे की तैयारियों के जरिए कांग्रेस संगठन को चुनावी मोड में लाने की कोशिश कर सकती है। बघेल के दौरे के दौरान पार्टी के भीतर एकजुटता, संगठन की मजबूती और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर रणनीति पर चर्चा होने की उम्मीद है। अब देखना होगा कि पंजाब कांग्रेस के अलग-अलग गुटों के नेताओं के बीच बघेल किस तरह समन्वय स्थापित कर पाते हैं और राहुल गांधी के दौरे से पहले पार्टी कितनी एकजुट नजर आती है।

दूसरी शादी से नहीं बदलेगा जैविक पिता

हाईकोर्ट ने कहा बाद की वैवाहिक स्थिति से नहीं बदलेंगे जन्म तथ्य

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि माता-पिता के वैवाहिक जीवन में बाद में हुए बदलाव के आधार पर जन्म प्रमाणपत्र में दर्ज जैविक पिता का नाम नहीं बदला जा सकता। अदालत ने कहा कि जन्म प्रमाणपत्र बच्चे के जन्म के समय मौजूद वास्तविक तथ्यों का आधिकारिक दस्तावेज है। बाद में हुई शादी, तलाक या दूसरी शादी के कारण जन्म के समय दर्ज तथ्यों को बदला नहीं जा सकता।

महिला ने की थी पिता का नाम बदलने की मांग : मामला एक महिला की ओर से दायर याचिका से जुड़ा था। याचिकाकर्ता ने अपने नाबालिग बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में दर्ज पिता का नाम बदलकर जगजीत सिंह करने की मांग की थी। वर्तमान जन्म प्रमाणपत्र में बच्चे के जैविक पिता के तौर पर किसी अन्य व्यक्ति का नाम दर्ज था। महिला की ओर से नाम में बदलाव के लिए बाद में हुई वैवाहिक परिस्थितियों को आधार बनाया गया था।

बाद की वैवाहिक स्थिति नहीं बदलती जन्म का तथ्य : हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि बच्चे के जन्म के समय जो तथ्य मौजूद थे, वे बाद की घटनाओं से समाप्त नहीं हो जाते। माता या पिता की दूसरी शादी होने से बच्चे के जन्म के समय मौजूद जैविक संबंध नहीं बदलते। अदालत ने स्पष्ट किया कि विवाह या पुनर्विवाह जैसी बाद की घटनाओं का जन्म प्रमाणपत्र में दर्ज मूल तथ्यों पर स्वत: कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

पुराने फैसले का भी दिया हवाला

पीठ ने इस विषय से जुड़े हाईकोर्ट के पूर्व निर्णय का भी उल्लेख किया। अदालत ने कहा कि समान परिस्थितियों वाले मामले में पहले भी यह सिद्धांत सामने आ चुका है कि बाद की वैवाहिक परिस्थितियों के आधार पर बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में जैविक माता-पिता के नाम में बदलाव स्वीकार नहीं किया जा सकता।

याचिका पर अदालत ने हस्तक्षेप से किया इनकार

हाईकोर्ट ने कहा कि माता-पिता की दूसरी शादी अपने आप जन्म प्रमाणपत्र में दर्ज जैविक पिता की पहचान बदलने का कानूनी आधार नहीं बन सकती। बच्चे की वास्तविक वंशावली और जन्म संबंधी तथ्य किसी बाद की घटना से नहीं बदलते। अदालत ने मामले में हस्तक्षेप का कोई उचित आधार नहीं पाया और महिला की याचिका खारिज कर दी। फैसले से यह स्पष्ट हुआ कि जन्म प्रमाणपत्र में दर्ज बच्चे के जन्म और जैविक माता-पिता से जुड़े मूल तथ्यों को बाद की पारिवारिक परिस्थितियों के आधार पर बदलने की अनुमति नहीं दी जा सकती।अदालत के इस फैसले से यह भी स्पष्ट हुआ कि बच्चे के जन्म से जुड़े अभिलेखों में दर्ज तथ्यों की प्रमाणिकता बनाए रखना जरूरी है।

पीयू को विश्वस्तरीय बनाने के लिए एक वर्ष में लक्ष्य तय करने पर जोर

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी के भविष्य और विकास को लेकर पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने उपराष्ट्रपति एवं विश्वविद्यालय के चांसलर सीपी राधाकृष्णन से विशेष ध्यान देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पीयू में देश ही नहीं बल्कि दुनिया की अग्रणी विश्वविद्यालयों में शामिल होने की पूरी क्षमता है। इसके लिए एक वर्ष का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर काम करने की जरूरत है।

एक वर्ष में शीर्ष संस्थान बनाने का लक्ष्य : कटारिया ने कहा कि पंजाब यूनिवर्सिटी के पास मजबूत आधारभूत ढांचा, अनुभवी शिक्षक और शोध की बेहतर क्षमता मौजूद है। विश्वविद्यालय के पेटेंट और शोध कार्य भी इसकी क्षमता को दर्शाते हैं। जरूरत इन संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर संस्थान को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीयू को शीर्ष संस्थान बनाने के प्रयास में पंजाब और हरियाणा सरकारें हरसंभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं।

युवाओं को रोजगार से जोड़ने की जरूरत : राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय की भूमिका केवल विद्यार्थियों को डिग्री देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। युवाओं को हुनर, रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने वाले पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाने चाहिए। उन्होंने उद्योगों की जरूरत और युवाओं के कौशल के बीच मौजूद अंतर को दूर करने पर जोर दिया।

कबाड़ से विज्ञान रचने वाले शिक्षक को मिला राष्ट्रीय सम्मान

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। शिक्षक दिवस 5 सितंबर 2026 चंडीगढ़ के लिए गौरव का दिन बन गया। मलोया कॉलोनी स्थित गवर्नमेंट मॉडल हाई स्कूल के विज्ञान शिक्षक रवि कुमार जायसवाल को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हाथों राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके अभिनव शिक्षण प्रयोगों और विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ने के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित शिक्षकों से बातचीत की थी। इस दौरान रवि जायसवाल भी मौजूद रहे। उनके शिक्षण कार्यों और विद्यार्थियों के लिए किए गए नवाचारों की विशेष रूप से सराहना की गई। रवि जायसवाल ने विद्यालय में कबाड़ और बेकार पड़े सामान का रचनात्मक इस्तेमाल कर तीन आयामी सीवी रमन डोम थिएटर तैयार किया है। इसके अलावा उन्होंने स्कूल परिसर में मौसम केंद्र भी बनाया है।

मोहाली में मुख्यमंत्री ने 50 शिक्षकों को किया सम्मानित

- शिक्षा दिवस पर उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शिक्षकों को मिले राज्यस्तरीय पुरस्कार

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली

शिक्षा दिवस के अवसर पर पंजाब सरकार की ओर से मोहाली स्थित विकास भवन में राज्यस्तरीय समागम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रदेशभर के शिक्षकों को सम्मानित किया। उत्कृष्ट सेवाओं और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 50 अध्यापकों को राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समय के साथ शिक्षा के तौर-तरीकों में तेजी से बदलाव आया है। कंप्यूटर और आधुनिक तकनीक ने पढ़ाई को पहले की तुलना में अधिक आसान और व्यापक बनाया है। आज विद्यार्थियों के पास सीखने के लिए कई माध्यम उपलब्ध हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा दिखाने और ज्ञान का उचित इस्तेमाल सिखाने में शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को मेहनत और ईमानदारी के साथ पढ़ाई करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नकल के सहारे एक-दो परीक्षाएं पास की जा सकती हैं, लेकिन जीवन की परीक्षा अपने दम पर ही सफलतापूर्वक पास करनी पड़ती है। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई में किसी भी तरह का शॉर्टकट अपनाने के बजाय निरंतर मेहनत करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने अपने शिक्षकों को भी याद किया। उन्होंने बताया कि सामाजिक शिक्षा के शिक्षक रमेश्वर दास, हिंदी शिक्षक नैनू राम सहित उनके अन्य शिक्षकों ने उनके जीवन को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि आज भी जब वह अपने पुराने शिक्षकों से मिलते हैं तो उनका सम्मान करते हुए पैर छूते हैं।

उन्होंने शिक्षक और विद्यार्थी के रिश्ते को पेड़ लगाने वाले व्यक्ति के उदाहरण से समझाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह किसी व्यक्ति द्वारा लगाया गया पेड़ बड़ा होकर फल, फूल और छाया देने लगता है तो उसे सबसे अधिक खुशी होती है, उसी तरह शिक्षक को भी अपने पढ़ाए विद्यार्थी की सफलता देखकर जीवनभर गर्व महसूस होता है।

न्यूज ब्रीफ

पीजीआई में तेजी से बढ़ रहे स्वाइन फ्लू के मामले

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। मौसम में बदलाव के साथ स्वाइन फ्लू और इन्फ्लुएंजा के मामलों में तेजी आई है। पीजीआई में इस साल अब तक स्वाइन फ्लू और इन्फ्लुएंजा-बी समेत इन्फ्लुएंजा के 170 मरीज संक्रमित पाए गए हैं। इनमें करीब आधे मामले सितंबर में सामने आए हैं। पीजीआई ने मरीजों के लिए विशेष जांच, उपचार और पृथक वार्ड की व्यवस्था की है। आंकड़ों के अनुसार संक्रमित मरीजों में पंजाब के 68, हरियाणा के 34, चंडीगढ़ के 28, हिमाचल प्रदेश के 20 और उत्तर प्रदेश के 10 मरीज शामिल हैं। इनमें 83 पुरुष, 87 महिलाएं और 36 बच्चे हैं। डॉक्टरों के अनुसार बुखार, लगातार खांसी और सांस लेने में परेशानी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और हृदय या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों ने समय पर जांच और उपचार कराने पर जोर दिया है।

धारीवाल में नकली खाद बेचने पर पुलिस ने दर्ज किया केस

भारतेंदु संवाददाता, गुरदासपुर। धारीवाल कस्बे में किसानों को कथित तौर पर गैर-मानक खाद बेचकर धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। कृषि विभाग के निर्देश पर धारीवाल पुलिस ने यह कार्रवाई की। खाद निरीक्षक एवं कृषि विकास अधिकारी की शिकायत के आधार पर अनधिकृत गोदाम में गैर-मानक खाद रखने, बेचने और बिक्री के लिए पेश करने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस जांच अधिकारी रछपाल सिंह ने बताया कि मामले में राकेश कुमार, एक रासायनिक फर्म की बिक्री टीम से जुड़े व्यक्ति, एक निजी कंपनी और धारीवाल निवासी योगेश कुमार को नामजद किया गया है। शिकायत के अनुसार आरोपितों ने कथित साजिश के तहत गैर-मानक खाद का भंडारण किया और उसे किसानों को बेचने की तैयारी की। आरोप है कि इससे किसानों को आर्थिक नुकसान पहुंचाने के साथ सरकार को भी राजस्व का नुकसान हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पेट्रोल लंगर के नकली कूपनों का फर्जीवाड़ा आया सामने

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़ । चंडीगढ में पेट्रोल लंगर के तहत बांटे जा रहे कूपनों में फर्जीवाड़ा सामने आया है। सेक्टर-7 स्थित सिद्धू पेट्रोल पंप पर 2500, 1000 और 500 रुपये के नकली कूपन पकड़े गए। इसके बाद इन तीनों राशि वाले कूपनों को बंद कर दिया गया है। अब पेट्रोल पंपों पर केवल 300 रुपये वाले कूपन ही स्वीकार किए जाएंगे। पंप संचालकों को कारोबारी राकेश त्रेहन उर्फ राजा दी किंग की ओर से बांटे गए कूपनों और पंप पर इस्तेमाल होने वाले कूपनों के कागज में अंतर नजर आया। शक होने पर कारोबारी से संपर्क किया गया। जांच में तीनों राशि के कूपन नकली पाए गए। इसके बाद राजा दी किंग ने पंप संचालकों को फिलहाल 300 रुपये वाले कूपन स्वीकार करने के निर्देश दिए। बताया गया कि नकली कूपन बनाने वालों ने 300 रुपये वाले कूपन की नकल नहीं की थी। इससे पहले चंडीगढ़ में 500 रुपये के नोटों का लंगर भी लगाया जा चुका है।

खरड़ में मामूली विवाद ने लिया हिंसक झगड़े का रूप

भारतेंदु संवाददाता, खरड़। बस स्टैंड के पास गुरु तेग बहादुर नगर जाने वाली सड़क पर रास्ता लेने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला मारपीट में बदल गया, जिसमें पांच युवक घायल हो गए। बताया जा रहा है कि एक लड़की को कथित तौर पर बुग्गा कहने के बाद विवाद बढ़ा। जानकारी के अनुसार डिपार्टमेंटल स्टोर के बाहर रास्ता लेने को लेकर कुछ युवकों और लड़की के बीच कहासुनी हुई। इसके बाद कुछ युवक प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय पहुंचे और वहां पथराव व मारपीट करने के आरोप लगे। घायल अमनदीप सिंह, शलिंदर सिंह, कमलप्रीत सिंह, रोहित और निजाम को सिविल अस्पताल खरड़ में भर्ती कराया गया। पुलिस थाना प्रभारी अमरिंदर सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ संबंधित लोगों के बयान दर्ज कर रही है। अस्पताल के बाहर भी दोनों पक्षों के युवकों के बीच दोबारा मारपीट होने की बात सामने आई है। घटना का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

लीज होल्ड प्रॉपर्टी बिक्री में नो-ड्यूज प्रमाणपत्र की अनिवार्यता हुई खत्म

प्रशासन के आदेश से संपत्ति लेनदेन होगा आसान और अनावश्यक देरी घटेगी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

शहर में लीज होल्ड प्रॉपर्टी की खरीद-बिक्री करने वाले लोगों को प्रशासन ने बड़ी राहत दी है। अब लीज होल्ड प्रॉपर्टी बेचने से पहले नो-ड्यूज प्रमाणपत्र जमा कराने की अनिवार्यता नहीं होगी। डीसी कम एस्टेट ऑफिसर निशांत यादव ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। प्रशासन के इस निर्णय से संपत्ति की बिक्री प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने में मदद मिलेगी।

अभी तक लीज होल्ड प्रॉपर्टी की बिक्री से पहले संबंधित संपत्ति का नो-ड्यूज प्रमाणपत्र प्राप्त करना आवश्यक होता था। प्रमाणपत्र लेने की प्रक्रिया में समय लगने के कारण कई बार संपत्ति का सौदा आगे बढ़ाने में देरी होती थी। इससे खरीदार और विक्रेता दोनों को परेशानी होती थी। विशेष रूप से उन मामलों में समस्या अधिक बढ़ जाती थी, जहां संपत्ति की बिक्री जल्द पूरी करनी होती थी।

- खरीदार और विक्रेता दोनों को राहती, सौदों में तेजी आएगी
- जुलाई में उठी मांग पर प्रशासन ने हटाई बिक्री पूर्व प्रमाणपत्र की बाध्यता

प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स एसोसिएशन चंडीगढ़ ने इस मुद्दे को प्रशासन के समक्ष उठाया था। एसोसिएशन के अध्यक्ष विक्रम चोपड़ा ने बताया कि जुलाई में एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने प्रशासन के अधिकारियों से मुलाकात की थी। इस दौरान नो-ड्यूज प्रमाणपत्र से जुड़ी प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग रखी गई थी। एसोसिएशन ने अधिकारियों को बताया था कि बिक्री से पहले प्रमाणपत्र हासिल करने की लंबी प्रक्रिया के कारण संपत्ति के लेन-देन में अनावश्यक विलंब हो रहा है।

एसोसिएशन की मांग पर प्रशासन ने अब बिक्री के समय नो-ड्यूज प्रमाणपत्र जमा कराने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। इससे विक्रेताओं को प्रमाणपत्र के लिए अलग से प्रक्रिया पूरी करने और उसके कारण बिक्री रोकने की जरूरत नहीं होगी।

चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव के वार्ड आरक्षण से बदलेगा पार्षदों का चुनावी गणित

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। नगर निगम चुनाव के लिए 11 सितंबर को होने वाले वार्ड आरक्षण ड्रॉ से पहले संभावित अनुसूचित जाति और महिला आरक्षित वार्डों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। 2011 की जनगणना में दर्ज अनुसूचित जाति आबादी और 2021 की आरक्षण रोटेशन व्यवस्था के आधार पर वार्ड नंबर 1, 3, 4, 9, 15, 29 और 32 के अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित होने की संभावना जताई जा रही है।वर्ष 2021 में वार्ड 7, 16, 19, 24, 26, 28 और 31 अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित थे। रोटेशन व्यवस्था के कारण इन वार्डों को इस बार उसी श्रेणी में दोबारा आरक्षित किए जाने की संभावना कम है। संभावित सात वार्डों में से तीन को अनुसूचित जाति महिला और चार को अनुसूचित जाति के लिए खुला रखा जाएगा। नगर निगम के 35 वार्डों में कुल 12 वार्ड महिलाओं के लिए आरक्षित किए जाएंगे। इनमें तीन अनुसूचित जाति महिला और नौ सामान्य महिला वार्ड होंगे।

करोड़ों की कोठी विवाद में विधवा की शिकायत, पुलिस जांच शुरू

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

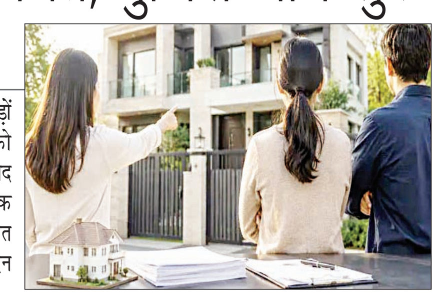

- पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान दर्ज कर नामजद लोगों को भेजा नोटिस

सेक्टर-15 स्थित करोड़ों रुपये की कोठी को लेकर पारिवारिक विवाद अब पुलिस जांच तक पहुंच गया है। दिवंगत एनआरआई ब्रिज नंदन सिंह सोइन की पत्नी कमलप्रीत कौर ने उनकी पहली पत्नी नीना सोइन और दोनों बेटों अश्विन नंदन सिंह सोइन व सर्व नंदन सिंह सोइन के खिलाफ एसएसपी को शिकायत दी है। उन्होंने मकान पर कब्जा करने, धमकी देने और मारपीट के आरोप लगाए हैं।

वसीयत को लेकर विवाद : कमलप्रीत कौर का दावा है कि उनके दिवंगत पति ने सेक्टर-15 स्थित संपत्ति उनके नाम वसीयत की थी। शिकायत के अनुसार, ब्रिज नंदन और उनकी पहली पत्नी नीना का वर्ष 2012 में तलाक हो गया था। इसके बाद ब्रिज नंदन ने दूसरी शादी की। कमलप्रीत के अनुसार, दोनों ने 18 मार्च 2021 को सिख रीति-रिवाज से विवाह किया था। उनका दावा है कि विवाह के बाद ब्रिज नंदन ने पुरानी वसीयत रद कर नई वसीयत उनके पक्ष में कर दी थी।

पति की मौत के बाद बढ़ा विवाद : ब्रिज नंदन की 31 मार्च 2022 को कैंसर से मौत के बाद संपत्ति को लेकर विवाद बढ़ने का आरोप है। कमलप्रीत का आरोप है कि दोनों बेटों ने मकान के ऊपरी हिस्से के ताले तोड़कर कब्जा कर लिया। उन्होंने पुलिस को विवाह प्रमाणपत्र, वसीयत और अन्य दस्तावेज सौंपने की बात कही है। शिकायत में 30 से 35 करोड़ रुपये के कथित हवाला लेनदेन की जांच की भी मांग की गई है। कमलप्रीत ने संबंधित केंद्रीय एजेंसियों से भी जांच की मांग की है।

डिजिटल माध्यम से होगी अज्ञात शवों की पहचान

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब सरकार ने अज्ञात शवों की पहचान और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए पहचान पोर्टल शुरू किया है। सेहत मंत्री डॉ. बलवीर सिंह ने दो सितंबर को पोर्टल का शुभारंभ किया। इसमें अज्ञात शवों की तस्वीरें और पहचान से जुड़े विवरण ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। पोर्टल शुरू होने के तीन दिन में 270 शवों की तस्वीरें अपलोड की जा चुकी हैं। पंजाब में हर साल करीब छह से सात हजार अज्ञात शव मिलते हैं। पहले केवल पांच प्रतिशत शवों की पहचान हो पाती थी। अब लोग मोबाइल नंबर और ओटीपी के जरिए पोर्टल पर जानकारी देख सकेंगे। चेहरे के अलावा टैटू, सर्जरी के निशान, कपड़े, जूते, अंगूठी और अन्य पहचान चिह्न भी दर्ज किए जाएंगे।

प्रतीक्षा अमित शाह की अध्यक्षता में होने वाली बैठक टली, प्लान, विभिन्न प्रस्तावों पर अटका फैसला

चंडीगढ़ के अहम प्रस्तावों पर फिर बढ़ा फैसले का इंतजार

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

शहर के भविष्य और विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर निर्णय की उम्मीद एक बार फिर आगे खिसक गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में वीरवार को दिल्ली में प्रस्तावित बैठक स्थगित हो गई। बैठक में चंडीगढ़ प्रशासन के मुख्य सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल होना था। अब बैठक अगले महीने होने की संभावना जताई जा रही है। इसके चलते शहर से जुड़े कई लंबे समय से लंबित मुद्दों पर तत्काल निर्णय की उम्मीदों को झटका लगा है।

इस बैठक में चंडीगढ़ के मास्टर प्लान-2031 में प्रस्तावित बदलावों से लेकर पुनर्वास कालोनियों के अलॉटियों को मालिकाना हक देने, लीजहोल्ड व्यावसायिक और औद्योगिक संपत्तियों को फ्रीहोल्ड करने तथा मेयर के कार्यकाल में बदलाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होनी थी। बैठक स्थगित होने से इन सभी प्रस्तावों पर निर्णय एक बार फिर टल गया है।

इनमें मास्टर प्लान-2031 में बदलाव का प्रस्ताव विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। प्रशासन की ओर से चिह्नित परिधीय और फेज-3 क्षेत्रों में निर्माण से जुड़े नियमों में बदलाव का प्रस्ताव रखा गया है। इसके तहत कुछ क्षेत्रों में फर्श क्षेत्र अनुपात को बढ़ाकर 3.0 करने की योजना है। इसके अलावा चयनित इलाकों में 30 मीटर तक ऊंची इमारतों को अनुमति देने और औद्योगिक प्लाटों के विभाजन से जुड़े प्रस्ताव भी शामिल हैं। इन बदलावों से शहर के विकास और निर्माण गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

फ्रीहोल्ड का प्रस्ताव भी अटका : लीजहोल्ड व्यावसायिक और औद्योगिक संपत्तियों को फ्रीहोल्ड करने का प्रस्ताव भी लंबे समय से चर्चा में है। शहर में बड़ी संख्या में ऐसी संपत्तियां हैं जिनका स्वामित्व स्वरूप बदलने की मांग लंबे समय से उठती रही है। फ्रीहोल्ड होने की स्थिति में इन संपत्तियों के मालिकों को अधिक अधिकार मिल सकते हैं और करोड़ों रुपये की संपत्तियों के उपयोग तथा लेन-देन के रास्ते आसान होने की उम्मीद है।

चंडीगढ़ के मेयर के कार्यकाल को एक वर्ष से बढ़ाकर ढाई वर्ष करने का प्रस्ताव भी महत्वपूर्ण राजनीतिक और प्रशासनिक मुद्दा है। नगर निगम चुनाव प्रक्रिया नजदीक होने के कारण इस प्रस्ताव पर होने वाले निर्णय को विशेष महत्व दिया जा रहा है। कार्यकाल बढ़ाने से संबंधित प्रस्ताव पर भी केंद्रीय स्तर पर फैसला होना बाकी है। बैठक स्थगित होने के बाद इस मामले में स्थिति फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। इन प्रस्तावों पर चर्चा के लिए पहले भी बैठक प्रस्तावित की गई थी, लेकिन वह भी स्थगित हो गई थी। दूसरी बार बैठक टलने से शहरवासियों, व्यापारियों, औद्योगिक इकाइयों, संपत्ति मालिकों और नगर निगम से जुड़े लोगों की उम्मीदों को झटका लगा है।

न्यूज ब्रीफ

यासीन मलिक ने सरला भट्ट हत्याकांड में अपनी भूमिका से किया इनकार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। प्रतिबंधित जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के प्रमुख यासीन मलिक ने सरला भट्ट हत्याकांड में अपनी भूमिका से इनकार किया है। अदालत में दाखिल हलफनामे में उसने मुकदमे की कार्यवाही को आगे चुनौती न देने की बात कहते हुए अपने लिए मृत्युदंड की मांग की, लेकिन स्पष्ट किया कि मुकदमा न लड़ने को अपराध स्वीकार करना न माना जाए।सरला भट्ट वर्ष 1990 में आतंकवाद के दौर में मारी गई कश्मीरी पंडित नर्स थीं। मामले में मलिक समेत जेकेएलएफ के पांच सदस्यों को आरोपित बनाया गया है। मलिक आरोपों से इनकार करता रहा है और दोष सिद्ध होने का अंतिम फैसला अदालत को करना है।हलफनामे में मलिक ने परिवार, पत्नी, बेटी और मां से जुड़ी भावनात्मक बातों का भी उल्लेख किया है। हालांकि, उसके बयान के बाद पीड़ित परिवारों और कश्मीर में आतंकवाद के दौर की हिंसा को लेकर बहस तेज हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि कानूनी प्रक्रिया में आरोपित के अधिकार महत्वपूर्ण हैं, लेकिन पीड़ितों की पीड़ा और न्याय की मांग को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

जम्मू-कश्मीर में ग्रीन पावर शुल्क 50 पैसे पर स्थिर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। प्रतिबंधित जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के प्रमुख यासीन मलिक ने सरला भट्ट हत्याकांड में अपनी भूमिका से इनकार किया है। अदालत में दाखिल हलफनामे में उसने मुकदमे की कार्यवाही को आगे चुनौती न देने की बात कहते हुए अपने लिए मृत्युदंड की मांग की, लेकिन स्पष्ट किया कि मुकदमा न लड़ने को अपराध स्वीकार करना न माना जाए। सरला भट्ट वर्ष 1990 में आतंकवाद के दौर में मारी गई कश्मीरी पंडित नर्स थीं। मामले में मलिक समेत जेकेएलएफ के पांच सदस्यों को आरोपित बनाया गया है। मलिक आरोपों से इनकार करता रहा है और दोष सिद्ध होने का अंतिम फैसला अदालत को करना है। हलफनामे में मलिक ने परिवार, पत्नी, बेटी और मां से जुड़ी भावनात्मक बातों का भी उल्लेख किया है। हालांकि, उसके बयान के बाद पीड़ित परिवारों और कश्मीर में आतंकवाद के दौर की हिंसा को लेकर बहस तेज हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि कानूनी प्रक्रिया में आरोपित के अधिकार महत्वपूर्ण हैं, लेकिन पीड़ितों की पीड़ा और न्याय की मांग को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

कश्मीर में सेब बागानों को मिलेगा ओलावृष्टि से बचाव

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर घाटी के सेब बागानों को ओलावृष्टि से बचाने के लिए बागवानी विभाग ने एंटी-ओलावृष्टि जाल योजना लागू की है। केंद्र प्रायोजित योजना के तहत बागवानों को जाल और उसके सहायक ढांचे के लिए सब्सिडी दी जा रही है। सरकार जाल के लिए 28.75 रुपये और सहायक ढांचे के लिए 11.50 रुपये प्रति वर्ग मीटर की सहायता दे रही है। योजना का लक्ष्य बढ़ाकर 23.50 लाख वर्ग मीटर किया गया है, जिसमें 5.50 लाख वर्ग मीटर में काम पूरा हो चुका है।योजना के तहत प्रत्येक बागवान को प्रति कनाल 11 बांस के खंभे लगाने होंगे, जिन पर मजबूत जाल लगाया जाएगा। इससे ओलावृष्टि के दौरान सेब की फसल को नुकसान से बचाने में मदद मिलेगी। इच्छुक बागवान आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। परेशानी होने पर नजदीकी बागवानी कार्यालय से जानकारी ली जा सकती है।

लद्दाख में बंजर जमीन पर अब हजारों परिवारों का अधिकार

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। लद्दाख प्रशासन ने सरकारी बंजर भूमि यानी नोतोर भूमि के नियमितीकरण नियमों को मंजूरी दी है। इससे हजारों परिवारों को वर्षों से उनके कब्जे में रही भूमि का कानूनी मालिकाना हक मिलने का रास्ता साफ हुआ है। नियमों के तहत 27 अक्टूबर 2020 से पहले कब्जे वाली नोतोर भूमि का ही नियमितीकरण किया जाएगा।अधिकतम दस एकड़ भूमि पर स्वामित्व अधिकार दिया जा सकेगा, जबकि इससे अधिक भूमि लीज के आधार पर आवंटित होगी। कटऑफ तिथि के बाद कब्जे में आई भूमि का नियमितीकरण नहीं किया जाएगा।नियमित भूमि के मालिक बैंक से कर्ज ले सकेंगे और भूमि के उपयोग में बदलाव की अनुमति भी मिलेगी। इससे कृषि तथा अन्य विकास कार्यों के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने में मदद होगी।लद्दाख के सभी सात जिलों में नोतोर भूमि के नियमितीकरण का अधिकार संबंधित स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषदों को दिया जाएगा। अंतिम अधिसूचना से पहले नियमों को दो सप्ताह तक सार्वजनिक परामर्श के लिए रखा जाएगा, ताकि लोग सुझाव और आपत्तियां दे सकें।

लद्दाख में विधानसभा की मांग पर नौ सितंबर को होगी अहम बैठक

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। लद्दाख के राजनीतिक और संवैधानिक अधिकारों को लेकर 9 सितंबर को दिल्ली में गृह मंत्रालय की उपसमिति की बैठक होगी। इसमें लेह अपेक्स बाडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के प्रतिनिधि लद्दाख के लिए मुख्यमंत्री वाली विधानसभा, मंत्रिपरिषद और व्यापक संवैधानिक सुरक्षा की मांग रखेंगे। संगठनों ने स्पष्ट किया है कि इन प्रमुख मांगों से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।लद्दाख के प्रतिनिधियों की इच्छा सीधे उच्चाधिकार समिति की बैठक बुलाने की थी, लेकिन यह मांग फिलहाल स्वीकार नहीं हुई। अब उपसमिति की बैठक में आगे होने वाली उच्चाधिकार समिति की चर्चा के मुद्दों की रूपरेखा तय की जाएगी। संगठनों का कहना है कि विधानसभा को वित्तीय अधिकार मिलने चाहिए और गृह संबंधी मामलों में भी स्थानीय प्रतिनिधियों की भूमिका होनी चाहिए।बैठक से पहले लद्दाख प्रशासन की ओर से कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। प्रदेश के सातों जिलों में स्वायत्त पर्वतीय परिषदों के गठन की अधिसूचना जारी हो चुकी है। इसके अलावा लोगों के कब्जे वाली करीब 60 हजार एकड़ सरकारी बंजर भूमि को मालिकाना अधिकार देने का निर्णय भी लिया गया है।

कश्मीर की कला और संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय फिल्म मंच पर मिली नई पहचान

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। कश्मीर की सदियों पुरानी कला, शिल्प और सांस्कृतिक विरासत अब अंतरराष्ट्रीय फिल्म मंच पर दिखाई देगी। भारतबाला की डॉक्यूमेंट्री श्रृंखला 'वर्चुअल भारत' की तीन लघु फिल्मों का चयन जम्मू-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2026 के लिए हुआ है। महोत्सव सात से दस सितंबर तक श्रीनगर, जम्मू और गुलमर्ग में आयोजित होगा।'नक्श-ए-दौर' में कश्मीर के प्रसिद्ध काष्ठ शिल्पकार गुलाम नबी डार की छह दशक लंबी कला यात्रा दिखाई गई है। वहीं 'तालीम' फिल्म कश्मीर की पारंपरिक कालीन बुनाई और पीढ़ियों से चली आ रही कारीगरी को दर्शाती है।

जम्मू-कश्मीर बना पूर्ण साक्षर केंद्र शासित प्रदेश, 98.43 प्रतिशत साक्षरता दर की हासिल

साक्षरता अभियान से हजारों लोगों के जीवन में मिली शिक्षा की नई रोशनी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर ने शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए स्वयं को पूर्ण साक्षर केंद्र शासित प्रदेश के रूप में स्थापित किया है। शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत जम्मू-कश्मीर ने 98.43 प्रतिशत साक्षरता दर हासिल की है। इस उपलब्धि को केंद्र शासित प्रदेश में शिक्षा के विस्तार और वंचित वर्गों तक सीखने के अवसर पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शिक्षा मंत्री ने इंटरनेट मीडिया पर इस उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए खुशी जताई। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर ने 98.43 प्रतिशत की उत्कृष्ट साक्षरता दर के साथ पूर्ण साक्षर केंद्र शासित प्रदेश बनने का गौरव हासिल किया है। उन्होंने इस उपलब्धि में योगदान देने वाले शिक्षकों, अधिकारियों, स्वयंसेवकों और शिक्षार्थियों के प्रयासों की सराहना की।

सकीना इट्टू ने कहा कि कश्मीर के पहाड़ी क्षेत्रों से लेकर जम्मू के मैदानी इलाकों तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाने के लिए विभिन्न स्तरों पर लगातार प्रयास किए गए। शिक्षकों और स्वयंसेवकों ने उन लोगों तक पहुंच बनाने का काम किया, जो किसी कारण से औपचारिक शिक्षा से वंचित रह गए थे। अधिकारियों ने भी कार्यक्रम के क्रियान्वयन और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हर शिक्षार्थी के संकल्प की उपलब्धि : शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि केवल सरकारी प्रयासों का परिणाम नहीं है, बल्कि उन सभी लोगों की सामूहिक मेहनत का नतीजा है जिन्होंने साक्षरता अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि हर शिक्षक जिसने पढ़ाया, हर स्वयंसेवक जिसने सेवा दी और हर अधिकारी जिसने मार्गदर्शन किया, इस उपलब्धि का हिस्सा है। सबसे महत्वपूर्ण योगदान उन शिक्षार्थियों का है जिन्होंने सीखने का संकल्प लिया और उसे पूरा करने के लिए मेहनत की।

उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पढ़ना-लिखना सिखाना ही नहीं, बल्कि लोगों को आवश्यक ज्ञान और कौशल से जोड़ना भी है। इसके माध्यम से शिक्षा से दूर रह गए लोगों को सीखने के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

शिक्षा से खुलेगा विकास का रास्ता : सकीना इट्टू ने कहा कि पूर्ण साक्षरता का दर्जा हासिल करना यात्रा का अंत नहीं, बल्कि नए अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिक्षा जम्मू-कश्मीर में शांति, प्रगति, समानता, गरिमा और समृद्धि को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी। उन्होंने कहा कि साक्षर समाज में लोगों के लिए रोजगार, सरकारी योजनाओं, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और अन्य अवसरों तक पहुंच आसान होती है।

पारंपरिक शिल्प को मिलेगा नया संबल

लद्दाख में प्रशिक्षुओं का बढ़ा वजीफा, अब रोज मिलेंगे 150 रुपए, हजारों को लाभ

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पारंपरिक हुनर सीख रहे युवाओं और स्थानीय कारीगरों को बड़ी राहत मिली है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने हैंडलूम और हस्तशिल्प प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षुओं के वजीफे में 275 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। अब प्रशिक्षणार्थियों को प्रतिदिन 40 रुपये के बजाय 150 रुपये स्टाइपेंड मिलेगा। प्रशासन के इस फैसले से करीब एक हजार स्थानीय प्रशिक्षु कारीगरों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

◆ कारीगरों को प्रोत्साहन, हुनरमंद पीढ़ी के लिए बड़ी उम्मीद

यह निर्णय पारंपरिक कला और शिल्प को आजीविका का बेहतर साधन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान मिलने वाली आर्थिक सहायता बढ़ने से युवाओं को अपने हुनर को निखारने में मदद मिलेगी। साथ ही अधिक युवा पारंपरिक शिल्प से जुड़ने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।

उपराज्यपाल के जून में पूर्वी लद्दाख के हनले स्थित एक प्रशिक्षण केंद्र के दौरे के दौरान स्टाइपेंड बढ़ाने का मुद्दा सामने आया था। प्रशिक्षणार्थियों की समस्याओं को सुनने के बाद उपराज्यपाल ने इस विषय पर गंभीरता से विचार किया। इसके बाद आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित विभाग को प्रशिक्षणार्थियों का वजीफा बढ़ाकर 150 रुपये प्रतिदिन करने की व्यवहार्यता तलाशने के निर्देश दिए गए थे। विभागीय प्रक्रिया के बाद अब स्टाइपेंड बढ़ाने का फैसला किया गया है।

इन पारंपरिक हुनर का ले रहे प्रशिक्षण : लद्दाख के विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में युवा कालीन निर्माण, पाबू जूता निर्माण, लकड़ी की नक्काशी, बुनाई, निटिंग और सिलाई जैसे पारंपरिक हुनर सीख रहे हैं। इन कलाओं का लद्दाख की संस्कृति और स्थानीय जीवन में विशेष महत्व है।

जम्मू-कश्मीर में बाइक टैक्सी सेवा पर लगा ब्रेक

मेडिकल इंटर्न की हड़ताल पर सकीना ने जल्द काम पर लौटने की अपील की

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर मेडिकल इंटर्न हड़ताल पर हैं। एमबीबीएस और बीडीएस इंटर्न अपने मासिक स्टाइपेंड को करीब 12,300 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये करने की मांग कर रहे हैं। इंटर्न का कहना है कि मौजूदा स्टाइपेंड लंबे समय से नहीं बढ़ाया गया है, जबकि रहने, भोजन और अन्य जरूरी खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। इंटर्नशिप के दौरान जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं।

◆ इंटर्न की मांग पर सरकार गंभीर, मरीजों की सेवा प्रभावित होने की चिंता

जम्मू-कश्मीर की स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने शनिवार को हड़ताल कर रहे इंटर्न से काम पर लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी मांग को गंभीरता से ले रही है और उनकी चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है। मंत्री के अनुसार स्टाइपेंड बढ़ाने का मामला सरकारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अब वित्त विभाग के पास विचाराधीन है। इस संबंध में जरूरी जानकारी भी विभाग को उपलब्ध कराई जा चुकी है। सकीना इट्टू ने कहा कि सरकार इंटर्न के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले को प्रशासन और डॉक्टरों के बीच टकराव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। सरकार का उद्देश्य बातचीत के जरिए समाधान निकालना है।

पुलवामा आतंकी हमले के आरोपी इकबाल की बहन की शादी के लिए पैरोल खारिज

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। वर्ष 2019 में हुए पुलवामा आतंकी हमले की साजिश के आरोपित जैश-ए-मोहम्मद के कथित ओवरग्राउंड वर्कर मोहम्मद इकबाल राथर को जम्मू की विशेष एनआइए अदालत से राहत नहीं मिली। अदालत ने उसकी 10 दिन की अंतरिम जमानत और कस्टडी पैरोल की मांग खारिज कर दी। हालांकि, उसे अपनी बहन की शादी में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल होने की अनुमति दी गई है।विशेष न्यायाधीश एनआइए अदालत प्रेम सागर ने कहा कि आरोपित का व्यक्तिगत हित राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और आम नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े हितों से ऊपर नहीं हो सकता। राथर फिलहाल आगरा की केंद्रीय जेल में बंद है। उसने अदालत से शादी में शामिल होने के लिए राहत मांगी थी। उसका कहना था कि वह सात बहनों का इकलौता भाई है और शादी की धार्मिक तथा पारिवारिक रस्मों में उसकी मौजूदगी जरूरी है। उसने यह भी बताया कि उसके पिता लंबे समय से गंभीर रूप से बीमार हैं और परिवार में तैयारियों के लिए कोई अन्य पुरुष सदस्य नहीं है।

जम्मू-कश्मीर की चोटियों पर मौसम की पहली बर्फबारी

गुमरी-जोजिला में बदला मौसम, तापमान गिरने से बढ़ी ठंड

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम ने करवट ली है। गुमरी और जोजिला सेक्टर की पहाड़ियों पर इस मौसम की पहली बर्फबारी दर्ज की गई। बर्फबारी के बाद ऊंचे इलाकों में तापमान में गिरावट आई है और ठंड बढ़ने लगी है। मौसम में आए इस बदलाव का असर आने वाले दिनों में निचले क्षेत्रों में भी दिखाई देने की संभावना है।

गुमरी और जोजिला सेक्टर की ऊंची चोटियां बर्फ की सफेद चादर से ढक गई हैं। बर्फबारी के कारण पहाड़ी क्षेत्रों का नजारा बदल गया है। वहीं गुलमर्ग की सनशाइन पीक पर भी मौसम की पहली हल्की बर्फबारी दर्ज की गई। इसे कश्मीर के ऊंचे इलाकों में सर्दी के शुरुआती संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

बर्फबारी के साथ ही ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान तेजी से नीचे गया है। श्रीनगर-सोनमर्ग-जोजिला मार्ग पर भी मौसम में बदलाव साफ दिखाई दे रहा है। ऊंचाई वाले इलाकों में तापमान और गिरने की स्थिति में सड़क पर फिसलन बढ़ सकती है और वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका है। जोजिला दर्रा कश्मीर को लद्दाख से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। ऐसे में यहां मौसम खराब होने पर यातायात और यात्रियों की आवाजाही पर सीधा असर पड़ सकता है। प्रशासन और संबंधित विभाग मौसम तथा सड़क की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार ऊंचाई वाले इलाकों में शुरुआती बर्फबारी के बाद ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ सकता है। यात्रियों को जोजिला और आसपास के ऊंचे क्षेत्रों में यात्रा से पहले मौसम और सड़क की स्थिति की जानकारी लेने की सलाह दी जा रही है।

जम्मू-कश्मीर में हेरोइन तस्करी के दो मार्ग उजागर

जांच में सामने आया तस्करी नेटवर्क का अंतरराज्यीय जुड़ाव

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में नशे की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने हेरोइन की आपूर्ति के दो प्रमुख मार्गों का पता लगाया है। जांच में सामने आया है कि एक मार्ग से पाकिस्तान से उड़ी सेक्टर के रास्ते और दूसरे मार्ग से पंजाब के जरिये जम्मू-कश्मीर में हेरोइन की खेप पहुंचाई जा रही है। एजेंसी ने हाल की कार्रवाई में सांबा और लुधियाना से कुल 719 ग्राम हेरोइन बरामद की है।

एनसीबी जम्मू जोनल इकाई ने गत वीरवार को सांबा के न्यू बस स्टैंड के पास एक यात्री बस को रोककर 522 ग्राम हेरोइन बरामद की थी। इस मामले में पुलवामा के काकापोरा निवासी आकिब बशीर को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान बरामद खेप के तार पंजाब के लुधियाना से जुड़े होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद एनसीबी की टीम ने लुधियाना में कार्रवाई करते हुए 197 ग्राम हेरोइन और बरामद की। इस तरह दोनों स्थानों से कुल 719 ग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया।

◆ एनसीबी ने एक महीने में जम्मू संभाग में चौथी बड़ी खेप पकड़ी

जांच एजेंसी अब इस नेटवर्क से जुड़े आपूर्तिकर्ताओं, खेप हासिल करने वाले लोगों और अन्य सहयोगियों की तलाश कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि कार्रवाई का उद्देश्य केवल नशीले पदार्थों की बरामदगी तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी तस्करी श्रृंखला का पता लगाना भी है।

एक माह में चौथी बड़ी बरामदगी: एनसीबी के अनुसार पिछले करीब एक महीने में जम्मू संभाग में हेरोइन की यह चौथी बड़ी बरामदगी है। इससे पहले जम्मू और सांबा की नशा प्रभावित बस्तियों में कार्रवाई के दौरान 438 ग्राम और 603 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। एक अन्य बड़ी कार्रवाई में जम्मू से 5.160 किलोग्राम हेरोइन भी पकड़ी गई थी।

अनंतनाग आतंकी हमले के दोषियों को नहीं बख्शा जाएगा: सिन्हा

भारतेंदु संवाददाता, अनंतनाग। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में हुए आतंकी हमले की उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कड़ी निंदा की है। इस हमले में जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी बलिदान हो गए। उपराज्यपाल ने शहीद जवान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आतंकियों की यह कायराना हरकत बेहद निंदनीय है और इसमें शामिल लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मनोज सिन्हा ने कहा कि सुरक्षा बल आतंकियों और उनके मददगारों के खिलाफ लगातार अभियान चला रहे हैं। हमले के दोषियों की पहचान कर उन्हें कानून के दायरे में लाया जाएगा। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

ऑपरेशन अशदर में पाकिस्तानी लश्कर आतंकी यासिर किया ढेर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच सुरक्षा बलों को अहम सफलता मिली है। ऑपरेशन अशदर के दौरान मारे गए आतंकी की पहचान जम्मू-कश्मीर पुलिस ने यासिर के रूप में की है। पुलिस के अनुसार यासिर पाकिस्तान का नागरिक था और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था।

◆ सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ के बाद पहचान की पुष्टि, अभियान जारी

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शुक्रवार को इंटरनेट मीडिया के माध्यम से आतंकी की पहचान की जानकारी साझा की। पुलिस ने अपनी पोस्ट में कहा कि भागने वाला आतंकी सुरक्षा बलों से छिप नहीं सकता। पुलिस के मुताबिक ऑपरेशन के बाद की गई पहचान प्रक्रिया में मारे गए आतंकी के पाकिस्तानी नागरिक होने की पुष्टि हुई।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था यासिर : पुलिस ने बताया कि यासिर लश्कर-ए-तैयबा से संबंधित था और जम्मू-कश्मीर में सक्रिय विदेशी आतंकियों के नेटवर्क का हिस्सा था। सुरक्षा एजेंसियां क्षेत्र में सक्रिय विदेशी आतंकियों की पहचान कर उनके खिलाफ लगातार अभियान चला रही हैं।

ऑपरेशन अशदर के दौरान आतंकी के मारे जाने को आतंकवाद विरोधी अभियान में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

आस्था | बारिश और बदलते मौसम के बीच भी माता वैष्णो देवी यात्रा में श्रद्धालुओं का उत्साह बरकरार

मौसम की चुनौती के बीच भी जारी रही माता वैष्णो देवी यात्रा

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा। बदलते मौसम के बावजूद विश्व प्रसिद्ध मां वैष्णो देवी की यात्रा रविवार को पूरी तरह सुचारू रूप से जारी रही। देश के विभिन्न हिस्सों से कटड़ा पहुंचे श्रद्धालुओं में माता के दर्शन को लेकर उत्साह और आस्था बरकरार रही। श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए परिवार और मित्रों के साथ भवन की ओर रवाना होते रहे। श्राइन बोर्ड प्रशासन की ओर से यात्रा मार्गों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। रविवार दोपहर तीन बजे तक करीब 11 हजार श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर भवन की ओर रवाना हो चुके थे।

तेज बारिश के बीच श्रद्धालुओं ने जारी रखी यात्रा : शनिवार रात भवन की ओर जा रहे श्रद्धालुओं को करीब दो से तीन घंटे तक तेज बारिश का सामना करना पड़ा। बारिश तेज होने पर कई श्रद्धालु यात्रा मार्ग पर बनाए गए आश्रय स्थलों में रुक गए और मौसम सामान्य होने का इंतजार किया। बारिश का दौर थमने के बाद श्रद्धालुओं ने दोबारा यात्रा शुरू कर दी। इस दौरान उन्हें तेज और ठंडी हवाओं का भी सामना करना पड़ा, लेकिन खराब मौसम के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कमी नहीं आई।

श्राइन बोर्ड प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं को मौसम के अनुसार यात्रा करने की सलाह दी जा रही है। वर्तमान में यात्रा कर रहे श्रद्धालु अपने साथ बरसाती और हल्के गर्म कपड़े लेकर चल रहे हैं। यात्रा मार्गों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए संबंधित विभागों की टीमें सक्रिय हैं।

मौसम बिगड़ने पर हेलीकाप्टर सेवा हुई स्थगित : त्रिकूट पर्वत पर बादलों का जमावड़ा बढ़ने के कारण हेलीकाप्टर सेवा को स्थगित करना पड़ा। दिनभर आसमान में बादलों और सूर्य के बीच लुकाछिपी चलती रही। मौसम के लगातार बदलते मिजाज के कारण हेलीकाप्टर सेवा का संचालन मौसम की स्थिति के अनुसार किया जा रहा है।

प्रशासन का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। मौसम अनुकूल होने पर ही हवाई सेवा संचालित की जा रही है, जबकि पैदल यात्रा मार्ग फिलहाल खुले हैं।

यात्रा मार्गों पर लगातार निगरानी : मौसम को देखते हुए मां वैष्णो देवी के सभी यात्रा मार्गों पर आपदा प्रबंधन दल, श्राइन बोर्ड प्रशासन, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारी तथा जवान लगातार निगरानी कर रहे हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए संबंधित टीमें तैयार रखी गई हैं। श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान मौसम और यात्रा से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जा रही है।

प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि बारिश या तेज हवाओं के दौरान जल्दबाजी न करें और सुरक्षित स्थानों पर रुककर मौसम सामान्य होने का इंतजार करें। यात्रा मार्गों पर उपलब्ध आश्रय स्थलों का आवश्यकता के अनुसार इस्तेमाल करने की भी सलाह दी जा रही है।

कटड़ा पहुंच रहे श्रद्धालु : रविवार को कटड़ा में दिनभर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। पंजीकरण करवाने के बाद श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए भवन की ओर रवाना होते रहे। परिवारों के साथ पहुंचे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

जम्मू-कश्मीर के अस्पतालों में जल्द तैनात होंगे 480 मेडिकल ऑफिसर

दूरदराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा चिकित्सकों का सहारा

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने जम्मू-कश्मीर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राजपत्रित सेवाओं में 480 मेडिकल अधिकारियों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। चयन और सत्यापन प्रक्रिया पूरी करने के बाद यह आदेश जारी किया गया है। इन नियुक्तियों से विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ने की उम्मीद है।

ये पद स्वास्थ्य विभाग ने दिसंबर 2025 में जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग को भेजे थे। आयोग ने मई और जून में विभाग को चयनित उम्मीदवारों की सूचियां भेजी थीं। नियुक्ति आदेश के अनुसार अब तक 335 चयनित उम्मीदवारों के चरित्र सत्यापन की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है।

21 दिन में देनी होगी ज्वाइनिंग रिपोर्ट: नवनियुक्त मेडिकल अधिकारियों को नियुक्ति आदेश जारी होने की तारीख से 21 दिनों के भीतर जम्मू या श्रीनगर स्थित नागरिक सचिवालय में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के समक्ष व्यक्तिगत रूप से ज्वाइनिंग रिपोर्ट जमा करनी होगी। निर्धारित अवधि में ज्वाइन नहीं करने पर नियुक्ति बिना अतिरिक्त नोटिस के रद्द मानी जाएगी।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी उम्मीदवार ने फर्जी शैक्षणिक योग्यता, जन्मतिथि या श्रेणी प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया तो नियुक्ति रद्द करने के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

दो साल की परिवीक्षा अवधि : नवनियुक्त मेडिकल अधिकारी दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि में रहेंगे। उनकी वरिष्ठता लोक सेवा आयोग की चयन सूची में प्राप्त मेरिट के आधार पर निर्धारित की जाएगी। नियुक्ति के बाद डॉक्टरों को अपने पद पर निर्धारित जिम्मेदारियां निभानी होंगी।

नियुक्ति की महत्वपूर्ण शर्त के अनुसार चयनित डॉक्टर मेडिकल अधिकारी के पद पर नियुक्त होने के बाद पीजी शिक्षा या अन्य पदाधिक प्रशिक्षण जारी नहीं रख सकेंगे।

लापरवाही बन रही सड़क हादसों की वजह, सतर्कता से बच सकती हैं जानें

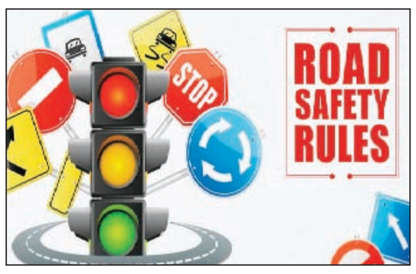

केशव शर्मा रसिक
स्वतंत्र लेखक, गांव कोटला
घुमारवीं, हि.प्र.

भारत में सड़क दुर्घटनाएं आज एक गंभीर सामाजिक और राष्ट्रीय समस्या का रूप ले चुकी हैं। हर वर्ष लाखों लोग दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं, जिनमें से अनेक अपनी जान गंवा देते हैं, जबकि हजारों लोग स्थायी रूप से विकलांग हो जाते हैं। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि जिन सड़कों को विकास और प्रगति की पहचान माना जाता है, वही असावधानी और लापरवाही के कारण मृत्यु का कारण बन रही हैं।

सड़क दुर्घटनाओं के पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं। इनमें सबसे प्रमुख कारण तेज रफ्तार है, जिसे आजकल लोग रोमांच और समय बचाने का माध्यम मानते हैं। इसके अलावा शराब पीकर वाहन चलाना, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए ड्राइविंग करना, यातायात नियमों की अनदेखी करना और ओवरटेक करने की होड़ भी दुर्घटनाओं को बढ़ावा देते हैं। कई बार वाहन चालक धैर्य खो देते हैं और छोटी-सी गलती भी बड़े हादसे का कारण बन जाती है। दूसरी ओर, खराब सड़कें, गड्ढे, उचित संकेतकों का अभाव, रात में अपर्याप्त रोशनी तथा वाहनों की नियमित फिटनेस जांच न होना भी दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ाने में योगदान देता है।

विशेष रूप से युवा वर्ग सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा शिकार बन रहा है। आज के समय में सोशल मीडिया पर लोकप्रियता पाने के लिए कई युवा खतरनाक स्टंट करते हैं, जो उनकी जान के लिए जोखिम बन जाता है। बिना हेलमेट बाइक चलाना, सीट बेल्ट का उपयोग न करना और तेज गति से वाहन चलाना युवाओं के बीच एक फैशन की तरह देखा जाने लगा है। दुर्भाग्यवश, एक क्षण की लापरवाही उनके पूरे जीवन को प्रभावित कर देती है और उनके परिवार को गहरे दुख में डाल देती है। सड़क सुरक्षा का सबसे सरल और प्रभावी उपाय सावधानी और जागरूकता है। वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। निर्धारित गति सीमा का पालन करना, हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करना, नशे की हालत में वाहन न चलाना तथा मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखना जीवन रक्षा के मूल सिद्धांत हैं। इसके साथ ही पैदल चलने वालों को भी जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करना चाहिए और सड़क पार करते समय पूरी सतर्कता बरतनी चाहिए। सड़क सुरक्षा केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामूहिक दायित्व है। प्रशासन को चाहिए कि वह सड़कों की गुणवत्ता में सुधार करे, उचित संकेतक और स्पीड ब्रेकर लगाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करे। इसके साथ ही स्कूलों और कॉलेजों में सड़क सुरक्षा से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए, ताकि बच्चों और युवाओं में शुरू से ही सुरक्षित यातायात की आदत विकसित हो सके। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। अंततः, यह समझना आवश्यक है कि सड़क दुर्घटनाएं कोई प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि यह मानवीय त्रुटियों और लापरवाही का परिणाम हैं। यदि हम सभी थोड़ी-सी सावधानी और जिम्मेदारी अपनाएं, तो इन दुर्घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। जीवन अमूल्य है और इसे सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसलिए, सड़क पर जल्दबाजी नहीं, बल्कि सुरक्षित तरीके से अपने गंतव्य तक पहुंचना ही सच्ची समझदारी है। सावधानी ही सुरक्षा का सबसे बड़ा आधार है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

टीबी के प्रति जागरूकता फैलाकर समाज निभा सकता है बड़ी जिम्मेदारी

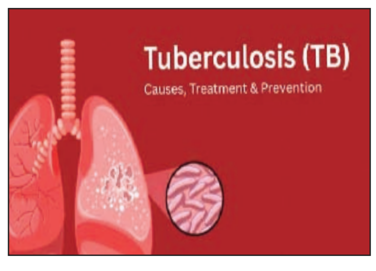

शिवालिक अवस्थी, शीला चौक, डा. सिद्धपुर
धर्मशाला, जिला कांगड़ा

चुनौतियों का सामना करके, फिर उनसे बेहतरीन अनुभव प्राप्त करना, शायद प्रतिकूल परिस्थितियों से ही यह सब सीखने को मिलता है, क्योंकि जहां परिस्थितियां ही अनुकूल होंगी, वहां चुनौतियां भी बस नाम मात्र होंगी। ऐसी ही प्रतिकूल परिस्थिति से आज हमारा देश भी जूझ रहा है। जी हां, क्षय रोग यानी 'टीबी' एक ऐसी गंभीर परिस्थिति अथवा बीमारी, जिसने अब तक कई देशवासियों के जहन में अपनी अमिट छाप छोड़ रखी है।

हैरानी इस बात की है कि टीबी की दवा उपलब्ध होने के बाबजूद, आज हमारे देश में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। अब आप सोच रहे होंगे, टीबी और वह भी ज्यादा खतरनाक, यह कैसे संभव है?

तो आपको बता दें कि जिस बीमारी से लगभग हर तीन मिनट में एक रोगी की मृत्यु हो जाती हो, वह बीमारी ज्यादा भयावह होगी या कोई अन्य बीमारी? इस पर विचार आप स्वयं करें। कथन पर प्रकाश डालें तो यह निकलकर सामने आएगा कि जितना समय हमने इस लेख को पढ़ने में दिया, लगभग उस समय के अंतर्गत कहीं न कहीं किसी टीबी मरीज की मौत हो चुकी होगी। है न कितना भयावह? टीबी बीमारी के भयावह होने के शायद दो महत्वपूर्ण कारण हो सकते हैं: पहला-जानकारी का अभाव। और दूसरा- मरीज द्वारा दवाई के सेवन में लापरवाही। यहां बात अगर दूसरे कारण की करें, तो यह कारण मरीज के स्वयं पर ही निर्भर करता है, क्योंकि सतर्कता ही बचाव है। यदि कोई मरीज नियमित दवाई नहीं ले रहा है तो यह मरीज से ज्यादा चिंता का विषय समाज के लिए है। यह समाज के लिए खतरे का पहलू है। मरीज स्वस्थ तभी होगा यदि समय पर और नियमित रूप से दवाई का सेवन करेगा। इससे ज्यादा इस कारण पर चर्चा नहीं की जा सकती, लेकिन जो पहला कारण 'जानकारी का अभाव' है, यह एक गंभीर कारण माना जा सकता है और इसी कड़ी को महत्वपूर्ण मानते हुए सरकार एवं प्रशासन द्वारा टीबी बीमारी की रोकथाम हेतु कई महत्वपूर्ण प्रयास भी किए जा रहे हैं। और इन्हीं प्रयासों में से एक है, जन भागीदारी। जन भागीदारी के माध्यम से समाज का कोई भी व्यक्ति टीबी के प्रति जागरूकता लाने में अपने समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसमें गांव के प्रधान से लेकर गांव का एक आम नागरिक तक शामिल है। स्वास्थ्य विभाग की बात करें तो विभिन्न पदों पर कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी जैसे जिला टीबी अधिकारी, एसटीएस, एसटीएलएस, एलटी, कॉर्डिनेटर, टीबी एचबी व आशा आदि टीबी की रोकथाम हेतु नियनित रूप से अपनी अपनी सेवाएं प्रदान करते नजर आ रहे हैं। आशा वर्कर्स द्वारा तो घर-घर जाकर लोगों से बातचीत करके, टीबी बीमारी के प्रति समाज को जागरूक करना, निश्चित रूप से एक सराहनीय कार्य है। एक दौर में, जहां लोग टीबी मरीजों के घर में आने-जाने से भी कतराते थे वहां स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा सतर्कता बरतते हुए पूरी निष्ठा के साथ टीबी रोगी के प्रति सहानुभूति प्रदान कर जागरूकता का अलख जगाया जा रहा है।

इसी भूमिका को निरंतर बढ़ाते हुए आज भी स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत आशा वर्कर्स द्वारा टीबी के लक्षणों के बारे में सभी से गहनता से पूछताछ करने के उपरांत, संदिग्ध मरीजों के सैंपल इक्ट्ठा करके, उन सैंपलों को नजदीक के टीबी जांच प्रयोगशाला तक पहुंचाया जाता है।

जहां सोच बदलती है, वहीं से हमारा समाज बदलता है और यही बदलाव हमारे समाज को परिवर्तित कर, नई दिशा प्रदान करते हैं। इसी के अंतर्गत नई दिशा प्रदान करते हुए कई प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा प्रयत्न किए जा रहे हैं, जिसके फलस्वरूप क्षय रोग के प्रति हमारा समाज और भी प्रबुद्ध बन सके।

विश्व क्षय रोग दिवस पूरे विश्व में जागरूकता के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह केवल एक दिवस नहीं, बल्कि समाज को टीबी जैसी गंभीर बीमारी के प्रति सचेत करने का एक सशक्त अभियान है। इस दिन विभिन्न गतिविधियों जैसे कार्यशालाएं, रैलियां, फेस पेंटिंग और आकाशवाणी व सामुदायिक रेडियो के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

जीडीपी वृद्धि पर बहस जरूरी

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के वृद्धि दर के आंकड़े सामने आने के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर बहस तेज होना स्वाभाविक है। आर्थिक आंकड़े किसी भी देश की नीतिगत दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए राष्ट्रीय आय और सकल घरेलू उत्पाद की गणना की पद्धति पर सवाल उठना अपने आप में गलत नहीं है। अकादमिक जगत में यदि किसी विशेषज्ञ को आंकड़ों की गणना, मूल्य समायोजन या आंकड़ों के स्रोत को लेकर संदेह है तो उसकी गंभीर जांच होनी चाहिए। लेकिन किसी निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों से सामने आने वाले संकेतकों को भी व्यापक संदर्भ में देखना आवश्यक है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दर्ज 7.8 प्रतिशत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि को केवल एक आंकड़े के रूप में देखना उचित नहीं होगा। इसके पीछे अर्थव्यवस्था के अलग-अलग क्षेत्रों से मिलने वाले कई महत्वपूर्ण संकेतक मौजूद हैं। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 18.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह माल ढुलाई, औद्योगिक गतिविधियों और कारोबारी मांग में मजबूती का संकेत देती है। जब कंपनियां अपने वाहनों के बेड़े का विस्तार करती हैं तो इसका अर्थ सामान्यतः यह होता है कि उन्हें आने वाले समय में कारोबार और मांग बढ़ने की उम्मीद है।

निवेश के मोर्चे पर भी अर्थव्यवस्था में मजबूती के संकेत दिखाई देते हैं। पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में 15.2 प्रतिशत की वृद्धि और मशीनरी तथा उपकरणों के आयात में 51.5 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी बताती है कि उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में गतिविधियां तेज हुई हैं। यदि उद्योग भविष्य की मांग को लेकर पूरी तरह आश्वस्त न हो तो इतने बड़े स्तर पर मशीनरी और पूंजीगत वस्तुओं में निवेश की संभावना कम रहती है। इसलिए इन आंकड़ों को आर्थिक विस्तार की व्यापक तस्वीर के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए।

सीमेंट उत्पादन, तैयार इस्पात की खपत और बुनियादी ढांचे तथा निर्माण से संबंधित वस्तुओं के उत्पादन में भी वृद्धि दर्ज की गई है। माल परिवहन से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक मार्ग-पत्रों की संख्या में लगातार दोहरे अंक की वृद्धि आर्थिक गतिविधियों के विस्तार की ओर संकेत करती है। वस्तु एवं सेवा कर व्यवस्था में बड़े बदलाव और दरों के युक्तिसंगतीकरण के बाद भी सकल कर संग्रह में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ये सभी संकेतक मिलकर बताते हैं कि आर्थिक गतिविधियां केवल किसी एक क्षेत्र में नहीं, बल्कि कई क्षेत्रों में गति पकड़ रही हैं।

उपभोग की स्थिति भी इस तस्वीर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वाहनों की मजबूत बिक्री से संकेत मिलता है कि लोगों की खर्च करने की क्षमता और अपनी आवश्यकताओं तथा पसंद पर खर्च करने की प्रवृत्ति में मजबूती आई है। कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्रों में बैंक ऋण का व्यापक विस्तार भी आर्थिक गतिविधियों को सहारा दे रहा है। मजबूत निवेश, स्थिर उपभोग, माल ढुलाई में तेजी और ऋण विस्तार का एक साथ दिखाई देना अर्थव्यवस्था की व्यापक सक्रियता को दर्शाता है।

फिर भी जीडीपी के आंकड़ों की विश्वसनीयता को लेकर उठाए जा रहे तकनीकी सवालों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। विशेष रूप से मौजूदा कीमतों और स्थिर कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद के बीच मूल्य समायोजन से जुड़े मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्रीय आय की गणना में कीमतों का सही समायोजन अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इससे वास्तविक आर्थिक वृद्धि का आकलन प्रभावित होता है। नई गणना पद्धति में थोक मूल्य सूचकांक के स्थान पर उत्पादक मूल्य सूचकांक का उपयोग किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बेहतर पद्धतियों के अनुरूप किए गए ये बदलाव आंकड़ों की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से किए गए हैं, लेकिन एक साथ कई पद्धतिगत बदलाव होने के कारण इनके प्रभाव को समझना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

विनिर्माण क्षेत्र में दोहरा मूल्य समायोजन पद्धति अपनाना इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। इसमें तैयार उत्पादों की कीमतों के साथ उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में बदलाव को अलग-अलग देखा जाता है। इसके बाद दोनों के वास्तविक मूल्यों के अंतर से वास्तविक सकल मूल्य वर्धन का अनुमान लगाया जाता है। यदि कच्चे माल की कीमतें तैयार उत्पादों की कीमतों से अधिक तेजी से बढ़ती हैं तो मौजूदा कीमतों पर सकल मूल्य वर्धन की वृद्धि वास्तविक वृद्धि से कम दिखाई दे सकती है। ऐसी परिस्थितियों में मूल्य समायोजन का परिणाम सामान्य मूल्य सूचकांकों से अलग होना असामान्य नहीं है।

इसलिए केवल एक या दो सूचकांकों के आधार पर राष्ट्रीय आय के आंकड़ों को अविश्वसनीय घोषित करना उचित नहीं होगा। स्थिर कीमतों पर सकल मूल्य वर्धन का अनुमान लगाने के लिए अलग-अलग उत्पादन क्षेत्रों और उनके इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के लिए बड़ी संख्या में उत्पादक मूल्य और अन्य मूल्य सूचकांकों का उपयोग किया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया को समझे बिना किसी एक आंकड़े को आधार बनाकर व्यापक निष्कर्ष निकालना आर्थिक बहस को कमजोर कर सकता है। अध्ययन और विशेषज्ञ आलोचना आर्थिक व्यवस्था में सुधार के लिए आवश्यक हैं। यदि किसी गणना पद्धति में वास्तविक कमी है तो उसे स्पष्ट रूप से सामने लाना चाहिए।

-शिवांश धाकड़

कविता

सेवा ही सच्ची पूजा है

शिव राज सन्याल, गांव मकड़ाहन
जवाली, जिला कांगड़ा (हि.प्र.)

सेवा ही सच्ची पूजा है, मन इसमें सदा लगाना,
व्यर्थ न जाए जीवन तेरा, मानवता का धर्म निभाना।
राह में जो अंधियारा पाए, हाथ पकड़कर साथ चलाना,
टूटे मन को आस बंधाना,
दुखियों को हिम्मत देना।
लोभ कपट को दूर भगाकर,
सच्चाई की राह अपनाना,
जिसने तुम पर विश्वास किया,
उसका विश्वास न कभी गंवाना।
बीमारों की सेवा करना, जरूरतमंदों को सहारा देना,
अपने सुख में सबको बांटना,
दुख में उनका दर्द समेटना।
संकट में जो जन घिर जाए, सबसे पहले आगे आना,
अपने हिस्से की खुशियां देकर, उसके जीवन में दीप जलाना।
दान करो तो दीन समझकर, उसका कभी बखान न करना,
नेकी करके भूल जाना, बदले में सम्मान न चाहना।
भूखे को भोजन मिल जाए तो, यही बड़ा उपकार है,
प्यासे को पानी दे देना भी, मानवता का सच्चा सार है।
बूढ़े चेहरे की मुस्कान बनो, बच्चों की आशा बन जाना,
असहायों के जीवन में तुम, उम्मीदों का दीप जलाना।
जनसेवा ही ईश्वर सेवा,
इस सत्य को मन में रखना,
जिस हाथ ने थामा है तुमको,
उस हाथ को कभी न छोड़ना।
जीवन का सच्चा अर्थ यही है,
सबके काम सदा तुम आना,
सेवा ही सच्ची पूजा है,
मन इसमें सदा लगाना।

सम्मान समारोह प्रेरणा का माध्यम बनें, संबंधों और प्रभाव प्रदर्शन का मंच नहीं

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्वतंत्र टिप्पणीकार

देशभर में आईएएस और आईपीएस जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों के सम्मान समारोहों की परंपरा पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, सामाजिक संस्थाएं, शैक्षणिक संगठन, राजनीतिक समूह और विभिन्न मंच इन सफल युवाओं को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं। भव्य पंडाल, मंच पर सजी कुर्सियां, मालाओं और शॉल से सुसज्जित अतिथि, और हर क्षण को कैद करते कैमरे-यह सब मिलकर एक उत्सव जैसा माहौल बनाते हैं।

पहली दृष्टि में यह परंपरा अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक प्रतीत होती है। आखिरकार, ये वही युवा हैं जिन्होंने वर्षों की कठिन साधना, आत्मसंयम और निरंतर परिश्रम के बल पर देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। ऐसे समारोहों का मूल उद्देश्य समाज में प्रेरणा का संचार करना होना चाहिए-विशेषकर उन युवाओं के बीच, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्षरत हैं। जब कोई छात्र किसी सफल अभ्यर्थी को मंच पर सम्मानित होते देखता है, तो उसके भीतर भी एक उम्मीद जन्म लेती है कि वह भी एक दिन इस मुकाम तक पहुंच सकता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो ये कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा भरने का माध्यम बन सकते हैं, किंतु, इस उजले पक्ष के समानांतर एक ऐसा पहलू भी उभरकर सामने आ रहा है, जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। धीरे-धीरे इन समारोहों का स्वरूप बदलता हुआ प्रतीत हो रहा है। कई स्थानों पर यह सम्मान समारोह केवल 'प्रतिभा का उत्सव' न रहकर 'संबंधों का प्रदर्शन' और 'सामाजिक-राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन' बनते जा रहे हैं। मंच पर जितनी चर्चा चयनित अभ्यर्थियों की होनी चाहिए, उससे कहीं अधिक चर्चा आयोजकों, मुख्य अतिथियों और उनके प्रभाव क्षेत्र की होने लगती है।

यह प्रवृत्ति न केवल इन आयोजनों के मूल उद्देश्य को कमजोर करती है, बल्कि समाज में एक गलत संदेश भी प्रसारित करती है-कि सफलता केवल परिश्रम और योग्यता का परिणाम नहीं, बल्कि संबंधों और पहुंच का भी खेल है। यह धारणा उन लाखों युवाओं के मनोबल को प्रभावित कर सकती है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

यहां एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है-क्या हम केवल उन लोगों का सम्मान कर रहे हैं जो सफलता की अंतिम सीढ़ी तक पहुंच चुके हैं, या उन लोगों की भी परवाह कर रहे हैं जो उस सीढ़ी पर चढ़ने की कोशिश में संघर्ष कर रहे हैं? भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में आज भी लाखों ऐसे विद्यार्थी हैं, जो प्रतिभा से भरपूर हैं, परंतु संसाधनों की कमी के कारण अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाते।

विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे कस्बों में रहने वाले छात्र अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। उनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साधन नहीं होते, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उचित मार्गदर्शन का अभाव होता है, और आर्थिक सीमाएं उन्हें अपने सपनों से समझौता करने के लिए मजबूर कर देती हैं। ऐसे छात्र न तो किसी सम्मान समारोह का हिस्सा बन पाते हैं, और न ही उनके संघर्ष की कहानी कहीं सुनाई देती है। वे चुपचाप अपनी परिस्थितियों से जूझते रहते हैं-कभी खेतों में काम करते हुए, कभी छोटे-मोटे रोजगार के साथ पढ़ाई करते हुए, तो कभी बिना किसी कोचिंग या मार्गदर्शन के स्वयं ही रास्ता खोजते हुए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नंदा देवी राज जात यात्रा 2026: आस्था परंपरा और हिमालय का अद्भुत संगम

विकास बलोनी
उत्तराखंड, महाप्रबंधक
भारतेन्दु शिखर

हिमालय केवल ऊंचे-ऊंचे पर्वतों, बर्फ से ढकी चोटियों और दुर्गम घाटियों का नाम नहीं है। यह उत्तराखंड के लोगों की आस्था, संस्कृति, लोकविश्वास और सदियों पुरानी परंपराओं का जीवंत प्रतीक भी है। इसी हिमालयी संस्कृति और लोकआस्था का सबसे विराट स्वरूप नंदा देवी राज जात यात्रा में दिखाई देता है। वर्ष 2026 में यह पवित्र यात्रा 5 सितंबर से 30 सितंबर तक श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में आयोजित हो रही है। चमोली जिले के कुरुड़ से शुरू होकर होमकुंड तक पहुंचने वाली यह यात्रा लगभग 280 किलोमीटर की कठिन यात्रा है, जो सैकड़ों गांवों और दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों से होकर गुजरती है।

नंदा देवी राज जात को उत्तराखंड की प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक यात्राओं में विशेष स्थान प्राप्त है। यात्रा में शामिल श्रद्धालु केवल एक धार्मिक अनुष्ठान में भाग नहीं लेते, बल्कि वे पहाड़ की उस परंपरा का हिस्सा बनते हैं जो पीढ़ियों से लोकगीतों, कथाओं, रीति-रिवाजों और सामूहिक सहभागिता के माध्यम से आगे बढ़ती आई है। यात्रा के मार्ग में आने वाले गांवों में श्रद्धालुओं का स्वागत स्थानीय परंपराओं के अनुसार किया जाता है। ढोल-दमाऊं और लोकगीतों की गूंज पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग प्रदान करती है।

इस यात्रा की सबसे विशिष्ट पहचान पवित्र चौसिंग्या खाड़ू है। चार सींग वाला यह विशेष मेढ़ा मां नंदा देवी की राज जात यात्रा का प्रतीकात्मक नेतृत्व करता है। श्रद्धालुओं के लिए चौसिंग्या खाड़ू केवल एक पशु नहीं, बल्कि मां नंदा की यात्रा का पवित्र प्रतीक है। इसके आगे बढ़ने के साथ यात्रा का कारवां भी दुर्गम हिमालयी मार्गों पर आगे बढ़ता है। इस परंपरा में धार्मिक विश्वास के साथ लोक संस्कृति और प्रकृति के प्रति सम्मान का भाव भी जुड़ा हुआ है।

नंदा देवी को उत्तराखंड के अनेक क्षेत्रों में बेटी और देवी दोनों के रूप में देखा जाता है। इसी कारण राज जात यात्रा को मां नंदा की मायके से ससुराल की ओर भावपूर्ण विदाई के रूप में भी देखा जाता है। यह भाव यात्रा को केवल धार्मिक आयोजन न रहकर एक पारिवारिक और सांस्कृतिक अनुभव में बदल देता है। श्रद्धालुओं के मन में मां नंदा के प्रति भक्ति के साथ बेटी की विदाई जैसी भावनाएं भी उमड़ती हैं। यही भाव इस यात्रा को अन्य धार्मिक यात्राओं से अलग पहचान देता है।

लगभग 280 किलोमीटर की यात्रा आसान नहीं है। ऊंचे पर्वतीय क्षेत्र, संकरी पगडंडियां, कठिन चढ़ाई, बदलता मौसम और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां यात्रियों की परीक्षा लेती हैं। कई स्थानों पर तापमान तेजी से बदल सकता है और मौसम की परिस्थितियां भी चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं। इसके बावजूद श्रद्धालुओं का विश्वास और संकल्प उन्हें लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। यात्रा का प्रत्येक पड़ाव अपने भीतर किसी न किसी लोककथा, धार्मिक मान्यता और ऐतिहासिक स्मृति को समेटे हुए है।

इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामुदायिक सहभागिता भी है। मार्ग में आने वाले गांवों के लोग यात्रियों के लिए विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाओं में सहयोग करते हैं। इससे पहाड़ी समाज की सामूहिक भावना और अतिथि सत्कार की परंपरा सामने आती है। ग्रामीणों के लिए भी यह यात्रा अपनी संस्कृति और परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर होती है। बच्चे और युवा लोकगीतों, रीति-रिवाजों और धार्मिक परंपराओं को प्रत्यक्ष रूप से देखते और समझते हैं।

आज के समय में नंदा देवी राज जात का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि यह आधुनिक जीवन की तेज गति के बीच लोगों को अपनी जड़ों से जोड़ती है। तेजी से बदलती जीवनशैली और आधुनिक तकनीक के दौर में ऐसी परंपराएं हमारी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने का कार्य करती हैं। यह यात्रा हमें याद दिलाती है कि लोक संस्कृति केवल पुस्तकों में दर्ज इतिहास नहीं है, बल्कि वह लोगों के जीवन, विश्वास और व्यवहार में निरंतर जीवित रहती है।

हालांकि इतनी बड़ी यात्रा के साथ पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। हिमालय का पारिस्थितिक तंत्र अत्यंत संवेदनशील है। हजारों श्रद्धालुओं की आवाजाही के दौरान प्लास्टिक, खाद्य सामग्री के पैकेट और अन्य कचरे से प्राकृतिक वातावरण प्रभावित हो सकता है। इसलिए यात्रियों और आयोजकों को स्वच्छता को यात्रा का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। प्लास्टिक के उपयोग को कम करना, कचरे को निर्धारित स्थानों पर डालना, जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाना और स्थानीय वनस्पतियों तथा जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशील रहना आवश्यक है।

यात्रा के दौरान स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करना भी प्रत्येक श्रद्धालु की जिम्मेदारी है। पर्वतीय क्षेत्रों की अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलताएं हैं। बाहरी क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों को स्थानीय लोगों के सहयोग, संसाधनों और जीवनशैली का सम्मान करना चाहिए। इससे यात्रा का आध्यात्मिक उद्देश्य और अधिक सार्थक बन सकता है। नंदा देवी राज जात वास्तव में आस्था, प्रकृति और संस्कृति का अद्भुत संगम है। यह यात्रा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का मार्ग नहीं, बल्कि आत्मिक अनुभव और सांस्कृतिक जुड़ाव की यात्रा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

टीवी से पंजाबी सिनेमा तक सर्गुन

सर्गुन मेहता भारतीय मनोरंजन जगत की जानी-मानी अभिनेत्री, मॉडल और निर्माता हैं। उनका जन्म 6 सितंबर 1988 को हुआ। उन्होंने हिंदी टेलीविजन के साथ-साथ पंजाबी फिल्मों में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। अपने प्रभावशाली अभिनय, सहज अभिव्यक्ति और विभिन्न प्रकार के किरदार निभाने की क्षमता के कारण वह पंजाबी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्रियों में शामिल हैं। उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

सर्गुन मेहता
जन्म : 6 सितंबर 1988

सर्गुन मेहता की अभिनय यात्रा कॉलेज के दिनों में रंगमंच से शुरू हुई। रंगमंच पर अभिनय करते हुए उन्होंने अपनी संवाद अदायगी और अभिनय कौशल को मजबूत किया। इसके बाद उन्होंने टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा। वर्ष 2009 में धारावाहिक बारह चौबीस करोल बाग से उन्होंने छोटे पर्दे पर अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने फुलवा, क्या हुआ तेरा वादा और बालिका वधू जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। इन भूमिकाओं ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई और एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया।

टेलीविजन में सफलता हासिल करने के बाद सर्गुन ने पंजाबी फिल्मों का रुख किया। वर्ष 2015 में फिल्म अंग्रेज से उन्होंने पंजाबी सिनेमा में कदम रखा। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब पसंद किया। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का प्रतिष्ठित पुरस्कार भी मिला। इसके बाद उन्होंने लव पंजाब और लाहौरिए जैसी फिल्मों में प्रभावशाली अभिनय किया। लाहौरिए और लव पंजाब में उनके अभिनय को विशेष सराहना मिली और उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए फिल्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

सर्गुन मेहता ने अपनी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता का विस्तार किया। किस्मत में उन्होंने आधुनिक सोच वाली महिला की भूमिका निभाई, जबकि किस्मत 2 में भी उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया। सुर्खी बिंदी में उन्होंने एक सौंदर्य विशेषज्ञ का किरदार निभाया। इन भूमिकाओं में उन्होंने अपने अभिनय के अलग-अलग रंग दिखाए और यह साबित किया कि वह केवल एक ही तरह के किरदारों तक सीमित रहने वाली अभिनेत्री नहीं हैं।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

10वीं पास युवाओं के लिए डाक विभाग में 23,757 पदों पर भर्ती

एजेंसी, आगरा

10वीं पास युवाओं के लिए भारतीय डाक विभाग में नौकरी का शानदार अवसर आया है। विभाग ने ग्रामीण डाक सेवक के 23,757 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। खास बात यह है कि इन पदों पर भर्ती के लिए अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा और साक्षात्कार की प्रक्रिया से नहीं गुजरना होगा। चयन 10वीं कक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाने वाली मेरिट सूची के माध्यम से किया जाएगा। भर्ती के तहत ग्रामीण डाक सेवक के साथ शाखा डाकपाल, सहायक शाखा डाकपाल और डाक सेवक के पद शामिल हैं। इससे बड़ी संख्या में 10वीं उत्तीर्ण युवाओं को डाक विभाग में सरकारी नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। अभ्यर्थियों के लिए पहले एक बार पंजीकरण करना जरूरी होगा। वन टाइम पंजीकरण की प्रक्रिया 31 अगस्त से शुरू हो चुकी है और 19 सितंबर तक चलेगी।

इसके बाद भर्ती के लिए आवेदन और शुल्क भुगतान की प्रक्रिया दो सितंबर से शुरू होकर 21 सितंबर तक चलेगी। इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन करना होगा। आवेदन के दौरान अभ्यर्थियों को अपनी शैक्षणिक योग्यता और अन्य आवश्यक जानकारी सही तरीके से दर्ज करनी होगी। मेरिट सूची तैयार करते समय 10वीं कक्षा में प्राप्त अंकों को आधार बनाया जाएगा। इसलिए अभ्यर्थियों के दसवीं के अंक इस भर्ती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बिना लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के चयन होने के कारण यह भर्ती युवाओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। डाक विभाग की इस भर्ती से ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को भी रोजगार का अवसर मिलने की उम्मीद है। अभ्यर्थियों को आवेदन से पहले भर्ती से संबंधित सभी नियम, पात्रता और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी ध्यान से जांचने की सलाह दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

बाढ़ के बीच वाराणसी पहुंचेंगे योगी, राहत शिविर में पीड़ितों से करेंगे मुलाकात

एजेंसी, वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार शाम वाराणसी पहुंचकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। इसके बाद सलारपुर स्थित राहत शिविर में पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात करेंगे और राहत सामग्री वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा भी कर सकते हैं। इस बीच गंगा का जलस्तर लगातार घट रहा है, लेकिन बाढ़ प्रभावित इलाकों में जलभराव और आवागमन की समस्या बनी हुई है। शनिवार सुबह गंगा का जलस्तर 70.37 मीटर दर्ज किया गया। जिले में 20 राहत शिविर संचालित हैं और 42 नावें राहत कार्यों में लगाई गई हैं।

गेट पर बैठने को लेकर कहासुनी चलती ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

एजेंसी, मथुरा। हाथरस से मथुरा आ रही ट्रेन में गेट के पास बैठने को लेकर हुआ विवाद शुक्रवार दोपहर खूनी घटना में बदल गया। अलीगढ़ निवासी युवक ने विवाद के दौरान हाथरस के जतिन को दो लात मार दीं। लात लगने से जतिन चलती ट्रेन के गेट के पास नीचे गिर गया। गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। घटना के बाद ट्रेन में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों और स्वजन ने आरोपित युवक को पकड़ लिया और उसे जीआरपी के सिपुर्द कर दिया। हाथरस के गांव रानी का नगला निवासी संजू देवी अपने पति लक्ष्मी चंद्र और बेटों अंकुर व जतिन के साथ शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे हाथरस से मथुरा के लिए ट्रेन में सवार हुई थीं। परिवार को मथुरा में बड़े बेटे सनी के पास जाना था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेंदुए के आतंक के बीच वन विभाग की अपील, अकेले खेत-जंगल न जाएं ग्रामीण

एजेंसी, मुरादाबाद। तेंदुए के बढ़ते आतंक को देखते हुए प्रभागीय निदेशक डॉ. विनय कुमार सिंह ने ग्रामीणों से सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सुबह-शाम खेतों और जंगल की ओर अकेले न जाएं तथा तीन-चार लोगों के समूह में ही निकलें। बाहर जाते समय आवाज करते रहें और लाठी-डंडे साथ रखें। रात में टॉर्च का प्रयोग करें। बच्चों और मवेशियों को सुरक्षित रखें। तेंदुआ दिखाई देने पर तुरंत वन विभाग या पुलिस को सूचना दें और उसके पास जाने का प्रयास न करें। ठाकुरद्वारा के 22 गांवों में 32 और कांठ के आठ गांवों में आठ पिंजड़े लगाए गए हैं। ग्रामीणों को जागरूक भी किया जा रहा है।

प्यार, शादी और ठगी का खेल, किन्नर से धोखाधड़ी पर मुकदमा दर्ज

एजेंसी, आगरा। सिकंदरा थाना क्षेत्र में किन्नर को शादी का झांसा देकर ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि युवक ने पहले प्यार का भरोसा दिलाया और शादी का वादा किया। शादी के लिए किन्नर की सर्जरी भी कराई गई, जिसमें लाखों रुपये खर्च हुए। इसके बाद युवक ने शादी से किनारा कर लिया और धोखा दिया। मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त से की गई थी। उनके निर्देश पर सिकंदरा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, विवेचना के दौरान यदि आवश्यक साक्ष्य सामने आते हैं तो शारीरिक शोषण से संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी की जाएगी। बताया गया है कि एक अन्य युवक पर भी दूसरे किन्नर को शादी के नाम पर ठगने का आरोप है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है। पीड़ित पक्ष के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मिनी मसाला मिल और आटा चक्की के लिए मिलेगा पांच लाख तक ऋण

एजेंसी, बलिया। बेरोजगार युवाओं के लिए स्वरोजगार शुरू करने का अवसर है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत युवाओं को ट्रैक्टर आधारित मिनी मसाला मिल, आटा चक्की और ट्राली स्थापित करने के लिए पांच लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण दिया जाएगा। योजना का उद्देश्य युवाओं को अपना कारोबार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। पूंजी के अभाव में कारोबार शुरू नहीं कर पाने वाले युवाओं को इस योजना से काफी राहत मिलने की उम्मीद है। आठवीं कक्षा उत्तीर्ण युवा भी निर्धारित पात्रता पूरी करने पर आवेदन कर सकेंगे। योजना के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इच्छुक युवा संबंधित विभाग से योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

छह माह से राशन न लेने वालों की पहचान कर कार्ड होंगे निष्क्रिय

गोंडा में 4.38 लाख राशन कार्डधारकों पर कार्रवाई की तैयारी

एजेंसी, गोंडा

देवीपाटन मंडल में राशन कार्डधारकों की पात्रता सूची की जांच के बाद करीब चार लाख 38 हजार लाभार्थियों के नाम हटाने की तैयारी शुरू हो गई है। इनमें ऐसे लाभार्थी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले छह माह से राशन नहीं लिया है और ई-केवाईसी की प्रक्रिया भी पूरी नहीं कराई है। विभागीय स्तर पर ऐसे कार्डधारकों को पहले अस्थायी रूप से निष्क्रिय किया जाएगा। इसके बाद पात्रता सूची से उनके नाम हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को हर माह निशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। योजना में अपात्र लोगों को लाभ मिलने से रोकने और वास्तविक पात्र परिवारों तक राशन का लाभ पहुंचाने के लिए खाद्य एवं रसद विभाग ने लाभार्थियों की नियमित जांच की व्यवस्था लागू की है। इसके तहत राशन कार्डधारकों के ई-केवाईसी और राशन उठाने की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। नए नियमों के अनुसार प्रत्येक माह 21 तारीख को ऐसे राशन कार्डधारकों की पहचान की जाएगी, जिन्होंने लगातार पिछले छह माह से सरकारी राशन का उठान नहीं किया है।

जांच में चिह्नित होने वाले लाभार्थियों को अगले माह की पहली तारीख से अस्थायी रूप से निष्क्रिय कर दिया जाएगा। इसके बाद सत्यापन और विभागीय प्रक्रिया पूरी होने पर अपात्र पाए जाने वाले नाम पात्रता सूची से हटा दिए जाएंगे। देवीपाटन मंडल में बड़ी संख्या में लाभार्थियों के लंबे समय से राशन नहीं लेने को विभाग ने गंभीरता से लिया है। अधिकारियों का मानना है कि लंबे समय से राशन का उठान नहीं करने वाले कार्डों की जांच से पात्र और अपात्र लाभार्थियों की स्थिति स्पष्ट करने में मदद मिलेगी।

साथ ही सरकारी राशन व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी और योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाया जा सकेगा। विभाग की ओर से लाभार्थियों को ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। राशन कार्ड में दर्ज सदस्यों की जानकारी का सत्यापन होने से लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित की जा सकेगी। जिन लोगों ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं कराई है, उन्हें समय रहते प्रक्रिया पूरी कराने की आवश्यकता है, ताकि किसी तरह की समस्या के कारण उनका राशन लाभ प्रभावित न हो।

अधिकारियों के अनुसार पात्रता सूची से नाम हटाने की कार्रवाई सीधे तौर पर ऐसे लाभार्थियों के विरुद्ध की जाएगी, जो निर्धारित मानकों के अनुरूप पात्र नहीं पाए जाएंगे या लंबे समय से राशन का उठान नहीं कर रहे हैं। छह माह से राशन न लेने वाले कार्डधारकों की पहचान हर माह की जाएगी।

वाराणसी में सौर क्रांति, 50,077 घरों की छतों पर लगे सोलर पैनल

एजेंसी, वाराणसी। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत जिले में सौर ऊर्जा को तेजी से बढ़ावा मिल रहा है। योजना के अंतर्गत अब तक 50,077 घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाए जा चुके हैं। इसके साथ ही वाराणसी में 150 मेगावाट से अधिक सौर ऊर्जा क्षमता विकसित हो चुकी है। इससे वाराणसी सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश के प्रमुख जिलों में शामिल हो गया है।

योजना की मौजूदा समयसीमा 31 मार्च 2027 तक निर्धारित है। ऐसे में योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं के पास करीब छह माह का समय बचा है। दूसरी ओर सोलर पैनल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इससे आने वाले समय में सोलर संयंत्र लगवाने की लागत बढ़ सकती है। योजना के तहत घर की छत पर सोलर संयंत्र लगवाने वाले पात्र उपभोक्ताओं को केंद्र सरकार की ओर से सब्सिडी उपलब्ध कराई जाती है। इससे घरेलू बिजली खर्च कम करने के साथ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलता है। वाराणसी में बड़ी संख्या में लोगों के योजना से जुड़ने के कारण रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं।

अधिकारियों के अनुसार सौर ऊर्जा के प्रति लोगों की जागरूकता लगातार बढ़ रही है। छतों पर सोलर संयंत्र लगने से पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम करने में मदद मिल रही है। योजना की समयसीमा समाप्त होने से पहले अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को इसका लाभ उठाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि पात्र उपभोक्ताओं को योजना की प्रक्रिया और सब्सिडी से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही लोगों से समय रहते आवेदन कर सौर ऊर्जा का लाभ उठाने की अपील की जा रही है, ताकि बढ़ती लागत के बीच उन्हें आर्थिक राहत मिल सके।

50 किलोवाट तक बिजली कनेक्शन लेना हुआ आसान, उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

एजेंसी, बांदा

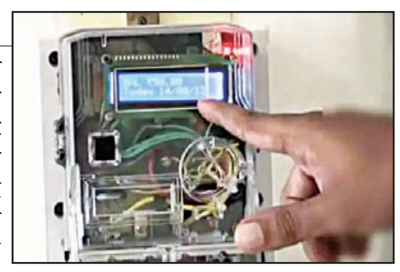

घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। सरकार ने 50 किलोवाट भार तक नया बिजली कनेक्शन लेने की प्रक्रिया को आसान कर दिया है। अब उपभोक्ताओं को विद्युत सुरक्षा निदेशालय से निरीक्षण कराने के बाद अनापत्ति प्रमाणपत्र लेने और लाइसेंसी ठेकेदार से कार्यपूर्णता प्रमाणपत्र प्राप्त करने की अनिवार्यता नहीं होगी। नई व्यवस्था के तहत उपभोक्ता स्व-घोषणा के आधार पर बिजली कनेक्शन प्राप्त कर सकेंगे।

इस फैसले से जिले के हजारों घरेलू उपभोक्ताओं के साथ दुकानदारों, किसानों और छोटे उद्यमियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। पहले कनेक्शन लेने की प्रक्रिया में विभिन्न विभागों से अनुमति और प्रमाणपत्र लेने के कारण उपभोक्ताओं को काफी समय लग जाता था। इसके अलावा कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। अब प्रक्रिया सरल होने से समय और श्रम दोनों की बचत होगी।

नई व्यवस्था का उद्देश्य बिजली कनेक्शन देने की प्रक्रिया को पारदर्शी और सुविधाजनक बनाना है। स्व-घोषणा के आधार पर कनेक्शन मिलने से उपभोक्ताओं को अनावश्यक औपचारिकताओं से राहत मिलेगी। साथ ही विभागीय स्तर पर लंबित रहने वाली प्रक्रियाओं में भी कमी आने की संभावना है। विद्युत विभाग के अधिकारियों के अनुसार 50 किलोवाट तक भार वाले कनेक्शनों के लिए निर्धारित नियमों के तहत उपभोक्ता को अपनी ओर से आवश्यक जानकारी और स्व-घोषणा देनी होगी।

शिक्षक दिवस पर सपा ने बंद स्कूलों का उठाया मुद्दा

एजेंसी, औरैया

शिक्षक दिवस के अवसर पर समाजवादी पार्टी ने जिले में बंद पड़े विद्यालयों और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। सपा जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

उन्होंने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को उनके गांव और आसपास ही बेहतर शिक्षा की सुविधा मिलनी चाहिए, ताकि उन्हें पढ़ाई के लिए दूर न जाना पड़े। सपा जिलाध्यक्ष ने दावा किया कि औरैया जिले में करीब 55 विद्यालय बंद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालयों के बंद होने से ग्रामीण और गरीब परिवारों के बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। समाजवादी पार्टी इन विद्यालयों को दोबारा संचालित कराने के लिए लगातार आवाज उठाती रहेगी।

उन्होंने कहा कि स्कूल बंद होने का सीधा असर उन परिवारों पर पड़ता है, जिनके बच्चों के लिए नजदीक का सरकारी विद्यालय ही शिक्षा का प्रमुख माध्यम है। सर्वेश बाबू गौतम ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर शिक्षक दिवस के अवसर पर कार्यकर्ताओं की ओर से शिक्षा और शिक्षकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को जनता के सामने रखा जा रहा है।

इसी क्रम में 'पाठशाला पुकारे' और 'पीडीए' अभियान के तहत जिले में बंद विद्यालयों का मुद्दा उठाया गया। उन्होंने बताया कि अजीतमल तहसील क्षेत्र में आर्य नगर अजीतमल, रामनगर, लक्ष्मणपुर अटा और ककरैया समेत कई विद्यालय बंद हैं। वहीं, औरैया

◆ **उन्होंने** कहा कि शिक्षा के अधिकार को प्रभावी बनाने के लिए सरकार को सभी क्षेत्रों में पर्याप्त विद्यालय और शिक्षक उपलब्ध कराने चाहिए। बंद विद्यालयों के कारण विद्यार्थियों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे विशेषकर छोटे बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की मुश्किलें बढ़ती हैं।

नगर क्षेत्र में भी सात विद्यालयों के बंद होने की जानकारी दी गई।

सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि सरकार को बंद विद्यालयों की स्थिति की समीक्षा कर उन्हें फिर से संचालित करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं होते, बल्कि ग्रामीण समाज के विकास और बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव भी तैयार करते हैं। ऐसे में विद्यालयों का बंद होना चिंता का विषय है। पार्टी शिक्षा व्यवस्था में सुधार और बंद विद्यालयों को पुनः शुरू कराने की मांग को आगे भी उठाती रहेगी।

जौनपुर जिला अस्पताल बना सिर्फ सैंपल कलेक्शन सेंटर, जांच रिपोर्ट में देरी

एजेंसी, जौनपुर। जिला अस्पताल की पैथोलॉजी लैब में रखी सभी जांच मशीनों को आईएचएल लैब में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके बाद जिला अस्पताल की अपनी पैथोलॉजी लैब अब महज सैंपल कलेक्शन सेंटर बनकर रह गई है। यहां रोजाना औसतन 400 से 500 सैंपल लिए जाते हैं, जिन्हें जांच के लिए आईएचएल लैब भेजा जा रहा है।

सैंपल भेजने और रिपोर्ट प्राप्त करने की प्रक्रिया में मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट आने में देरी और अनियमितता की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। जिला अस्पताल आने वाले गरीब मरीजों को महंगी जांच के लिए निजी पैथोलॉजी सेंटरों का रुख न करना पड़े, इसके उद्देश्य से सरकार ने पीपीपी मॉडल के तहत जिला महिला चिकित्सालय के एमसीएच विंग में इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब स्थापित की थी।

इसी लैब में जिला अस्पताल की जांच मशीनों को स्थानांतरित किया गया है। मशीनें हटने के बाद अस्पताल में जांच की सुविधा सीधे उपलब्ध नहीं होने से मरीजों और तीमारदारों की दिक्कत बढ़ गई है। विशेषकर गंभीर मरीजों को समय पर रिपोर्ट न मिलने से उपचार प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है।

बिजनौर में आतंक का पर्याय बना गुलदार पिंजरे में हुआ कैद

एजेंसी, बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद के नहटौर थाना क्षेत्र के सदरुद्दीन नगर गांव में पिछले कई दिनों से ग्रामीणों के लिए दहशत का कारण बना गुलदार शनिवार सुबह वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। गुलदार के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। वन्यजीव के पिंजरे में कैद होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों के अनुसार पिछले कई दिनों से गांव और आसपास के खेतों में गुलदार की गतिविधियां देखी जा रही थीं। इससे खेतों में काम करने जाने वाले किसानों और ग्रामीणों में भय बना हुआ था।

ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने करीब पांच दिन पहले गांव निवासी पवन कुमार के खेत के पास पिंजरा लगाया था। विभाग की ओर से गुलदार को पकड़ने के लिए लगातार निगरानी भी की जा रही थी। शनिवार सुबह करीब सात बजे खेतों में काम करने जा रहे एक किसान ने पिंजरे के आसपास हलचल देखी। संदेह होने पर उसने पास जाकर देखा तो गुलदार पिंजरे में कैद था। किसान ने तत्काल इसकी सूचना ग्रामीणों और वन विभाग को दी। जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर डिप्टी रेंजर हरदेव सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वन विभाग की विशेष रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा। टीम ने आवश्यक सावधानी बरतते हुए गुलदार को सुरक्षित स्थान पर ले जाने की प्रक्रिया शुरू की। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि आसपास के जंगलों और खेतों में वन्यजीवों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई जाए।

लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर बस ने बाइक को मारी टक्कर, मामा-भांजे की मौत

◆ **हाईवे हादसे में मामा-भांजे की जान गई, चालक बस छोड़कर फरार।**

एजेंसी, शाहजहांपुर

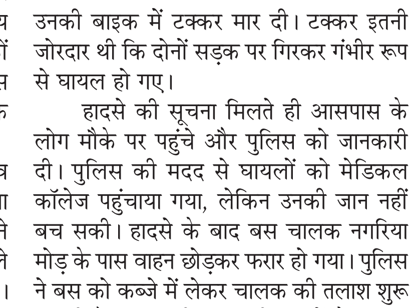

लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार सुबह भेदपुर गांव के पास दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। निजी बस की पीछे से टक्कर लगने से बाइक सवार मामा-भांजे गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद बस चालक नगरिया मोड़ के पास बस छोड़कर मौके से फरार हो गया।

रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के कनेग गांव निवासी सोमेश शुक्ला शनिवार सुबह अपने मामा मोहित अवस्थी के साथ बाइक से हल्द्वानी जाने के लिए निकले थे। मोहित अवस्थी हरदोई जिले के राघवपुर नवादा गांव के निवासी बताए गए हैं। दोनों किसी काम से हल्द्वानी जा रहे थे। बताया गया कि दोनों बाइक से लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर भेदपुर गांव के पास पहुंचे थे। इसी दौरान पीछे से तेज गति से आ रही निजी बस ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस की मदद से घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। हादसे के बाद बस चालक नगरिया मोड़ के पास वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मृतकों के स्वजन को दे दी गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार चालक की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

आपत्ति | मस्जिदों को लेकर मायावती ने सरकार पर साधा निशाना, कार्रवाई रोकने की मांग

प्रदेश में मस्जिदों को अवैध बताकर ध्वस्त करना ठीक नहीं: मायावती

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सहारनपुर जिले में सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद को जिला प्रशासन द्वारा गिराए जाने की कार्रवाई पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर समेत पूरे उत्तर प्रदेश में मस्जिदों को जल्दबाजी में अवैध बताकर ध्वस्त करने का सरकारी अभियान उचित नहीं है। सरकार को ऐसे मामलों में तत्काल रोक लगाकर विवादों के समाधान के लिए अन्य उपाय तलाशने चाहिए।

मायावती ने शनिवार को इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि संवैधानिक धर्मनिरपेक्ष सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सभी धर्मों को मानने वाले लोगों और उनके धार्मिक स्थलों का समान रूप से सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कानून के अनुरूप कार्रवाई होनी चाहिए। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि मस्जिदें मुस्लिम समुदाय की धार्मिक आस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

इसलिए किसी भी मस्जिद के संबंध में कार्रवाई करने से पहले नियम-कानून का पूरा तरह पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा और व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए सभी धार्मिक स्थलों के प्रति सम्मान का भाव बनाए रखना जरूरी है। मायावती ने आरोप लगाया कि नियम-कानून का समुचित अनुपालन किए बिना किसी अभियुक्त का मकान ध्वस्त करना और उसके पूरे परिवार को बेघर कर देना लोगों को विचलित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई को उसके परिवार के लिए सामूहिक सजा का रूप नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार के साथ न्यायपालिका से भी ऐसे मामलों पर समुचित ध्यान देने की अपील की। मायावती ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ यह भी जरूरी है कि कार्रवाई निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत हो और किसी समुदाय में असुरक्षा की भावना पैदा न हो। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि धार्मिक मामलों में टकराव की स्थिति पैदा करने के बजाय बातचीत और कानूनसम्मत समाधान का रास्ता अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी लोगों से सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की।

धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई में जल्दबाजी से बचें

उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों में प्रशासन को जल्दबाजी से बचना चाहिए और हर कार्रवाई तथ्यों तथा कानूनी प्रक्रिया के आधार पर करनी चाहिए। मायावती ने कहा कि किसी भी विवाद का समाधान ऐसा होना चाहिए, जिससे कानून का पालन भी हो और सामाजिक सौहार्द भी बना रहे। उन्होंने सरकार से अपील की कि धार्मिक स्थलों को लेकर उत्पन्न विवादों में सभी पक्षों की बात सुनी जाए और उचित कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाए। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि शांति, भाईचारा और आपसी सम्मान का माहौल बनाए रखना व्यापक जनहित में जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार को संवेदनशीलता दिखाते हुए ऐसे मामलों में निष्पक्ष और संतुलित रवैया अपनाना चाहिए।

सीवर जाम को लेकर धरना पर बैठे लोगों ने विधायक मुर्दाबाद के लगाए नारे

एजेंसी, वाराणसी

◆ **सीवर जाम से परेशान लोगों ने किया प्रदर्शन, विधायक ने 12 घंटे में समाधान मांगा।**

वाराणसी में शनिवार को खोजवा पुस्तकालय गली से गुरुधाम राम मंदिर जाने वाली सड़क पर लंबे समय से बनी सीवर जाम की समस्या को लेकर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। समस्या के समाधान की मांग को लेकर लोगों ने सड़क पर धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे और उन्होंने जलकल विभाग के खिलाफ नाराजगी जताई।

धरना प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर क्षेत्रीय विधायक सौरभ श्रीवास्तव भी मौके पर पहुंचे। विधायक के पहुंचते ही प्रदर्शन कर रहे स्थानीय लोगों का आक्रोश और बढ़ गया। लोगों ने विधायक के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। स्थानीय लोगों का कहना था कि सीवर जाम होने के कारण सड़क पर गंदा पानी जमा हो रहा है, जिससे आवागमन में परेशानी के साथ आसपास के लोगों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

लोगों के आक्रोश को देखते हुए विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने मौके से ही जलकल विभाग के अधिकारियों से फोन पर बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों से सीवर जाम की समस्या का तत्काल समाधान कराने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र के लोगों को सीवर जाम के कारण होने वाली परेशानी उनकी अपनी परेशानी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि समस्या का निस्तारण 12 घंटे के भीतर किया जाना जरूरी है। विधायक ने यह भी कहा कि केवल मौजूदा समस्या का समाधान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो, इसके लिए भी प्रभावी व्यवस्था की जानी चाहिए।

सोनीपत में बिजली की तार गिरकर करंट लगने से किसान की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत

गोहाना क्षेत्र के गांव कथूरा में शुक्रवार को बिजली का तार टूटकर किसान के ऊपर गिर गया। करंट की चपेट में आने से किसान की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव कथूरा निवासी सतबीर (50) के रूप में हुई है। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। परिजनों ने बिजली निगम पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थाना बरोदा पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक के बेटे साहिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पिता खेती-बाड़ी का काम करते थे। चार सितंबर को दोपहर के समय सतबीर गांव के अड्डे से सामान लेकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अचानक बिजली लाइन का तार टूटकर उनके ऊपर जा गिरा। तार के शरीर पर गिरते ही वह करंट की चपेट में आ गए। हादसा इतना गंभीर था कि सतबीर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना डायल-112 के माध्यम से पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना बरोदा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया। साहिल ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि गांव में बिजली लाइन के तार लंबे समय से जर्जर हालत में थे। कई बार तारों की स्थिति खराब होने के बावजूद समय पर उनकी मरम्मत और रखरखाव नहीं किया गया। इसी लापरवाही के कारण बिजली का तार टूटकर उसके पिता के ऊपर गिरा और उनकी जान चली गई। परिजनों ने बिजली निगम के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते जर्जर तारों की मरम्मत कर दी जाती तो यह हादसा टाला जा सकता था।

नेपाल की बाढ़ से पानीपत के टेक्सटाइल कारोबार को 450 करोड़ का लगा बड़ा झटका

बाढ़ के कारण नेपाल में परिवहन व्यवस्था चरमराई, पानीपत के कारोबारियों को नए आर्डर मिलने हुए बंद

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

नेपाल में आई भीषण बाढ़ का असर अब पानीपत के टेक्सटाइल उद्योग पर साफ दिखाई देने लगा है। नेपाल में सड़क और परिवहन व्यवस्था प्रभावित होने से पानीपत से वहां भेजे जाने वाले कपड़ा उत्पादों की आपूर्ति बाधित हो गई है। इसके चलते करीब 450 करोड़ रुपये का वार्षिक टेक्सटाइल कारोबार प्रभावित होने की आशंका है।

सबसे अधिक असर नए आर्डर पर पड़ा है और फिलहाल कारोबारियों को नेपाल के बाजार से नए आर्डर नहीं मिल रहे हैं। पानीपत को देश की प्रमुख टेक्सटाइल मंडियों में गिना जाता है। यहां तैयार होने वाले कंबल, तौलिया, बेडशीट, दरी, कालीन, थ्रो और ऊनी फर्श कवरिंग जैसे उत्पाद नेपाल के बाजार में बड़ी मात्रा में भेजे जाते हैं। इन उत्पादों की मांग होटल,

घरेलू उपयोग और साज-सज्जा से जुड़े क्षेत्रों में रहती है। नेपाल में पानीपत के इन उत्पादों की अच्छी पकड़ है, लेकिन बाढ़ के कारण बाजार और परिवहन व्यवस्था दोनों प्रभावित हुए हैं।

सड़कें प्रभावित होने से आपूर्ति पर असर: उद्योगपतियों के अनुसार नेपाल में बाढ़ के बाद कई स्थानों पर सड़क और परिवहन व्यवस्था सामान्य नहीं हो पाई है। इससे माल की आवाजाही प्रभावित हुई है।

कारोबारी नए आर्डर लेने से भी बच रहे हैं, क्योंकि उन्हें माल की आपूर्ति समय पर पहुंचाने को लेकर चिंता बनी हुई है। पहले से तैयार माल की आवाजाही भी प्रभावित होने की बात सामने आ रही है। कारोबारियों का कहना है कि नेपाल के बाजार में पानीपत के उत्पादों की मांग बनी हुई थी, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में नए आर्डर पर रोक जैसी स्थिति है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की प्राथमिकता भी आवश्यक वस्तुओं तक सीमित हो गई है। इसका सीधा असर घरेलू साज-सज्जा और अन्य कपड़ा उत्पादों की मांग पर पड़ा है।

450 करोड़ रुपये के कारोबार पर संकट: पानीपत और नेपाल के बीच करीब 450 करोड़ रुपये का टेक्सटाइल व्यापार होता है। इसमें बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम कारोबारी भी जुड़े हैं। नेपाल में लंबे समय तक हालात सामान्य नहीं हुए तो इसका असर उत्पादन और रोजगार पर भी पड़ सकता है। कारोबारियों को आशंका है कि आर्डर नहीं मिलने की स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में उत्पादन की गति प्रभावित हो सकती है। कंबल और ऊनी उत्पादों का कारोबार विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

12 साल बाद हरियाणा कांग्रेस संगठन में फिर लौटी राजनीतिक सक्रियता

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस में करीब 12 साल से चली आ रही संगठनात्मक निष्क्रियता अब खत्म होती नजर आ रही है। कांग्रेस के नए प्रभारी संजय सतीशद्रंद दत्त ने अपने करीब दो माह के कार्यकाल में संगठन को सक्रिय करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने जिला और विधानसभा स्तर पर कार्यकर्ताओं के बीच पहुंच बनाकर पार्टी की जमीनी स्थिति को समझने का प्रयास किया है।

संजय दत्त अब तक सिरसा और हिसार को छोड़कर प्रदेश के 21 जिलों का दौरा कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 78 में कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया है। इतनी कम अवधि में व्यापक दौरे को कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। प्रभारी के दौरों के दौरान स्थानीय कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और नेताओं के साथ बैठकें कर संगठन की स्थिति पर चर्चा की जा रही है। उनका जोर पार्टी की गतिविधियों को जिला और विधानसभा स्तर तक मजबूत करने पर है, ताकि कार्यकर्ताओं की भूमिका बढ़े और संगठन चुनावी तैयारियों में अधिक प्रभावी तरीके से काम कर सके।

कांग्रेस के भीतर इस सक्रियता को लंबे समय से कमजोर पड़े संगठन को दोबारा खड़ा करने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। संजय दत्त की कार्यशैली में नेताओं की व्यक्तिगत सक्रियता के बजाय संगठन को प्राथमिकता देने पर जोर दिखाई दे रहा है। पार्टी की कोशिश है कि बूथ से लेकर विधानसभा स्तर तक संगठन को मजबूत किया जाए और कार्यकर्ताओं को पार्टी की गतिविधियों से लगातार जोड़ा जाए। आने वाले दिनों में शेष जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में भी प्रभारी के दौरे जारी रहने की संभावना है।

हेड कांस्टेबल की बेटी प्रगति ने रचा इतिहास यूजीसी नेट में हासिल की 12वीं रैंक

99.95 परसेंटाइल से प्रगति ने रचा कीर्तिमान।

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी

गांव जेवली निवासी हेड कांस्टेबल सत्येंद्र सिंह की बेटी प्रगति श्योराण ने यूजीसी नेट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया 12वीं रैंक हासिल की है। बिजनेस मैनेजमेंट विषय में प्रगति ने 99.95 परसेंटाइल स्कोर प्राप्त किया। इस सफलता के साथ वह जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए पात्र हो गई हैं।

प्रगति ने परीक्षा में कुल 300 में से 226 अंक हासिल किए। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ गांव और पूरे भिवानी जिले में खुशी का माहौल है। परिजनों और ग्रामीणों ने प्रगति को इस सफलता के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रगति ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। बिजनेस मैनेजमेंट जैसे विषय में देशभर में 12वीं रैंक प्राप्त करना उनकी शैक्षणिक प्रतिभा को दर्शाता है। 99.95 परसेंटाइल के साथ उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा में अपनी मजबूत पकड़ साबित की।

परिजनों के अनुसार प्रगति शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर रही हैं और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार मेहनत करती रही हैं। उनकी सफलता से परिवार को गर्व है। गांव के लोगों ने भी इस क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया।

कैदी वार्ड की सुरक्षा में बड़ी चूक, अस्पताल से आरोपी फरार

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र।

लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल के कैदी वार्ड से इलाज के लिए भर्ती कराया गया आरोपी पुलिस गार्द को चकमा देकर फरार हो गया। आरोपी की पहचान सतिंद्र उर्फ कांति के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उसने जेल में आत्महत्या करने का प्रयास किया था। इसके बाद उसकी हालत को देखते हुए उसे इलाज के लिए अस्पताल के कैदी वार्ड में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में आरोपी की सुरक्षा के लिए पुलिस गार्द तैनात थी। इसी दौरान वह सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर वहां से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया है। अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था में हुई इस चूक को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

भिवानी में सरकार के खिलाफ स्वर्ण समाज का मोर्चा, सीएम की रैली के बहिष्कार का ऐलान

भारतेन्दु संवाददाता, भिवानी

भिवानी जिले के गांव खरक कलां में यूजीसी को वापस लेने, आरक्षण व्यवस्था और एससी-एसटी एक्ट के मौजूदा प्रावधानों के विरोध में स्वर्ण समाज के लोगों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों ने सरकार के खिलाफ रोष जताते हुए अपनी मांगों को लेकर आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है।

धरने में ग्रामीणों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए सरकार से अपनी मांगों पर गंभीरता से विचार करने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि यूजीसी से जुड़े प्रस्तावों, आरक्षण व्यवस्था और एससी-एसटी एक्ट के मौजूदा प्रावधानों को लेकर समाज में काफी नाराजगी है। उनका कहना है कि इन विषयों पर सरकार को समाज के विभिन्न वर्गों से बातचीत कर समाधान की दिशा

में कदम उठाने चाहिए। इसी मांग को लेकर गांव में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया गया है।

प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होती, तब तक धरना जारी रहेगा। उन्होंने अन्य लोगों से भी आंदोलन में सहयोग करने की अपील की। इसके साथ ही ग्रामीणों ने छह सितंबर को बवानीखेड़ा में आयोजित मुख्यमंत्री की रैली में शामिल नहीं होने का ऐलान किया है। ग्रामीणों ने इसे सरकार के प्रति अपना विरोध दर्ज कराने का तरीका बताया। उनका कहना है कि मांगों की अनदेखी के विरोध में वे रैली से दूरी बनाएंगे।

धरने को लेकर गांव में लोगों की मौजूदगी बढ़ रही है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा। उन्होंने सरकार से जल्द बातचीत कर उनकी मांगों पर विचार करने और समाधान निकालने की अपील की है। ग्रामीणों ने कहा कि आंदोलन के अगले चरण को लेकर जल्द रणनीति बनाई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मांगों के समाधान तक धरना जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत कर उनकी समस्याओं का समाधान करने की मांग की।

न्यूज ब्रीफ

फतेहाबाद में बीच बाजार भिड़े शोरूम मालिक कूड़ा फेंकने को लेकर जमकर मारपीट

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। शहर के बीच बाजार कूड़ा फेंकने को लेकर दो शोरूम मालिकों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे से मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में कुछ युवतियां भी आपस में बाल पकड़कर थप्पड़ बरसाती नजर आ रही हैं। बताया जा रहा है कि कूड़ा फेंकने को लेकर दोनों शोरूम मालिकों के बीच पहले कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर एक पक्ष के व्यक्ति ने दूसरे की दुकान में घुसकर मुक्का मार दिया। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और जमकर मारपीट हुई। बीच बाजार हुई इस घटना से आसपास के लोगों में भी अफरा-तफरी मच गई। मामले का वीडियो सामने आने के बाद घटना चर्चा में है।

फतेहाबाद में पानी के टैंकर समेत नहर में गिरा ट्रैक्टर, चालक ने कूदकर बचाई जान

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। भट्टू कलां क्षेत्र में शनिवार को फतेहाबाद ब्रांच नहर के किनारे गुजर रहा ट्रैक्टर पानी के टैंकर समेत अचानक संतुलन बिगड़ने से नहर में जा गिरा। हादसे के दौरान ट्रैक्टर चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत छलांग लगा दी और सुरक्षित बाहर निकल आया। इससे बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि नहर के किनारे से गुजरते समय पानी के ग्रोल के कारण ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया, जिसके बाद वह टैंकर समेत नहर में जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने जेसीबी की मदद से नहर में गिरे ट्रैक्टर और टैंकर को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। हादसे में चालक के सुरक्षित बचने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

जन्माष्टमी कार्यक्रम में फायरिंग से भगदड़ मंदिर में दही-हांडी को लेकर हुआ विवाद

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। रेवाड़ी जिले के बोड़िया कमालपुर गांव स्थित बड़े शिव मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम के दौरान आधी रात चार राउंड हवाई फायरिंग से दहशत फैल गई। दही-हांडी तोड़ने को लेकर युवकों में विवाद के बाद गोलियां चलने से कार्यक्रम में भगदड़ मच गई। जानकारी के अनुसार मंदिर में जागरण चल रहा था। आधी रात को दही-हांडी तोड़ने के लिए लाइट बंद की गई। इसी दौरान गांव के प्रमोद ने मढ़िया निवासी संजीत, चीकू और सोले के साथ मिलकर मटकी को निशाना बनाते हुए फायरिंग कर दी। गोलियों की आवाज सुनकर श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। ग्रामीणों ने मंदिर में होने वाले भंडारे को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जाखल के सरकारी स्कूलों को मिली सौगात 58 लाख से बनेंगे नए कक्ष और सुविधाएं

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शनिवार को जाखल क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में करीब 58 लाख 66 हजार रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इन कार्यों से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सांसद ने राजकीय प्राथमिक पाठशाला रेलवे कॉलोनी में तीन नए कक्षों तथा राजकीय प्राथमिक पाठशाला बाजीगर बस्ती में तीन नए कक्ष, रसोईघर और चारदीवारी के निर्माण की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र की प्रगति की मजबूत नींव है। सरकारी विद्यालयों में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नए कक्ष बनने से विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए पर्याप्त और सुविधाजनक स्थान मिलेगा। जाखल क्षेत्र में शिक्षा से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। सांसद ने अधिकारियों से निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने और उन्हें निर्धारित समय में पूरा करने की बात कही।

एस्मा की चेतावनी से नहीं डरेंगे कर्मचारी, मंत्री की एस्कॉर्ट गाड़ी पर चढ़कर जताया विरोध

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

मांगें पूरी न होने से नाराज सफाई कर्मचारी सड़क पर उतरे, आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

फरीदाबाद में सफाई कर्मचारियों का आंदोलन शनिवार को उस समय और तेज हो गया, जब बड़ी संख्या में कर्मचारी हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल के सेक्टर-16 स्थित कार्यालय के बाहर पहुंच गए। कर्मचारियों ने हाथों में झाड़ू लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग उठाई।

प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई, जब कर्मचारी नेता नरेश शास्त्री मंत्री की कमांडो एस्कॉर्ट गाड़ी के ऊपर चढ़ गए। पुलिस ने उन्हें नीचे उतरने को चेतावनी दी, जिसके बाद वह गाड़ी से नीचे उतर आए। कर्मचारियों ने कहा कि सरकार उनकी आवाज दबाने के लिए एस्मा लगाने की चेतावनी दे रही है, लेकिन इससे उनका आंदोलन रुकने वाला नहीं है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे किसी टकराव के लिए नहीं, बल्कि अपनी जायज मांगों को सरकार तक पहुंचाने के लिए आंदोलन कर रहे हैं। कर्मचारियों ने कर्मचारियों का नियमितीकरण, ठेका प्रथा समाप्त करना तथा समान काम के लिए समान वेतन देना शामिल है। इसके अलावा जोखिम भत्ता, सुरक्षा उपकरण, ईएसआई-ईपीएफ सुविधा, न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी, एरियर, दुर्घटना में मुआवजा और मृतक कर्मचारी के आश्रित को नौकरी देने की मांग भी उठाई जा रही है।

कर्मचारी नेता नरेश शास्त्री ने कहा कि सरकार बातचीत के दौरान कई मांगों पर सहमति जता चुकी है, लेकिन उन्हें लागू करने के ठोस आदेश नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि केवल आश्वासन के आधार पर आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। जब तक मांगों को लेकर लिखित आदेश जारी नहीं होते, तब तक प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। कर्मचारियों ने कहा कि सरकार को जल्द निर्णय लेकर लिखित आदेश जारी करने चाहिए, ताकि हड़ताल समाप्त कर व्यवस्था सामान्य की जा सके। दावा किया कि उनकी हड़ताल संवैधानिक तरीके से चल रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि एस्मा की चेतावनी से वे डरने वाले नहीं हैं और मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखेंगे। सफाई कर्मचारियों की राज्यव्यापी हड़ताल छह अगस्त से जारी है। कर्मचारियों का आरोप है कि 13 मई को सरकार के साथ हुई बातचीत में कई मांगों पर सहमति बनी थी, लेकिन उन्हें लागू करने के लिए अब तक लिखित आदेश जारी नहीं किए गए हैं। इससे कर्मचारियों में नाराजगी लगातार बढ़ रही है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में कच्चे, ठेका और दैनिक वेतनभोगी

फतेहाबाद में महिला से दुष्कर्म का आरोप, अश्लील सामग्री वायरल करने वाला आरोपी पंजाब से गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

महिला से दुष्कर्म करने तथा उसकी अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देने के मामले में महिला थाना फतेहाबाद पुलिस ने आरोपी को पंजाब के बठिंडा से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बठिंडा के गांव बाघा निवासी हरप्रीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में हिसार जेल भेज दिया गया।

महिला थाना फतेहाबाद की प्रभारी निरीक्षक मंजु सिंह ने शनिवार को बताया कि पीड़िता ने 20 अगस्त को पुलिस को शिकायत दी थी। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया था कि हरप्रीत सिंह ने उसे झांसे में लेकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद आरोपी उसकी अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उसे लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करता रहा।

महिला की शिकायत पर पुलिस ने तेज की कार्रवाई, पंजाब से दबोचा गया आरोपी।

पीड़िता ने पुलिस को यह भी बताया कि आरोपी ने उसकी अश्लील फोटो और वीडियो अन्य लोगों को भी भेजे थे।

शिकायत मिलने के बाद महिला थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया और जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी जानकारी और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस को आरोपी के पंजाब के बठिंडा में होने की जानकारी मिली। इसके बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई और अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए, जिसके बाद उसे हिसार जेल भेज दिया गया। महिला थाना प्रभारी ने बताया कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस आरोपी द्वारा पीड़िता की अश्लील सामग्री अन्य लोगों को भेजे जाने के आरोपों की भी जांच कर रही है।

कनाडा नहीं, भारत में छिपा है एक लाख का इनामी भोलू

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत।

हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड की जांच में पुलिस को अहम जानकारी मिली है। हत्या के बाद फरार चल रहे एक लाख रुपये के इनामी राहुल उर्फ भोलू शाहपुरिया के विदेश में छिपे होने की चर्चा थी, लेकिन अब पुलिस को उसके भारत में ही छिपे होने के इनपुट मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि भोलू ने पुलिस को भ्रमित करने के लिए अपने विदेश में होने का माहौल तैयार किया था। पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद इंटरनेट मीडिया पर भोलू के नाम से जिम्मेदारी लेने वाली पोस्ट प्रसारित हुई थी। जांच में पता चला कि यह पोस्ट भोलू ने खुद नहीं डाली थी, बल्कि उसके चचेरे भाई चिराग ने कनाडा से इसे प्रसारित किया था। पुलिस अब भोलू की तलाश में जुटी है और उसके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई जा रही है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में लगी हैं कि फरारी के दौरान उसे किन लोगों ने मदद पहुंचाई।

चार करोड़ से बदलेगी गोहाना की जलनिकासी व्यवस्था, 23 वार्डों को राहत

गोहाना को दो जोन में बांटकर सीवर लाइन बिछाई जाएगी, घरों से निकलने वाले पानी की निकासी होगी व्यवस्थित

भारतेन्दु संवाददाता, गोहाना

सोनीपत के गोहाना शहर में घरों से निकलने वाले ग्रे वाटर की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर परिषद ने विशेष योजना तैयार की है। इसके तहत शहर में चार करोड़ रुपये खर्च कर घरेलू पानी की निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा। योजना का उद्देश्य घरों से निकलने वाले पानी को नालियों और खुले नालों में बहने से रोकना है। नगर परिषद की इस पहल से शहर के 23 वार्डों में जलभराव, बदबू और मच्छरों की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

नगर परिषद के अनुसार, रसोई, स्नानघर और कपड़े धोने के बाद निकलने वाला पानी ग्रे वाटर कहलाता है। वर्तमान में कई स्थानों पर यह पानी सीधे नालियों और खुले नालों में पहुंचता है। कई जगह नालियों की क्षमता कम होने या उनके अवरुद्ध होने के कारण पानी आगे नहीं निकल पाता। इससे गलियों, सड़कों और रिहायशी क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन जाती है।

बरसात के दौरान समस्या और गंभीर हो जाती है।

दो जोन में बांटकर बिछाई जाएगी सीवर लाइन: नगर परिषद ने योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए शहर को दो जोन में बांटने का निर्णय लिया है। दोनों जोन में जरूरत के अनुसार सीवर लाइन बिछाई जाएगी। घरों से निकलने वाले ग्रे वाटर को टैप कर सीवर लाइन के माध्यम से निर्धारित निकासी व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। इससे घरेलू पानी खुले में बहने के बजाय व्यवस्थित तरीके से आगे पहुंचाया जा सकेगा। नगर परिषद का मानना है कि वर्तमान व्यवस्था में घरों का पानी नालियों के माध्यम से ड्रेन तक पहुंचता है, लेकिन कई स्थानों पर नालियां अवरुद्ध होने के कारण निकासी बाधित होती है। नई व्यवस्था बनने के बाद ग्रे वाटर की निकासी को अधिक व्यवस्थित किया जा सकेगा।

जलभराव के साथ बदबू और मच्छरों से भी राहत: घरों से निकलने वाला पानी लंबे समय तक गलियों और सड़कों के आसपास जमा रहने से बदबू की समस्या पैदा होती है। इसके अलावा जमा पानी मच्छरों के पनपने का कारण बनता है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर परिषद की योजना के तहत घरेलू पानी को सीधे निकासी व्यवस्था से जोड़ने से इन समस्याओं में कमी आने की उम्मीद है।

नगर परिषद की ओर से शहर की मौजूदा जलनिकासी व्यवस्था का भी आकलन किया जा रहा है। जहां नालियां कमजोर या अवरुद्ध हैं, वहां आवश्यक सुधार किए जाने की योजना है। इसके साथ ही सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर जमा होने वाले पानी की निकासी को भी व्यवस्थित करने पर जोर दिया जाएगा।

23 वार्डों को होगा फायदा: गोहाना शहर के 23 वार्डों में इस योजना का प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। नगर परिषद का लक्ष्य है कि घरेलू पानी खुले नालों में बहने के बजाय सीवर व्यवस्था के माध्यम से निर्धारित स्थान तक पहुंचे। इससे शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ लोगों को जलभराव की परेशानी से भी राहत मिल सकेगी।

बोहली स्टेशन से तेल चोरी में रेलवे कर्मचारियों की मिलीभगत, स्टेशन मास्टर समेत नौ गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

रिफाइनरी के पास स्थित बोहली रेलवे स्टेशन से नेफ्था तेल चोरी के मामले में रेलवे कर्मचारियों की कथित मिलीभगत सामने आई है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की जांच में स्टेशन अधीक्षक, स्टेशन मास्टर और पाइंट्समैन समेत छह रेलवे कर्मचारियों की भूमिका सामने आने के बाद अब तक नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोप है कि रेलवे कर्मचारियों ने जिले के तीन अन्य लोगों के साथ मिलकर तेल चोरी की पूरी साजिश रची थी। जांच के अनुसार, इस साजिश में शामिल सभी आरोपितों की अलग-अलग भूमिका तय की गई थी।

तेल चोरी से मिलने वाले लाभ में भी कथित तौर पर हिस्सेदारी निर्धारित थी। मामले में मुख्य आरोपित मनोज जैन को पहले ही अदालत से अग्रिम जमानत मिल चुकी है। आरपीएफ के अनुसार, 18 अगस्त को बोहली रेलवे स्टेशन के पास नेफ्था तेल चोरी की घटना सामने आई थी। मामले की जांच शुरू होने के बाद आरपीएफ ने रेलवे कर्मचारियों और अन्य संदिग्धों की गतिविधियों की जानकारी जुटाई। जांच के दौरान आरोपितों की भूमिका सामने आने लगी। आरपीएफ ने 25 अगस्त को स्टेशन अधीक्षक गोविंद नारायण मीणा, विनीत कुमार और चंदन को गिरफ्तार किया। तीनों से पूछताछ के दौरान तेल चोरी की साजिश से जुड़े अन्य लोगों के बारे में

महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। इसके आधार पर जांच को आगे बढ़ाते हुए आरपीएफ ने मामले में शामिल अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार किया।

जांच एजेंसी के अनुसार, रेलवे कर्मचारियों ने कथित तौर पर स्टेशन पर तेल की आवाजाही और अन्य गतिविधियों से संबंधित जानकारी का इस्तेमाल चोरी की साजिश को अंजाम देने में किया। आरोपितों की भूमिका और उनके बीच कथित हिस्सेदारी को लेकर भी जांच की जा रही है। आरपीएफ अब गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि चोरी की घटना में और कौन-कौन लोग शामिल थे। साथ ही चोरी किए गए नेफ्था तेल की मात्रा, उसे कहां ले जाया गया और उससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

दिल्ली बसों में सुरक्षा होगी और कड़ी पर्दे-काले शीशों पर रोक का आदेश

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली दशहरा और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दिल्ली से बिहार और झारखंड जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी राहत दी है। रेलवे ने पूर्णिया, सहरसा, गया और धनबाद के लिए पहले से संचालित विशेष ट्रेनों के फेरे नवंबर तक बढ़ाने का फैसला किया है। इससे त्योहारों के दौरान घर जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त ट्रेनों का विकल्प मिलेगा और कंफर्म टिकट मिलने की संभावना भी बढ़ेगी।

त्योहारों के दिनों में ट्रेनों में यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में काफी बढ़ जाती है। खासकर दशहरा से लेकर छठ पूजा तक दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश स्थित अपने घरों का रुख करते हैं। इस दौरान पूर्व दिशा की ओर जाने वाली ट्रेनों में सबसे अधिक भीड़ रहती है। हर साल त्योहारों के दौरान यात्रियों को कंफर्म टिकट मिलने में परेशानी होती है। कई ट्रेनों में आरक्षण खुलने के कुछ समय बाद ही सीटें भर जाती हैं। यात्रियों की इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए रेलवे की ओर से त्योहार विशेष ट्रेनों की घोषणा की जा रही है।

इसके साथ ही जो विशेष ट्रेनें पहले से संचालित हो रही हैं, उनके फेरे भी बढ़ाए जा रहे हैं। रेलवे के इस फैसले से पूर्णिया और सहरसा जाने वाले यात्रियों के अलावा गया और धनबाद की यात्रा करने वाले लोगों को भी सुविधा मिलेगी।

प्रमोशन के मौके गंवाने और 100% अक्षमता पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: एक्सीडेंट विक्टिम को 3.77 करोड़ का मुआवजा

नौकरी पर रहना कमाई क्षमता घटने का सबूत नहीं': सुप्रीम कोर्ट ने अंधी हुई महिला को दिलाया 3.77 करोड़ का मुआवजा

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 2011 में हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में पूरी तरह से अपनी आंखों की रोशनी गंवाने वाली और गंभीर रूप से घायल हुई महिला के मुआवजे की राशि को 2.94 करोड़ से बढ़ाकर 3.77 करोड़ (3,77,84,297.) कर दिया है। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि दुर्घटना के बाद भी महिला का नौकरी पर बने रहना इस बात का सबूत नहीं माना जा सकता कि उसकी वास्तविक कमाई की क्षमता पर कोई असर नहीं पड़ा है।

पीठ ने माना कि काम करने की क्षमता का आकलन नियोक्ता की विशेष सहानुभूति या असिस्टिव सॉफ्टवेयर सुविधाओं के आधार पर नहीं, बल्कि खुली और प्रतिस्पर्धी श्रम बाजार की स्थिति के आधार पर होना चाहिए हादसे के समय 35 वर्ष की पीड़ित महिला गुरुग्राम में दक्ष में डिप्टी ग्रुप मैनेजर के पद पर कार्यरत थीं। हादसे में सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण वे पूरी तरह दृष्टिहीन हो गईं और उनके पेल्विक (कूल्हे) में भी गंभीर चोट आई, जिसके चलते उन्हें 19 महीने तक बिना वेतन के छुट्टी पर रहना पड़ा था।

हालांकि वह बाद में काम पर लौटीं और उनका सीटीसी 16 लाख से बढ़कर 19 लाख हो गया, लेकिन कंपनी के करियर ग्रोथ लेटर से स्पष्ट हुआ कि इस विकलांगता की वजह से वे जनरल मैनेजर, डायरेक्टर और वाइस प्रेसिडेंट जैसे उच्च पदों पर पदोन्नति के अवसरों से वंचित रह गईं। सफदरजंग अस्पताल के मेडिकल बोर्ड ने महिला को 100% स्थायी शारीरिक अक्षमता से ग्रस्त

पाया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने पूरी तरह स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट द्वारा मानी गई 80% कार्यात्मक अक्षमता को 100% माना।

अदालत ने भविष्य की कमाई के नुकसान के लिए 50% फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स और 16 का मल्टिप्लायर लागू करते हुए पुनर्गणना की। इसके साथ ही अटेंडेंट खर्च, भविष्य का इलाज, दर्द व मानसिक पीड़ा और विवाह की संभावनाओं के नुकसान जैसे मदों को जोड़कर कुल मुआवजा 3.77 करोड़ तय किया, जिस पर याचिका की तारीख से 7.5% की वार्षिक दर से ब्याज भी देय होगा।

सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक मिला, फिर भी नहीं बदली सिलक्यारा के रैट माइनर्स की जिंदगी

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में 41 लोगों की जान बचाने वाले रैट माइनर्स को भले ही सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक सहित कई स्तरों पर सम्मान मिला हो, लेकिन सम्मान के बाद भी उनकी आर्थिक स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं आया है। आज भी ये जांबाज मजदूर 700 से 800 रुपये की दिहाड़ी पर सीवर खोदने जैसे काम करने को मजबूर हैं।

सिलक्यारा सुरंग हादसे के दौरान जब बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था, तब रैट माइनर्स ने अपनी विशेषज्ञता और साहस का परिचय देते हुए सुरंग में फंसे लोगों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी मेहनत और जोखिम उठाने की क्षमता की देशभर में सराहना हुई थी। सरकार की ओर से उन्हें सम्मानित भी किया गया, लेकिन इसके बावजूद नियमित रोजगार और आर्थिक सुरक्षा की समस्या बनी हुई है। रैट माइनर्स का कहना है कि उनके पास विशेष कौशल और कठिन परिस्थितियों में काम करने का अनुभव है, लेकिन स्थायी रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे। ऐसे में परिवार चलाने के लिए उन्हें रोजाना दिहाड़ी मजदूरी करनी पड़ती है। कई बार काम मिलने की भी कोई गारंटी नहीं होती।

खास बात यह है कि पड़ोसी देश नेपाल में आपदा के दौरान भी इन रैट माइनर्स ने मदद की इच्छा जताई है। उनका कहना है कि यदि उन्हें बुलाया जाता है तो वे वहां फंसे लोगों को बचाने के लिए पूरी तत्परता से पहुंचेंगे। फिलहाल वे अनुमति और बुलावे का इंतजार कर रहे हैं। सिलक्यारा के इन नायकों की कहानी सम्मान और संघर्ष के बीच का अंतर भी दिखाती है। जिंदगी बचाने वाले हाथ आज अपने परिवार की रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सम्मान के बावजूद रोजगार की तलाश जारी, अब स्थायी अवसर मिलने की उम्मीद।

गाजियाबाद में जमीन खरीदने का सुनहरा मौका, 7 सितंबर को होगी भूखंडों की नीलामी

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम दिल्ली में मूसलधार बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। शिव मूर्ति के पास अत्यधिक जलभराव होने से गुरुग्राम से दिल्ली जाने वाले मार्ग पर यातायात का दबाव बढ़ गया है। वाहन चालकों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी है। पुलिस के अनुसार, शिव मूर्ति के आसपास जलभराव के कारण इस रास्ते से गुजरने वाले वाहनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते गुरुग्राम से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन चालकों को इफको चौक से यू-टर्न लेकर आया नगर बॉर्डर के रास्ते दिल्ली में प्रवेश करने की सलाह दी गई है।

पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अनावश्यक रूप से जलभराव वाले मार्ग पर जाने से बचें। वहीं, दिल्ली एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों और वाहन चालकों के लिए भी वैकल्पिक रास्ते की सलाह दी गई है। पुलिस के अनुसार एयरपोर्ट जाने के लिए द्वारका एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल करने को कहा है। इससे जलभराव वाले क्षेत्र से बचते हुए यातायात को सुचारु बनाए रखने में मदद मिल सकती है। ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे मौसम और सड़क की स्थिति को ध्यान में रखते हुए यात्रा की योजना बनाएं।

बारिश के दौरान गति नियंत्रित रखें और ट्रैफिक पुलिस के निर्देशों का पालन करें। जलभराव वाले स्थानों पर सावधानी बरतने के साथ जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करें। पुलिस का कहना है कि मौसम की स्थिति सामान्य होने और जलभराव कम होने के बाद यातायात व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता है। फिलहाल वाहन चालकों से सहयोग करने और निर्धारित वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की गई है। गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे जलभराव वाले रास्तों पर जाने से बचें। पुलिस के निर्देशों का पालन करें और यात्रा से पहले वैकल्पिक मार्गों की स्थिति की जानकारी जरूर लें, ताकि जाम और परेशानी से बचा जा सके।

स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी, एससी एसटी और पॉक्सो कानून में मुकदमा

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर स्वतंत्र भारद्वाज को दिल्ली पुलिस ने एक नाबालिग कार्यकर्ता के पिता पर कथित हमले के मामले में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से अदालत ने एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश में उन्हें हिरासत में लिए जाने के एक दिन बाद हुई है। जानकारी के अनुसार, स्वतंत्र भारद्वाज को सीजेपी प्रदर्शन के दौरान एक नाबालिग कार्यकर्ता के पिता के साथ कथित मारपीट के मामले में हिरासत में लिया गया था।

दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच और पूछताछ के लिए उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस अब घटना से जुड़े तथ्यों, कथित हमले की परिस्थितियों और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। इस मामले में स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ गंभीर धाराओं में

कथित हमले के मामले में स्वतंत्र भारद्वाज गिरफ्तार

प्राथमिकी दर्ज होने की बात सामने आई है। प्राथमिकी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम यानी एससी-एसटी एक्ट और पॉक्सो अधिनियम से संबंधित धाराएं भी शामिल बताई गई हैं।

हालांकि, इन धाराओं के तहत आरोप लगाए जाना और अदालत में उनका साबित होना अलग-अलग कानूनी प्रक्रियाएं हैं। स्वतंत्र भारद्वाज को पहले उत्तर प्रदेश में हिरासत में लिया गया था। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों और घटनाक्रम के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। अदालत द्वारा एक दिन की पुलिस हिरासत दिए जाने के बाद जांच अधिकारियों को आरोपी से पूछताछ करने और मामले से जुड़े तथ्यों की पड़ताल करने का अवसर मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

जेवर में शिक्षक दिवस मनाने पहुंचे सपा नेता गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। जेवर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर बंद अथवा मर्ज किए गए प्राथमिक स्कूलों के पास शिक्षक दिवस मनाने पहुंचे सपा नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जेवर क्षेत्र में कार्यक्रम के लिए पहुंचे सपा नेता विकास जतन भाटी और लोकेश भाटी को उनके समर्थकों सहित पुलिस ने हिरासत में लिया। बताया गया कि अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में बंद या दूसरे स्कूलों में मर्ज किए गए प्राथमिक विद्यालयों के समीप शिक्षक दिवस मनाने का निर्देश पार्टी कार्यकर्ताओं को दिया था। इसी क्रम में सपा नेता जेवर क्षेत्र में शिक्षक दिवस कार्यक्रम आयोजित करने जा रहे थे। कार्यक्रम से पहले ही पुलिस ने नेताओं और उनके समर्थकों को रोक लिया। इस दौरान सपा नेताओं और नोएडा पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए विकास जतन भाटी, लोकेश भाटी समेत समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया। सपा नेताओं की गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गईं।

ककोरा: बारिश में बीहड़ों से मिलने वाला सेहत का खजाना

एजेंसी, नई दिल्ली। बारिश शुरू होते ही यमुना, उटंगन और चंबल के बीहड़ों में हरियाली छा जाती है। इसी प्राकृतिक वातावरण में बेलों पर उगने वाला ककोरा ग्रामीणों के लिए बरसात का खास स्वाद होने के साथ पोषण का खजाना भी माना जाता है। स्थानीय लोग इसे सब्जी के रूप में इस्तेमाल करते हैं। आयुर्वेद में ककोरा को कर्कोटकी नाम से जाना जाता है। इसमें कई पोषक तत्व पाए जाते हैं और पारंपरिक रूप से इसे स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसे खासतौर पर बारिश के मौसम में भोजन का हिस्सा बनाया जाता है। ककोरे को पाचन तंत्र के लिए उपयोगी माना जाता है। इसके अलावा पारंपरिक चिकित्सा में इसे रक्त शर्करा यानी डायबिटीज को नियंत्रित रखने में सहायक बताया गया है। इसके सेवन को बालों के स्वास्थ्य और बाल झड़ने की समस्या में भी लाभकारी माना जाता है।

फरीदाबाद में बनेंगे 40 नए सेक्टर, 51 गांवों की जमीन पर होगा विस्तार

एजेंसी, नई दिल्ली। हरियाणा सरकार जिले के 51 गांवों की करीब 11 हजार एकड़ जमीन पर 40 नए सेक्टर विकसित करने की योजना पर काम कर रही है। इससे शहर का दायरा बढ़ेगा और नए आवासीय व व्यावसायिक क्षेत्रों के विकास का रास्ता खुलेगा। योजना के तहत इच्छुक किसान अपनी जमीन सरकार को देने के लिए ई-भूमि पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। जमीन देने वाले पात्र किसानों को योजना के तहत बदले में विकसित प्लॉट उपलब्ध कराने का प्रावधान है। सरकार की इस योजना का उद्देश्य फरीदाबाद में बढ़ती आबादी और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए सुनियोजित शहरी विस्तार करना है। नए सेक्टर विकसित होने से आवास, सड़क, परिवहन और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की संभावना है। किसानों के लिए यह योजना जमीन के बदले विकसित भूखंड प्राप्त करने का अवसर भी प्रदान करेगी।

पानीपत में खुले गड्ढे में गिरा बाइक सवार जेई निलंबित

एजेंसी, नई दिल्ली। नगर निगम के वार्ड-3 में करीब 12 महीने से खुले पड़े गड्ढे में बाइक सवार के गिरने के बाद अधिकारियों पर कार्रवाई हुई है। नगर निगम कमिश्नर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित जेई को निलंबित कर दिया है, जबकि एसडीओ और एक्सईएन को चार्जशीट किया गया है। बताया गया कि देवी मंदिर से भावना चौक और बरसत रोड पर परशुराम कॉलोनी तक विकास नगर क्षेत्र में विकास कार्य लंबे समय से अधर में लटका हुआ था। सड़क पर खुदाई के बाद गड्ढे को सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए थे। करीब एक साल तक समस्या बनी रहने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। इसी दौरान एक बाइक सवार खुले गड्ढे में गिरकर हादसे का शिकार हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद नगर निगम प्रशासन ने कार्रवाई की। कमिश्नर के निर्देशों के बावजूद मौके पर सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने को लापरवाही माना गया।

पलवल की नई जिला अधीक्षक बनीं आईपीएस मेधा भूषण

एजेंसी, नई दिल्ली। जिले के जिला अधीक्षक नीतीश अग्रवाल का बृहस्पतिवार देर रात गुरुग्राम तबादला कर दिया गया। उन्हें गुरुग्राम में डीसीपी क्राइम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। करीब पांच महीने तक पलवल में सेवाएं देने के बाद अब उनके स्थान पर 2019 बैच की आईपीएस अधिकारी मेधा भूषण को पलवल का नया जिला अधीक्षक नियुक्त किया गया है। मेधा भूषण के सामने जिले में अपराध पर अंकुश लगाने के साथ कानून-व्यवस्था मजबूत करने की बड़ी चुनौती होगी। पलवल राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ा महत्वपूर्ण जिला है, इसलिए हाईवे पर यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। इसके अलावा जिले में पुलिसिंग व्यवस्था में सुधार, अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाना भी नई जिला अधीक्षक के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी।

प्रतिबंधित नशीली दवाओं का सप्लायर गिरफ्तार, दो दिन की रिमांड

एजेंसी, नई दिल्ली। कोसली क्राइम ब्रांच की टीम ने प्रतिबंधित नशीली दवाओं की सप्लाई के मामले में एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान महेंद्रगढ़ जिले के गांव नांगल हरनाथ निवासी प्रवीन के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे अदालत में पेश किया, जहां से दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में एक आरोपित विक्रम को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच के दौरान सामने आया कि प्रवीन कथित तौर पर विक्रम को प्रतिबंधित नशीली दवाओं की सप्लाई करता था। इसके आधार पर क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए प्रवीन को गिरफ्तार किया।

यमुना एक्सप्रेसवे पर 17 सितंबर से स्थानीय लोगों को टोल में राहत, पंजीकरण जरूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल प्लाजा पर स्थानीय पात्र वाहन मालिकों को 17 सितंबर से टोल शुल्क में राहत मिलने जा रही है। करीब 14 वर्षों से चली आ रही स्थानीय लोगों की मांग अब पूरी होने के बाद उन्हें एक्सप्रेसवे पर टोल छूट का लाभ मिल सकेगा। हालांकि, इस सुविधा का लाभ लेने के लिए वाहन का निर्धारित प्रक्रिया के तहत पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। टोल छूट व्यवस्था में शामिल होने के लिए स्थानीय वाहन मालिकों को संबंधित प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

आवेदन के दौरान आवश्यक दस्तावेज जमा कराने होंगे। इसके बाद वाहन और दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही पात्र वाहन को टोल शुल्क में छूट की व्यवस्था में शामिल किया जाएगा। स्थानीय लोगों के लिए यह सुविधा लंबे समय से चली आ रही मांग के पूरा होने के रूप में देखी जा रही है। यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल प्लाजा से नियमित रूप से आने-जाने वाले पात्र स्थानीय वाहन मालिकों को इससे आर्थिक राहत मिलेगी।

हालांकि, केवल स्थानीय निवासी होने के आधार पर स्वतः टोल छूट नहीं मिलेगी। सुविधा प्राप्त करने के लिए वाहन का पंजीकरण और जरूरी दस्तावेजों का सत्यापन कराना आवश्यक रहेगा। प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की ओर से स्थानीय वाहन मालिकों से अपील की गई है कि वे समय रहते निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपना पंजीकरण करा लें, ताकि 17 सितंबर से शुरू होने वाली टोल छूट सुविधा का लाभ लेने में किसी तरह की परेशानी न हो।

इस फैसले से जेवर और आसपास के क्षेत्रों के उन लोगों को विशेष राहत मिलने की उम्मीद है, जिन्हें रोजाना अपने निजी वाहनों से यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते आवागमन करना पड़ता है। लंबे समय से स्थानीय लोगों की ओर से टोल शुल्क को लेकर राहत की मांग उठाई जा रही थी।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में जुड़े 14 नए ट्रेड, युवाओं को मिलेगा रोजगार

एजेंसी, नई दिल्ली

बेरोजगार युवाओं के लिए अच्छी खबर है। युवाओं को हुनरमंद बनाकर रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना 2.0 का शुभारंभ किया गया है। योजना के दूसरे चरण में पहले से संचालित 11 परंपरागत ट्रेड के साथ 14 नए ट्रेड जोड़े गए हैं। इससे युवाओं को आधुनिक और बाजार की मांग के अनुरूप कौशल सीखने का अवसर मिलेगा। योजना के तहत चयनित युवाओं को संबंधित ट्रेड में 10 दिनों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें काम की बारीकियां, तकनीकी जानकारी और व्यवसाय को बेहतर तरीके से संचालित करने के तरीके सिखाए जाएंगे। इसका उद्देश्य युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार के साथ स्वरोजगार के लिए भी तैयार करना है। उद्योग विभाग की ओर से संचालित इस योजना में युवाओं की रुचि और क्षमता के अनुसार ट्रेड का चयन किया जाएगा।

आगरा कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ दिल्ली पहुंची, जल्द होगा अंतिम फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली

आगरा कांग्रेस में जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पद को लेकर चल रही कवायद अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। दोनों पदों के दावेदारों की रिपोर्ट दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय पहुंच चुकी है। संगठन सृजन अभियान की राष्ट्रीय ऑब्जर्वर और भरतपुर सांसद संजना जाटव ने आगरा संगठन को लेकर अपनी रिपोर्ट अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को सौंप दी है। माना जा रहा है कि हाईकमान एक सप्ताह के भीतर दोनों पदों पर अंतिम नामों की घोषणा कर सकता है। संजना जाटव ने आगरा में करीब एक सप्ताह रहकर संगठन की स्थिति का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के पुराने, वरिष्ठ और सक्रिय नेताओं से मुलाकात कर मजबूत संगठन को लेकर चर्चा की। उन्होंने जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पद के लिए उपयुक्त दावेदारों के संबंध में नेताओं और कार्यकर्ताओं से रायशुमारी भी की। जानकारी के अनुसार, जिलाध्यक्ष पद के लिए कुल 25 लोगों ने आवेदन किया था, जबकि महानगर अध्यक्ष पद के लिए 30 दावेदारों ने अपनी दावेदारी पेश की थी।

पार्टी स्तर पर इन आवेदनों में से दोनों पदों के लिए छह-छह नाम शॉर्टलिस्ट किए गए हैं। अब इन्हीं नामों में से हाईकमान अंतिम चयन करेगा। रिपोर्ट तैयार करने के बाद संजना जाटव दिल्ली पहुंचीं और कांग्रेस मुख्यालय में संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल तथा प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम को आगरा संगठन से जुड़ी अपनी रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में स्थानीय संगठन की स्थिति, नेताओं की सक्रियता और अध्यक्ष पद के लिए दावेदारों से संबंधित फीडबैक शामिल बताया जा रहा है। कांग्रेस के लिए आगरा में जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष का चयन काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जेन-जी आंदोलन के बाद पहली बार छात्रों के बीच प्रधानमंत्री मोदी

दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों से प्रधानमंत्री मोदी का सीधा संवाद

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार, 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री यहां कॉलेज के शताब्दी समारोह में शामिल होंगे और शाम सात बजे आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इस दौरान छात्रों और युवाओं के साथ उनका सीधा संवाद भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण माना जा रहा है। वर्ष 1926 में स्थापित एसआरसीसी इस साल अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। कॉलेज की स्थापना प्रसिद्ध उद्योगपति और समाजसेवी सर श्री राम ने की थी।

एक सदी के दौरान संस्थान ने वाणिज्य, अर्थशास्त्र और प्रबंधन के क्षेत्र में देश को बड़ी संख्या में विद्यार्थी, पेशेवर, प्रशासक, उद्यमी, नीति-निर्माता और अन्य क्षेत्रों के नेतृत्वकर्ता दिए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी एसआरसीसी को भारत के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल बताते हुए उसके शताब्दी वर्ष को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। प्रधानमंत्री का यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि वह लंबे अंतराल के बाद एसआरसीसी लौट रहे हैं। इससे पहले 2013 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने कॉलेज का दौरा किया था। अब 13 वर्ष बाद प्रधानमंत्री के रूप में उनकी वापसी हो रही है। कॉलेज के शताब्दी वर्ष में उनका पहुंचना संस्थान और दिल्ली विश्वविद्यालय दोनों के लिए ऐतिहासिक अवसर माना जा रहा है। इस कार्यक्रम का राजनीतिक और सामाजिक महत्व भी चर्चा में है। हाल के महीनों में युवाओं और छात्रों से जुड़े कई मुद्दों को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में असंतोष तथा विरोध देखने को मिला है।

शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार और युवाओं की आकांक्षाओं से जुड़े सवालों ने युवा वर्ग की राजनीतिक भूमिका को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है। ऐसे माहौल में प्रधानमंत्री का सीधे कॉलेज छात्रों के बीच पहुंचना नई पीढ़ी से संवाद बढ़ाने की कोशिश

श्रीराम कॉलेज में छात्रों से संवाद करेंगे मोदी

के रूप में देखा जा रहा है।

विशेष रूप से जेन-जी यानी नई युवा पीढ़ी के साथ संवाद को लेकर इस दौरे पर नजरें टिकी हैं। राजनीतिक दलों के लिए पहली बार मतदान करने वाले और युवा मतदाता लगातार महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय परिसरों में प्रत्यक्ष संवाद, युवाओं की समस्याओं को सुनना और उनके भविष्य से जुड़े विषयों पर चर्चा राजनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा बनता जा रहा है। शिक्षक दिवस के साथ शताब्दी समारोह का संयोग कार्यक्रम को और खास बनाता है।

भारत में 5 सितंबर को पूर्व राष्ट्रपति, दार्शनिक और शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इस दिन प्रधानमंत्री का देश के प्रमुख शिक्षण संस्थान में विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित करना शिक्षा और युवा शक्ति के महत्व का संदेश भी देगा।

प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर एसआरसीसी परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। छात्रों में भी कार्यक्रम को लेकर उत्सुकता है और बड़ी संख्या में विद्यार्थी प्रधानमंत्री को सुनने तथा उनसे संवाद करने का अवसर चाहते हैं। कार्यक्रम में युवाओं से जुड़े मुद्दों और शिक्षा व्यवस्था पर भी चर्चा होने की संभावना है।

पोल्ट्री फार्म के लिए 70 लाख तक का ऋण, आवेदन शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

पशुपालन विभाग की कुक्कुट विकास नीति के तहत पोल्ट्री लेयर फार्म खोलने के इच्छुक लोगों के लिए स्वरोजगार का अवसर उपलब्ध कराया गया है। योजना के अंतर्गत पात्र आवेदकों को पोल्ट्री लेयर फार्म स्थापित करने के लिए बैंक के माध्यम से अधिकतम 70 लाख रुपये तक का ऋण दिलाया जाएगा। इस योजना की खास बात यह है कि नियमानुसार फार्म का संचालन करने वाले लाभार्थियों को ऋण पर लगने वाले ब्याज में सरकार की ओर से राहत दी जाएगी। सरकार पांच वर्षों तक सात प्रतिशत की दर से ब्याज की प्रतिपूर्ति करेगी। इससे पोल्ट्री व्यवसाय शुरू करने वाले लोगों पर आर्थिक बोझ कम होगा और उन्हें अपना रोजगार स्थापित करने में मदद मिलेगी। पशुपालन विभाग ने इच्छुक लोगों से योजना का लाभ उठाने के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है। आवेदन प्रक्रिया विभागीय माध्यम से पूरी की जा सकती है। योजना का उद्देश्य जिले में कुक्कुट पालन को बढ़ावा देना, नए रोजगार के अवसर पैदा करना और लोगों को स्वरोजगार से जोड़ना है।

न्यूज ब्रीफ

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को किया सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जमानाबाद में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षा संवाद एवं मेगा पीटीएम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा सभी अध्यापकों को सम्मानित करने के साथ हुई। इसके बाद स्कूल के परीक्षा हॉल में मेगा पीटीएम सभा आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों के अभिभावकों को छह माह की शैक्षणिक गतिविधियों और प्रदर्शन से संबंधित रिपोर्ट कार्ड की जानकारी दी गई। प्रधानाचार्या एकता गौतम ने अभिभावकों को उनके बच्चों की शैक्षणिक प्रगति एवं अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल प्रबंधन समिति के प्रभारी प्रवक्ता विजय शर्मा की देखरेख में किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया तथा सड़क सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए गए। स्कूल की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई और एंटी ड्रग क्लब ने भी कार्यक्रम में सहयोग दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को करियर संबंधी मार्गदर्शन और काउंसलिंग की जानकारी भी दी गई। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ उन्हें सुरक्षित और बेहतर भविष्य के लिए जागरूक करना रहा।

प्रताप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने 20 वर्षों की उत्कृष्टता के साथ मनाया शिक्षक दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। प्रताप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने शिक्षक दिवस के अवसर पर जालसा बाय यूनाइट, पठानकोट में भव्य समारोह आयोजित किया। समारोह में प्रताप वर्ल्ड स्कूल पठानकोट, पीडब्ल्यूएस अर्ली इयर्स जोधामल कॉलोनी तथा मोशन पठानकोट के 200 से अधिक शिक्षक एवं फैकल्टी सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को आकार देने में शिक्षकों के समर्पण, प्रतिबद्धता और योगदान के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त करना रहा। इस दौरान फैकल्टी सदस्यों ने नियमित जिम्मेदारियों से अलग हटकर आपसी मेलजोल और सौहार्द के साथ उत्सव का आनंद लिया। समारोह में समूह गान, समूह नृत्य, एकल गायन और रैंप वॉक सहित विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गईं। फैकल्टी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रस्तुतियों के दौरान सहकर्मियों ने तालियों के साथ प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। विभिन्न संस्थानों से आए शिक्षकों ने समूह में एकता और टीम भावना को भी प्रदर्शित किया। प्रताप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक सनी महाजन ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे बड़ी ताकत उसके शिक्षक होते हैं। शिक्षकों की मेहनत और प्रतिबद्धता विद्यार्थियों को बड़े सपने देखने और उन्हें हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। समारोह हंसी-खुशी, प्रतिभा, एकजुटता और सम्मान के यादगार पलों के साथ संपन्न हुआ। आयोजन ने भविष्य निर्माण में शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान के प्रति सम्मान की भावना को मजबूती प्रदान की।

शिक्षक दिवस पर 55 उत्कृष्ट शिक्षक सम्मानित

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ, हिमाचल प्रदेश ने घुमारवीं के एम4यू होटल में राज्य स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह-2026 आयोजित किया। समारोह में प्रदेशभर से 800 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। चंबा से सिरमौर और लाहौल-स्पीति से किन्नौर तक विभिन्न जिलों से चयनित 55 उत्कृष्ट शिक्षकों को शॉल, सम्मान-पत्र और स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। राज्यसभा सांसद एवं हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) सिकंदर कुमार समारोह के मुख्य अतिथि रहे। डॉ. मल्लिका नड्डा और भाजपा संगठन महामंत्री सिद्धार्थन विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक पुरुषोत्तम शर्मा ने की। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। प्रो. सिकंदर कुमार ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल शिक्षा देने के साथ ही व्यक्तित्व, संस्कार और चरित्र का निर्माण करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। डॉ. मल्लिका नड्डा ने समावेशी शिक्षा और दिव्यांग बच्चों के सशक्तिकरण में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर शिक्षक प्रकोष्ठ की प्रदेश स्तरीय बैठक भी हुई, जिसमें आगामी कार्ययोजना और संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की गई। समारोह में विधायक जीत राम कटवाल, त्रिलोक जमवाल, पूर्व मंत्री राजेंद्र गर्ग, पद्मश्री हरिमन शर्मा सहित भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, शिक्षाविद और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान समाज और राष्ट्र के भविष्य का सम्मान है।

दिशा बैठक में सांसद निधि खर्च न होने पर अधिकारियों पर बरसीं कंगना रनौत

5.5 करोड़ में सिर्फ 50-60 लाख खर्च

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी की सांसद कंगना रनौत की अध्यक्षता में हुई जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में सांसद निधि खर्च न होने का मुद्दा गरमा गया। कंगना रनौत ने अधिकारियों से सवाल किया कि केंद्र से राशि जारी होने के बाद भी विकास कार्य जमीन पर क्यों नहीं उतर रहे हैं। उन्होंने कहा कि योजनाएं केवल कागजों में नहीं रहनी चाहिएं और पिछली बैठकों में लिए गए फैसलों पर समय पर काम होना चाहिए।

कंगना ने बैठक में कहा कि उन्होंने अपने पूरे संसदीय क्षेत्र के लिए करीब 11 करोड़ रुपए की सांसद निधि जारी की है। मंडी जिले के लिए करीब 5.5 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई, मगर इसमें से केवल 50-60 लाख रुपएही खर्च हो पाए हैं। सांसद ने अधिकारियों से राशि खर्च नहीं होने का कारण पूछा और कहा कि इस स्थिति के चलते उन्हें वित्त मंत्रालय में जवाब देना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक सांसद का काम सांसद निधि के जरिए विकास कार्यों के लिए पैसा उपलब्ध कराना है। इसके बाद संबंधित विभागों की जिम्मेदारी काम को आगे बढ़ाने की है। उन्होंने अधिकारियों से काम में तेजी लाने को कहा। कंगना ने अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें लगा कि शायद अधिकारी सोचते हैं, 'हीरोइन है, हमारा क्या कर लेगी।' उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश के अधिकारियों की कार्यप्रणाली की आलोचना नहीं करना चाहतीं, क्योंकि इससे देशभर में हिमाचल के अधिकारियों की छवि प्रभावित होगी। सांसद ने कहा कि करीब दो महीने पहले हुई बैठक में एमपी लैड के कामों को लेकर अधिकारियों ने उन्हें बताया था कि काम हो चुका है। बाद में स्वतंत्र एजेंसी से सर्वे कराया गया तो स्थिति अलग मिली। उन्होंने कहा कि उन्हें इस संबंध में मंत्रालय को कई पत्र भेजने पड़े और वह तथा उनके निजी सहायक हर दिन मंत्रालय में बैठते रहे।

बैठकें कागजी औपचारिकता न बनें, जमीन पर दिखे विकास का असर: कंगना

कंगना ने बैठक में यह भी कहा कि मुझे आपका ऑफिस एक-एक दिन के लिए मिले, तो मैं एक दिन में ये काम करके दिखाऊंगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बैठकों को केवल कागजी औपचारिकता न बनाया जाए। केंद्र से राशि मिलने के बाद भू-अधिग्रहण, जरूरी अनुमतियों और एनओसी के कारण अटके कार्यों की अलग-अलग सूची तैयार की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि हर लंबित कार्य के लिए समयबद्ध एक्शन प्लान बनाया जाए। इससे यह स्पष्ट होना चाहिए कि कौन सा काम किस स्तर पर अटका है और उसे पूरा करने की जिम्मेदारी किसकी है। कंगना ने कहा कि योजनाओं को कागजों से निकालकर जमीन पर उतारना जरूरी है। बैठक में बल्ह के विधायक इंद्र सिंह गांधी, द्रंग के विधायक पूर्ण ठाकुर, सरकाघाट के विधायक दलीप ठाकुर, उपायुक्त अपूर्व देवगन, एसपी मंडी विनोद कुमार, नगर निगम की मेयर सुमन ठाकुर और कमिश्नर डॉ. मदन कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

शाहपुर में दर्दनाक सड़क हादसा, खाई में गिरी बाइक, तीन युवकों की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। कांगड़ा जिला के शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में बीती देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। यह हादसा भलेड़ पावर हाउस के समीप देर रात उस समय हुआ, जब मोटर साइकिल के खाई में जा गिरी। मृतकों की पहचान अशोक कुमार, प्रिंस तथा पवन कुमार के रूप में हुई है जोकि दरीणी पंचायत के झुनेना गांव के रहने वाले हैं।

पुलिस ने घटनास्थल का दौरा कर मृतकों के शव खाई से बाहर निकाले और पोस्टमार्टम के लिए धर्मशाला अस्पताल भेज दिया गया। उधर इस दुखद हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, हादसे की सूचना मिलते ही उप मुख्य सचेतक व शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया सिविल अस्पताल शाहपुर पहुंचे और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए इस कठिन समय में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। विधायक ने तीनों मृतकों के पोस्टमार्टम के संबंध में धर्मशाला में मुख्य चिकित्सा अधिकारी से दूरभाष पर बातचीत की तथा शवों को धर्मशाला ले जाने के लिए आवश्यक व्यवस्था भी सुनिश्चित करवाई। इस दौरान नगर पंचायत शाहपुर के उपाध्यक्ष राजीव पटियाल, पार्षद अभिषेक माथुर, पूर्व पार्षद शुभम ठाकुर सहित अन्य स्थानीय लोग भी सिविल अस्पताल शाहपुर पहुंचे और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। विधायक केवल सिंह पठानिया ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने तथा शोकाकुल परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

संघर्ष को अपनाएं, विकसित भारत निर्माण में भूमिका निभाएं : अनुराग

कहा- दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, जीवन की नई चुनौतियों की शुरुआत

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ और आइडिलिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के संयुक्त दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने एक ही परिसर में कानून और प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों की शिक्षा को एक अनूठा शैक्षणिक वातावरण बताया। उन्होंने कहा कि यह विचारों के आदान-प्रदान और विभिन्न क्षेत्रों के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनकी मेहनत और उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं है, बल्कि जीवन की नई चुनौतियों की शुरुआत भी है। अब कक्षाओं में प्राप्त ज्ञान का उपयोग विद्यार्थियों को अदालतों, कॉरपोरेट जगत और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में करना होगा। अनुराग ने युवाओं से संघर्ष को जीवन का हिस्सा मानकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, अटल बिहारी वाजपेयी और इसरो के वैज्ञानिकों के संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि महान उपलब्धियां कठिन परिस्थितियों का सामना करके ही प्राप्त होती हैं। उन्होंने युवाओं को अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने और चुनौतियों को अवसर में बदलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि युवा केवल पारिवारिक व्यवसाय, सिफारिश या किसी दूसरे की पहचान पर निर्भर न रहें, बल्कि अपनी मेहनत, प्रतिभा और ईमानदारी से अपनी स्वतंत्र पहचान और अपना ब्रांड बनाएं। उन्होंने इंदौर के एक स्व-प्रशिक्षित प्रोडक्ट डिजाइनर से लेकर भारत का पहला निजी रूप से निर्मित ऑर्बिटल रॉकेट विकसित करने वाले युवा नवप्रवर्तकों के उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों से नैतिक जोखिम उठाने वाले, नवाचार को अपनाने वाले और रोजगार सृजित करने वाले युवा बनने का आह्वान किया। अनुराग ने कहा कि आने वाले 21 वर्ष देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और आज के युवाओं पर विकसित भारत के निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में देश के युवा सबसे बड़ी भूमिका निभाएंगे।

ग्रामीण युवाओं के लिए तीन माह का कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जाइका के अंतर्गत खंड परियोजना प्रबंधन इकाई बिलासपुर द्वारा ग्रामीण युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तीन माह का कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है।

यह जानकारी खंड परियोजना प्रबंधक बिलासपुर पवन ने दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम सितंबर, 2026 से प्रारंभ हुआ है। इसके लिए उठाऊ सिंचाई योजना भड़ोली, उठाऊ सिंचाई योजना जुखाला तथा उठाऊ सिंचाई योजना ढाडस से कुल 15 ग्रामीण युवाओं का चयन किया गया है। इनमें 9 छात्राएं और 6 छात्र शामिल हैं। प्रशिक्षण का संचालन शिवम इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल ट्रेनिंग , जुखाला में किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कंप्यूटर एवं डिजिटल तकनीक से संबंधित व्यावहारिक तथा रोजगारपरक कौशल प्रदान किए जाएंगे, ताकि वे वर्तमान समय की तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें और रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसरों का लाभ उठा सकें। तीन माह की प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रत्येक प्रतिभागी को 3,000 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड भी प्रदान किया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाना है, ताकि वे बिना किसी अतिरिक्त आर्थिक दबाव के प्रशिक्षण पूरा कर सकें। परियोजना का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को आधुनिक कंप्यूटर एवं डिजिटल कौशल से दक्ष बनाकर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना तथा उनके परिवारों की आय में वृद्धि के लिए अतिरिक्त अवसर उपलब्ध करवाना है।

अर्की में कल बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। बिजली उपमंडल भूमती के अंतर्गत 7 सितंबर 2026 को बिजली रखरखाव कार्य के चलते विभिन्न क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत उपमंडल के सहायक अभियंता ई. आकाश गुप्ता ने बताया कि अनुभाग बलेरा के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों में 11 केवी डुमैहर फीडर के रखरखाव के लिए सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। वहीं, अनुभाग जयनगर के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों में सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रखी जाएगी।

सहायक अभियंता ने क्षेत्रवासियों से विद्युत विभाग के रखरखाव कार्य में सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित शटडाउन मौसम की स्थिति पर निर्भर करेगा और प्रतिकूल मौसम में समय में बदलाव संभव है।

महाराणा प्रताप इंटरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, धर्मगिरी पठियार में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान को रेखांकित करना तथा उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना व्यक्त करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में भाषण, कविताएं, गीत, नृत्य और अन्य मनोरंजक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों ने शिक्षकों के प्रति प्रेम और आभार व्यक्त करते हुए उन्हें शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों ने शिक्षकों के लिए विशेष गतिविधियों का आयोजन भी किया। इस अवसर पर विद्यालय के एमडी कुलदीप ठाकुर, मैनेजर पीएस राणा एवं प्रधानाचार्या पूजा महाजन ने सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शिक्षकों की मेहनत, समर्पण और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उनके योगदान की सराहना की। शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों का आभार जताते हुए कहा कि बच्चों की सफलता और उनके चेहरे की मुस्कान ही शिक्षक के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम में गुरु-शिष्य के बीच प्रेम और सम्मान का भाव देखने को मिला। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी शिक्षकों के समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया।

'विकसित भारत क्विज' में युवा बढ़-चढ़कर लें भाग

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने और उनमें नेतृत्व, नवाचार एवं रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'विकसित भारत क्विज' का आयोजन किया जा रहा है। यह क्विज मेरा युवा भारत पोर्टल पर उपलब्ध है और 22 भाषाओं में आयोजित की जा रही है। जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, हमीरपुर दीपमाला ने 15 से 29 वर्ष की आयु के पात्र युवाओं से इसमें अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की है। क्विज में सामान्य ज्ञान, भारतीय विरासत, उपलब्धियों, विकास यात्रा तथा विकसित भारत-2047 के विभिन्न आयामों से जुड़े प्रश्न शामिल होंगे। 'विकसित भारत चैलेंज ट्रैक' के तहत क्विज का पहला चरण 17 अगस्त से 30 सितंबर तक चलेगा। इसके बाद निबंध प्रतियोगिता, जिला चैंपियनशिप, राज्य स्तरीय लीडर्स डायलॉग और राष्ट्रीय संवाद आयोजित होगा। राष्ट्रीय स्तर पर चयनित युवाओं को प्रधानमंत्री के समक्ष अपने विचार, विजन एवं सुझाव प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने युवाओं से इस पहल में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

डुमैहर में अंडर-14 खेलकूद प्रतियोगिता का समापन, एसवीएन ने जीता कबड्डी का खिताब

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की के डुमैहर में आयोजित तीन दिवसीय अंडर-14 स्कूली छात्र वर्ग की खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं शनिवार को संपन्न हुईं। प्रतियोगिता में अर्की ब्लॉक के 25 स्कूलों के 229 खिलाड़ियों ने कबड्डी, खो-खो, वॉलीबाल और बैडमिंटन प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में हिमाचल प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, शिमला के प्रबंध निदेशक भूपेंद्र अत्री ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। विद्यालय परिवार एवं आयोजन समिति ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद विद्यार्थियों ने वंदे मातरम् प्रस्तुत किया और विभिन्न टीमों ने मार्च पास्ट करते हुए मुख्यातिथि को सलामी दी।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन कबड्डी का फाइनल मुकाबला एसवीएन कुनिहार और अर्की विद्यालय के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में एसवीएन कुनिहार ने अर्की विद्यालय को 40-34 से पराजित कर कबड्डी का खिताब अपने नाम किया। बैडमिंटन के फाइनल मुकाबले में बातल ने भूमती को हराकर विजेता का खिताब हासिल किया। मार्च पास्ट में मेजबान डुमैहर विद्यालय ने प्रथम तथा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भूमती ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मुख्यातिथि भूपेंद्र अत्री ने विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को खेलों के साथ पढ़ाई में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ उनमें अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने एआई के बढ़ते दौर में मोबाइल और तकनीक का संतुलित एवं सकारात्मक उपयोग करने तथा पढ़ाई और खेलों में बेहतर तालमेल बनाने की सलाह दी। प्रधानाचार्य अरुण कुमार ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए मुख्यातिथि, आयोजन समिति, शिक्षकों, खिलाड़ियों एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

डीसी राहुल कुमार ने फोर लेन पर फूड वैन का किया शुभारंभ

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता से जोड़ने तथा उनकी आजीविका के साधनों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विकास खंड सदर कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने चंडीगढ़-मनाली फोरलेन पर स्थित श्याम लगन होमस्टे के प्रांगण में फूड वैन का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त रुपिंदर कौर, एसडीएम सदर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। फूड वैन के माध्यम से लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह बहना जट्टां तथा नैना स्वयं सहायता समूह , ग्राम पंचायत नौणी सदर से जुड़ी महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण एवं खाद्य पदार्थों की बिक्री के क्षेत्र में व्यावसायिक अवसर उपलब्ध होंगे। फूड वैन का संचालन श्याम लगन होमस्टे के प्रांगण से ही किया जाएगा। इसके माध्यम से स्थानीय स्तर पर तैयार किए जाने वाले खाद्य पदार्थों को बाजार उपलब्ध करवाने के साथ-साथ महिलाओं की आय बढ़ाने और उनके उद्यम को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संगठित कर उन्हें आजीविका के स्थायी एवं बेहतर अवसर उपलब्ध करवाना तथा आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। राहुल कुमार कहा कि इस प्रकार की ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाने, उनके कौशल का बेहतर उपयोग करने तथा स्थानीय उत्पादों को बाजार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

आपसी रंजिश में भाई ने ही फूंका परिवार का ट्रक-कैंटर, आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जामली में ट्रक-कैंटर आगजनी का मामला सुलझा, आरोपी गिरफ्तार बिलासपुर, 5 सितंबर। सदर थाना क्षेत्र के जामली मुख्य बाजार में खड़े ट्रक-कैंटर को आग लगाने के मामले को पुलिस ने सुलझाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान बलबंत सिंह पुत्र रामजी दास, निवासी जामली, तहसील सदर, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आगजनी की घटना को लेकर 4 सितंबर 2026 को थाना सदर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 326 के तहत प्राथमिकी संख्या 226/2026 दर्ज की गई थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच करते हुए आरोपी को दबोचा। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि बलबंत सिंह का अपने भाई के साथ विवाद चल रहा था। परिवार ने वाहन उसके भाई को चलाने के लिए दिया था, जिससे नाराज होकर आरोपी ने रंजिश में परिवार के वाहन में आग लगा दी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच जारी है।

घूरकड़ी में वर्षों से अधूरा पड़ा रास्ता

बरसात में पैदल चलना मुश्किल, स्ट्रीट लाइटों के अभाव में अंधेरे में गुजर रहे लोग

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा के समीपवर्ती गांव घूरकड़ी में वार्ड नंबर 1 का रास्ता पिछले कई वर्षों से अधूरा पड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार, वर्षों पुराने इस रास्ते पर फ्लोरिंग टाइलें बिछाने का कार्य शुरू किया गया था, लेकिन काम आधा होने के बाद इसे रोक दिया गया। इसके चलते स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बरसात के मौसम में स्थिति और भी खराब हो जाती है। मार्ग पर कीचड़ और फिसलन के कारण वाहनों की आवाजाही तो दूर, पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में विभिन्न समुदायों के लोग रहते हैं और उनके घरों में लोगों का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन खराब रास्ते के कारण उन्हें काफी दिक्कत होती है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में सत्ता परिवर्तन के बाद भी क्षेत्र की समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। उनका आरोप है कि गांव के इस हिस्से में अभी तक स्ट्रीट लाइटें भी नहीं लगाई गई हैं, जिसके कारण लोगों को रात के समय अंधेरे में आवाजाही करनी पड़ती है। कुछ ग्रामीणों ने कहा कि पिछली पंचायत लोगों की समस्याएं सुनती थी, जबकि वर्तमान पंचायत में उनकी शिकायतों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है।

अधूरे रास्ते का जल्द पूरा होगा निर्माण: प्रधान

इस संबंध में घूरकड़ी पंचायत के प्रधान उमेश दीक्षित ने कहा कि रास्ते के संबंध में लिखित प्रक्रिया पूरी कर दी गई है और जल्द ही अधूरे पड़े रास्ते का कार्य पूरा करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद आवश्यकता के अनुसार स्ट्रीट लाइटें भी लगाई जाएंगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि घूरकड़ी पंचायत ग्रामीणों के साथ खड़ी है और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

अक्तूबर में सजेगा शिक्षा महाकुंभ देशभर से जुटेंगे शिक्षाविद व विशेषज्ञ

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय ज्ञान, विज्ञान और संस्कृति के समन्वय का महामंच कहे जाने वाले शिक्षा महाकुंभ के छठे संस्करण का आयोजन 9 से 11 अक्तूबर तक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर में होगा। शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में संस्थान के निदेशक प्रो. एचएम सूर्यवंशी सहित आयोजकों ने इसकी जानकारी दी।

इस वर्ष महाकुंभ का मुख्य विषय 'शिक्षा, प्रगति और प्रकृति' रखा गया है। आयोजन का उद्देश्य शिक्षा को भारतीय ज्ञान परंपरा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ते हुए शोध, नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। तीन दिवसीय आयोजन में 16 बहुविषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियां और आठ राष्ट्रीय परिसंवाद होंगे। इनमें नवाचार, कुलपति, वैज्ञानिक और नव उद्यम परिसंवाद प्रमुख हैं। आयोजकों के अनुसार विज्ञान एवं तकनीक, स्वास्थ्य, पर्यावरण, भारतीय ज्ञान परंपरा, उद्यमिता, सुरक्षा और शिक्षा जैसे विषयों पर देश-विदेश के विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। कक्षा नौ से बारह तक के विद्यार्थियों के लिए 'शोधांकुर' छात्र शोध पत्रिका, तेजस ज्ञान प्रतियोगिता, छात्र परियोजना प्रदर्शनी तथा शिक्षक-छात्र उत्कृष्टता सम्मान भी आयोजित किए जाएंगे। अब तक 223 शोध पत्र प्राप्त हो चुके हैं। पहले दिन का विषय 'आध्यात्मिक भारत से विकसित भारत', दूसरे दिन 'विज्ञानमय भारत से विकसित भारत' और तीसरे दिन 'सुरक्षित भारत से विकसित भारत' रहेगा। उद्घाटन पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया करेंगे, जबकि तीसरे दिन हिमाचल के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता मुख्यातिथि होंगे। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर सहित कई जनप्रतिनिधि एवं विशेषज्ञ भी भाग लेंगे। आयोजकों ने शिक्षकों, विद्यार्थियों और शोधार्थियों से महाकुंभ में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

न्यूज ब्रीफ

'मेरे शब्द, मेरी कहानी' पठन अभियान को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। समग्र शिक्षा व रूम टू रीड के सहयोग से संचालित 'मेरे शब्द, मेरी कहानी' पठन अभियान के तहत जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान मंडी में एकदिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन के प्रशिक्षुओं को अभियान के उद्देश्यों, गतिविधियों तथा बच्चों में पठन संस्कृति विकसित करने के महत्व से अवगत करवाना रहा। जिला उप परियोजना अधिकारी सह जिला कार्यक्रम अधिकारी मीना राठौर तथा डाइट प्रधानाचार्य राजेश शर्मा ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने और विद्यालयों में आनंदमय पठन वातावरण तैयार करने के लिए प्रेरित किया। जिला पुस्तकालय समन्वयक मीना ठाकुर ने अभियान की विस्तृत जानकारी देते हुए पठन गतिविधियों, सृजन आधारित साक्षरता तथा रीडिंग कॉर्नर के बारे में बताया। कार्यक्रम में संजय चंदेल, समग्र शिक्षा के समन्वयक तथा डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन प्रभारी अंजली ठाकुर भी उपस्थित रहे। अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां 8 सितंबर तक आयोजित होंगी।

हिमाचल अकैडमिक स्कूल में मनाया शिक्षक दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। हिमाचल अकैडमिक स्कूल में शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित भूपेंद्र गुप्ता ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। भारत में प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से अपने शिक्षकों के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। मुख्यातिथि भूपेंद्र गुप्ता ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व से अवगत करवाते हुए कहा कि शिक्षा व्यक्ति के उज्ज्वल भविष्य के साथ-साथ समाज के विकास की मजबूत नींव है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और अच्छे संस्कारों को जीवन में अपनाकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के एमडी रूप राम शर्मा ने मुख्यातिथि भूपेंद्र गुप्ता का विद्यालय में पधारने और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में शिक्षकों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं। समारोह ने गुरु-शिष्य के प्रेम, सम्मान और विश्वास को और प्रगाढ़ किया।

डीसीएम स्कूल में शिक्षकों व स्टाफ सदस्यों को नवाजा

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। डीसीएम लैंड ऑफ गॉड्स स्कूल में शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिसर में उत्साह और खुशी का माहौल बना रहा। विद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. संजय गुप्ता ने सभी शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक उन्हें किताबी ज्ञान देने के साथ-साथ बेहतर इंसान बनने और जीवन में सही दिशा चुनने के लिए भी प्रेरित करते हैं। उन्होंने विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों की मेहनत एवं सहयोग की सराहना की। शिक्षक दिवस के अवसर पर स्टाफ सदस्यों के लिए विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों ने इन गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम का आनंद लिया। डॉ. संजय गुप्ता ने कहा कि विद्यालय की प्रगति में प्रत्येक स्टाफ सदस्य का महत्वपूर्ण योगदान है। सभी के सहयोग और मेहनत से ही विद्यालय निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी सदस्यों से इसी भावना के साथ मिल-जुलकर कार्य करने का आह्वान किया। अंत में स्टाफ सदस्यों ने एक-दूसरे को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं और समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल मंझ्याट में हास्य नाटक और शानदार नृत्य ने लूटी महफिल

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। लक्ष्य कॉन्वेंट स्कूल मंझ्याट में शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य, नाटक सहित अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास की उपस्थित लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत हास्य नाटक रहा, जिसने सभी को खूब गुदगुदाया। वहीं, कक्षा नौवीं के छात्रों के शानदार नृत्य ने भी खूब तालियां बटोरीं। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन प्रेम लाल गुप्ता एवं प्रधानाचार्या कुसुम लता गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय के सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की मेहनत और शानदार प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता, टीम भावना और शिक्षकों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने समारोह को यादगार बना दिया।

शिक्षक दिवस पर 32 शिक्षकों को राज्य पुरस्कार, एक शिक्षक को राष्ट्रीय पुरस्कार से किया सम्मानित

शिक्षक छात्रों में चरित्र व आत्मविश्वास करते हैं विकसित : राज्यपाल

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर शिमला स्थित लोक भवन में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में 32 शिक्षकों को राज्य पुरस्कार प्रदान किए। इस मौके पर एक शिक्षक को वर्ष 2025 के राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने पुरस्कार पाने वाले सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी तीनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षकों को अपनी जिम्मेदारी को संवेदनशीलता के साथ निभाना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्यपुस्तकों का ज्ञान देना नहीं है। एक शिक्षक विद्यार्थियों में मूल्य, चरित्र और आत्मविश्वास विकसित करता है और उन्हें जीवन में सही दिशा देता है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश का भविष्य उसकी कक्षाओं में तैयार होता है और शिक्षक इस भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक दिवस के मौके पर राज्यपाल ने पूर्व राष्ट्रपति, शिक्षाविद और दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का जीवन शिक्षा के क्षेत्र में समर्पण और योगदान की प्रेरणा देता है। शिक्षक केवल विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण नहीं करते, वे राष्ट्र के भविष्य को भी दिशा देते हैं। कविंदर गुप्ता ने कहा कि विकसित

◆ **गुणवत्तापूर्ण और मूल्य आधारित शिक्षा से ही साकार होगा विकसित भारत-2047 का लक्ष्य : कविंद्र गुप्ता**

भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की सक्रिय और सार्थक भागीदारी जरूरी होगी। इसके लिए गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और मूल्य आधारित शिक्षा की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मजबूत और विकसित भारत की नींव के रूप में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राथमिकता दी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा अब केवल परीक्षा और डिग्री तक सीमित नहीं रह गई है। इसमें ज्ञान, कौशल, रचनात्मकता, नवाचार, शोध और चरित्र निर्माण पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम श्री स्कूल, निपुण भारत, समग्र शिक्षा, डिजिटल शिक्षा और अटल टिंकरिंग लैब जैसी योजनाओं से विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच और 21वीं सदी के जरूरी कौशल विकसित करने के अवसर मिल रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों की मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि शिक्षक के लिए सबसे बड़ा सम्मान यह है कि उसके विद्यार्थी उसे जीवनभर याद रखें और आगे चलकर अपने परिवार, समाज और देश के लिए सार्थक योगदान दें। उन्होंने प्रदेश के सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वे आने वाली पीढ़ियों के जीवन में ज्ञान और मूल्यों की रोशनी फैलाते रहेंगे। इस अवसर पर राज्यपाल ने समारोह के लिए तैयार किया गया स्मारिका का विमोचन भी किया।

शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने पर सरकार का जोर : रोहित

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने राज्यपाल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उनका जीवन और योगदान आज भी प्रेरणा देता है। रोहित ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और राज्य की साक्षरता दर 100 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में शिक्षा विभाग में 9,000 से अधिक नियुक्तियां की गई हैं। उन्होंने बताया कि कक्षा पहली से अंग्रेजी भाषा की शुरुआत की जा रही है और स्थानीय भाषाओं को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षकों और कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए विभाग में युक्तिकरण की प्रक्रिया अपनाई गई है।

वोल्वो बस में 12.10 ग्राम चिट्टे के साथ युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) मंडी की टीम ने बलोह लिंक रोड, मल्यावर के पास नाकाबंदी के दौरान एक वोल्वो बस से 12.10 ग्राम चिट्टा बरामद किया। मामले में 22 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार एसटीएफ टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर वोल्वो बस (एचपी 01एन 0008) को चैकिंग के लिए रोका। तलाशी के दौरान सीट नंबर छह पर बैठे युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर उसकी तलाशी ली गई। उसके कब्जे से 12.10 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। आरोपी की पहचान आदित्य ठाकुर पुत्र राम लाल, निवासी मैहन, डाकघर खलाणु, तहसील कोटली, जिला मंडी के रूप में हुई है। एसटीएफ ने आरोपी के खिलाफ थाना घुमारवीं में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत मामला दर्ज करवाया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस जांच कर रही है कि नशे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किसे सप्लाई किया जाना था।

तृष्णा स्कूल चलवाड़ा में धूमधाम से मनाया शिक्षक दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, चलवाड़ा। तृष्णा पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल चलवाड़ा में शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन वरिंद्र नरियाल व प्रधानाचार्य राकेश राणा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

इसके बाद चेयरमैन, प्रधानाचार्य एवं समस्त विद्यालय स्टाफ ने केक काटकर एक-दूसरे को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विद्यालय की हेड गर्ल व हेड ब्वॉय ने चेयरमैन वरिंद्र नरियाल, प्रधानाचार्य राकेश राणा सहित सभी शिक्षकों का स्वागत किया। विद्यार्थियों ने अपने संबोधन में बताया कि शिक्षक दिवस भारत के महान शिक्षाविद एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान तथा उनके मार्गदर्शन के महत्व पर भी प्रकाश डाला। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों ने लघु नाटिका, नृत्य व शिक्षकों की भूमिका का सुंदर मंचन कर सभी का मन मोह लिया। कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत लघु नाटिका के माध्यम से संदेश दिया गया कि विद्यार्थियों को शिक्षकों द्वारा दी गई शिक्षा को पूरे मन से ग्रहण करना चाहिए, कक्षा में ध्यानपूर्वक सीखना चाहिए तथा उनके मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए।

विद्यार्थियों ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन सफलता की कुंजी हैं। कक्षा बारहवीं की छात्राओं ने पंजाबी गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। वहीं शिक्षकों के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें अध्यापकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिक्षकों ने नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां देकर विद्यार्थियों का उत्साह भी बढ़ाया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल बना रहा। इस अवसर पर चेयरमैन वरिंद्र नरियाल ने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस की बधाई दी।

उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनका सम्मान करना प्रत्येक विद्यार्थी का कर्तव्य है। प्रधानाचार्य राकेश राणा ने भी सभी को शुभकामनाएं देते हुए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं शिक्षा के प्रति उनके समर्पण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षक स्वयं कठिनाइयों का सामना करते हुए दूसरों के जीवन में ज्ञान और सफलता का प्रकाश फैलाता है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों ने शिक्षक दिवस समारोह को यादगार बना दिया।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और समाज में हरियाली के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से निफा की मंडी टीम ने पौधरोपण अभियान चलाया। यह कार्यक्रम निफा को 26वीं स्थापना वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में टीम निफा मंडी के संचालक हितेश कुमार ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में महिला मंडल खनयारी की सदस्यों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिलाओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

सुजानपुर स्कूल की प्रधानाचार्या मंजरी वी महाजन को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। शिक्षक दिवस के अवसर पर सुजानपुर के लिए शनिवार का दिन गौरवपूर्ण रहा। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुजानपुर की प्रधानाचार्या मंजरी वी महाजन को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया। राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रदान किए जाने वाले इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए देशभर से चयनित शिक्षकों में मंजरी वी. महाजन का नाम शामिल रहा। विद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, नवाचार आधारित गतिविधियों और बेहतर विद्यालय प्रबंधन के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें इस सम्मान के लिए चुना गया। राष्ट्रपति के हाथों राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त करना मंजरी वी. महाजन के साथ-साथ सुजानपुर और पूरे हिमाचल प्रदेश के लिए भी गौरव का विषय है। उनके इस सम्मान से विद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। मंजरी वी. महाजन के सम्मान से सुजानपुर के शिक्षा जगत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। उनके सम्मान को क्षेत्र के शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रपति के हाथों सम्मान मिलने के बाद सुजानपुर स्कूल और क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है।

विद्यार्थियों को नेत्र स्वास्थ्य व आंखों की देखभाल के प्रति किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिलासपुर डॉ. शशि दत्त शर्मा के दिशा-निर्देशों के अनुसार आई केयर फोर्टनाइट के तहत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) बिलासपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के प्रधानाचार्य ओंकार सिंह ने की।

कार्यक्रम में हेल्थ एजुकेटर गोपाल कौशल ने विद्यार्थियों को आंखों की देखभाल एवं नेत्र स्वास्थ्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आंखें शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में शामिल हैं। स्वस्थ आंखों के लिए नियमित जांच करवाना, पर्याप्त रोशनी में पढ़ाई करना, मोबाइल एवं डिजिटल स्क्रीन का अत्यधिक उपयोग न करना तथा आंखों को धूल-मिट्टी और संक्रमण से बचाना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को आंखों में धुंधला दिखाई देना, दर्द, लालिमा, जलन या लगातार पानी आने जैसी समस्या होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी स्वयं नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने के साथ परिवार और समाज के अन्य लोगों को भी जागरूक करें। कार्यक्रम में नेत्रदान के महत्व पर भी विशेष प्रकाश डाला गया। गोपाल कौशल ने कहा कि नेत्रदान एक महान सामाजिक कार्य है, जिसके माध्यम से जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में रोशनी लाई जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों से नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियां दूर करने और लोगों को इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य ओंकार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग के अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने के साथ समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करते हैं।

कांगड़ा में सीआईए टीम ने कार से बरामद किया चिट्टा, आरोपी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। कांगड़ा पुलिस की सीआईए टीम ने कांगड़ा बाईपास में हनुमान मंदिर घाट के पास एक कार सवार से चिट्टा बरामद किया। बीती देर रात गश्त पर मौजूद पुलिस टीम ने कार नंबर एचपी 39डी 6429 को चैकिंग के लिए रोका गया, तो तलाशी के दौरान कार चालक के कब्जे से 8.03 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद हुआ। आरोपी की पहचान शौर्य पठानिया (उम्र 32 वर्ष), निवासी ओल्ड चड़ी रोड, कोतवाली बाजार धर्मशाला, जिला कांगड़ा के रूप में हुई है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी के खिलाफ प्रतिबंधित पदार्थ और घटना में इस्तेमाल की गई कार को अपने कब्जे में ले लिया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना कांगड़ा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी यह चिट्टा/हेरोइन कहां से लाया था और किसे सप्लाई करने जा रहा था।

सोलन में जन्माष्टमी की शाम दो गुटों में खूनी झड़प में कालका निवासी युवक की हुई मौत

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। शहर के मध्य में स्थित गंज बाजार में जन्माष्टमी की शाम युवकों के दो गुटों के बीच हुई खूनी झड़प में कालका निवासी युवक की मौत हो गई।

इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बीरवार देर रात हुई शराब के ठेके के सेल्समैन पर हुए जानलेवा हमले की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि शुक्रवार को एक और खूनी झड़प ने शहर की कानून व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह खड़े कर दिए हैं। शुक्रवार को जहां लोग जन्माष्टमी मनाने में व्यस्त थे तो वहीं शहर के एक व्यस्तम क्षेत्र से दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है। दो गुटों की लड़ाई में धारदार हथियार से हमला किया गया, जिसमें एक युवक की अस्पताल पहुंचते ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अमन निवासी कालका के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक सोलन टीसाई दत्तात्रेय वर्मा ने बताया कि शहर के व्यस्त गंज बाजार क्षेत्र में युवकों के दो गुटों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। देखते ही देखते कहासुनी खूनी संघर्ष में बदल गई व धारदार हथियारों का इस्तेमाल भी किया गया। हमले में कालका निवासी अमन गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए सोलन के क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस वारदात में दो अन्य युवकों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों पक्षों के बीच विवाद की शुरुआत पहले ही हो गई थी। मामला पुलिस तक भी पहुंचा था, लेकिन उस समय स्थिति शांत हो गई थी। उसके बाद में दोनों गुट दोबारा आमने-सामने आ गए और विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची व घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि वारदात की पूरी कड़ी और इसमें शामिल सभी लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सके।

पुलिस ने मामले में हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस जांच को आगे बढ़ा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान अंकुश और मंथन के रूप में हुई है। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है और वारदात में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। झगड़े की असल वजह जांचने में भी पुलिस जुटी है। कहीं यह नशे के कारोबार से जुड़ी घटना तो नहीं है, इस पर भी पुलिस जाँच कर रही है।

लखबिंद्र इंटरनेशनल मैचों में बनेंगे रैफरी, एकेएफआई के टेस्ट में हुए पास

भारतेन्दु संवाददाता, ऊना। उपमंडल हरोली के गांव हलेड़ा-बिलना निवासी लखबिंद्र सिंह ने कबड्डी के क्षेत्र में जिला ऊना का नाम रोशन किया है। लखबिंद्र सिंह का चयन एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) में बतौर रेफरी हुआ है। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे जिला ऊना के पहले खिलाड़ी बने हैं। वर्तमान में लखबिंद्र सिंह भारतीय सेना की जैक राइफल यूनिट में सेवाएं दे रहे हैं। कबड्डी के प्रति उनका लगाव स्कूली समय से ही रहा है। उन्होंने स्कूली स्तर पर कबड्डी खेलना शुरू किया और अपनी प्रतिभा के दम पर चार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लिया। इसके अलावा आर्मी चैंपियनशिप में भी वह अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। लखबिंद्र सिंह ने खिलाड़ी के रूप में कबड्डी के मैदान पर अपनी प्रतिभा साबित करने के बाद अब रैफरी के रूप में नई पारी शुरू की है। एकेएफआई में बतौर ऑफिशियल चयन होने के बाद वह अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिताओं में रैफरी के रूप में अपनी सेवाएं देने के योग्य हो गए हैं।

उत्सव | जन्माष्टमी पर नाग मंदिर करियाड़ा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, निकालीं आकर्षक झांकियां

जन्माष्टमी पर अभिषेक सोनी के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के दौरान ऐतिहासिक नाग मंदिर करियाड़ा में आयोजित भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक अभिषेक सोनी ने खूब समां बांधा।

अभिषेक सोनी ने अपने चिर-परिचित अंदाज में हारमोनियम के साथ "सतगुरु मेरे कलम हाथ तेरे, मेरी जिंदगी दा लेख लिख दो..." भजन से कार्यक्रम का आगाज किया। इसके बाद उन्होंने 'मां मेरी लाडलिये, लाई जा घरा था फेरा...', 'रंग-बिरंगा जहाज बनाया, मंदिरें दी कर लो तैयारी जी...', "नाम मेरी राधा रानी का, जिस-जिस ने पुकारा है..." और 'आओ मात जी, तुहाडा मंदिर सजाया है...' जैसे नॉन-स्टॉप भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को झूमने और नाचने पर मजबूर कर दिया। रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्म के अवसर पर मंदिर में माखन-मिश्री का भोग लगाया गया और केक काटकर जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया। इससे पहले भजन गायक लक्ष्मण दास और सपना गुप्ता ने भजन प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरुआत की। अमन त्रिवेदी आर्ट ग्रुप की ओर से हनुमान जी और श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकियां भी निकाली गईं। मंदिर के मुख्य प्रबंधक व पुजारी कुलदीप गुलेरिया और पपू गुलेरिया ने भजन गायक अभिषेक सोनी को चुनरी एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। कुलदीप गुलेरिया ने जन्माष्टमी पर्व के दौरान कुंडलिहार से गुम्मर तक दिन-रात निशुल्क बस सेवा उपलब्ध करवाने के लिए कौशल बस सर्विस के प्रबंधक राजीव कौशल को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में अंबाला से राजेंद्र मोहन, जम्मू से राजेंद्र जैन, दिल्ली से गुप्ता परिवार, लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष रामलोक धनोटिया, डिंपल राणा, डॉ. उमेश धीमान, मोनू, राहुल गुलेरिया, शम्मी, शिखा, सविता सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मंदिर में हाजिरी लगाई। इससे पहले दिन में मंदिर में पिछले पांच दिनों से विश्व शांति एवं जनकल्याण के लिए आयोजित शतचंडी पाठ के हवन-यज्ञ में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने आचार्य भवानी शंकर और कुलदीप गुलेरिया की अगुवाई में पूर्णाहुतियां डालीं। रात को मंदिर परिसर में कांगड़ी धाम का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

जिला स्तरीय स्कूली खेलकूद प्रतियोगिताओं का संशोधित कार्यक्रम जारी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा कार्यालय बिलासपुर ने अंडर-14 छात्र एवं छात्राओं की जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। इसके अनुसार कनिष्ठ बालक वर्ग की प्रतियोगिताएं 15 से 17 सितंबर तक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बेहल, जबकि वरिष्ठ बालिका वर्ग की प्रतियोगिताएं 18 से 19 सितंबर तक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय औहर में होंगी। कनिष्ठ बालिका वर्ग की प्रतियोगिताएं 21 से 22 सितंबर तक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हटवाड़ तथा वरिष्ठ बालक वर्ग की प्रतियोगिताएं 23 से 24 सितंबर तक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नम्होल में आयोजित की जाएंगी। सांस्कृतिक एवं एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में बालक वर्ग 15 से 16 अक्तूबर तथा बालिका वर्ग 17 से 18 अक्तूबर तक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिलासपुर में भाग लेंगे। टेबल टेनिस के लिए चयन परीक्षण 8 अक्तूबर को होगा। विभाग ने संबंधित समितियों को तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

लक्ष्य पब्लिक स्कूल अर्की में उत्साह हर्षोल्लास से मनाया शिक्षक दिवस

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। लक्ष्य पब्लिक स्कूल अर्की में शिक्षक दिवस बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंध निदेशक आकाश गुप्ता ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि प्रधानाचार्या वीना गुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने शिक्षकों के सम्मान में भाषण, कविताएं, गीत, नृत्य सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान, प्रेम एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए शिक्षक दिवस के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। प्रबंध निदेशक आकाश गुप्ता ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें जीवन में सही मार्ग चुनने, अच्छे संस्कार अपनाने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रेरणा भी देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षकों के बताए मार्ग पर चलने तथा शिक्षा के साथ अच्छे संस्कारों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। प्रधानाचार्या वीना गुप्ता ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता ही शिक्षक के लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षकों के लिए विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन भी किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में पूरे दिन उत्सव जैसा माहौल बना रहा। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

एवगेनिया मेदवेदेवा का हॉट अंदाज

रूस। एवगेनिया मेदवेदेवा रूस की प्रसिद्ध फिगर स्केटर हैं। वह दो बार की विश्व चैंपियन और दो बार की ओलंपिक रजत पदक विजेता रह चुकी हैं। अपनी शानदार कला, तकनीक और बर्फ पर बेहतरीन प्रदर्शन के कारण उन्होंने दुनिया भर में लाखों प्रशंसकों का दिल जीता है।

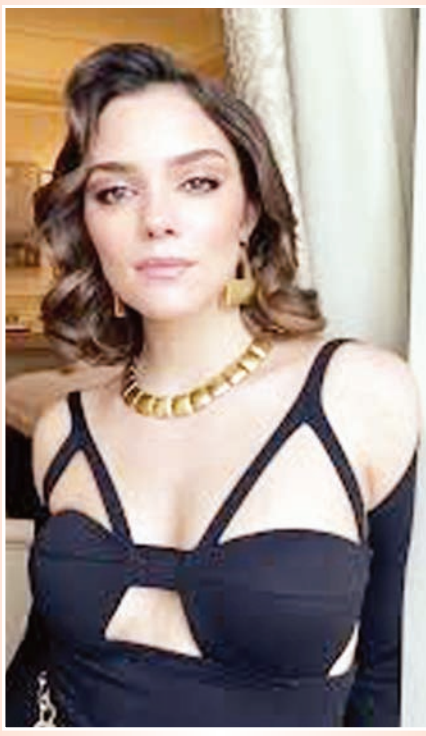

स्पोर्ट्स विंडो

रांची में 13 से 20 सितंबर तक होगी चैलेंजर ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता

एजेंसी, रांची। राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में पिछले 31 वर्षों से लगातार आयोजित हो रही चैलेंजर ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता इस वर्ष 13 से 20 सितंबर तक होगी। प्रतियोगिता का आयोजन क्रीड़ा केन्द्र की ओर से किया जाएगा। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. प्रणव कुमार बब्बू ने शनिवार को बताया कि चैलेंजर ट्रॉफी की पहचान रांची के साथ आसपास के जिलों में भी प्रतिष्ठित फुटबॉल प्रतियोगिता के रूप में बनी हुई है। फुटबॉल प्रेमियों, खिलाड़ियों और क्लबों को हर वर्ष इस प्रतियोगिता का इंतजार रहता है। उन्होंने बताया कि सामाजिक-वैचारिक संगठन रांची रिवोल्ट जन मंच और लक्ष्य डिफेंस अकादमी के सदस्य भी आयोजन में सक्रिय सहयोग करेंगे। डॉ. बब्बू ने कहा कि झारखंड में खेल और खिलाड़ियों के लिए फुटबॉल संजीवनी के समान है। यह युवाओं को प्रोत्साहित करने के साथ मनोरंजन का भी सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता की विजेता टीम को 71 हजार रुपये और उपविजेता टीम को 51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अलावा मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज, सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर सहित विभिन्न श्रेणियों में भी पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रतियोगिता को लेकर रांची और आसपास के क्षेत्रों के फुटबॉल खिलाड़ियों, क्लबों और खेलप्रेमियों में उत्साह है। आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

एएचएफ जूनियर एशिया कप में भारत का इंडोनेशिया पर जीत से आगाज

एजेंसी, मोक्वी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने खिताब बचाने के अभियान की धमाकेदार शुरुआत की है। पूल ए के शुरुआती मुकाबले में भारत ने शनिवार को इंडोनेशिया को एकतरफा मुकाबले में 14-0 से रौंद दिया। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा कायम रखा। भारत की ओर से प्रभदीप सिंह सबसे सफल रहे। उन्होंने पांच गोल दागे और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। कप्तान अनमोल एक्का ने चार गोल किए, जबकि अजीत यादव ने हैट्रिक पूरी की। हरपाल और आशु मौर्य ने एक-एक गोल किया। भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। प्रभदीप ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत का खाता खोला, जबकि हरपाल ने आठवें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे था। दूसरे क्वार्टर में अनमोल ने 16वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 3-0 किया। अजीत यादव ने 20वें मिनट में एक और गोल दागा। इसके बाद प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को मध्यांतर तक 6-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

चाइना मास्टर्स : यामागुची को हराकर महिला एकल के फाइनल में पहुंचीं यंग

एजेंसी, शेनझेन। विश्व नंबर एक दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी एन से यंग ने जापान की अकाने यामागुची को सीधे गेमों में हराकर चाइना मास्टर्स 2026 के महिला एकल फाइनल में जगह बना ली है। शेनझेन एरिना में शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में एन से यंग ने यामागुची को 21-13, 21-15 से हराया। यह भारत में पिछले महीने आयोजित विश्व चैंपियनशिप के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच एक बार फिर मुकाबला था। विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में भी एन से यंग ने यामागुची को हराकर खिताब जीता था। चाइना मास्टर्स में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने वही परिणाम दोहराया। यामागुची ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत की और पहले गेम में एक समय 5-4 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद एन से यंग ने जोरदार वापसी की और जापानी खिलाड़ी को लय में आने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीतने के बाद दूसरे गेम में भी दबदबा कायम रखा और 21-15 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। एन से यंग ने 2024 और 2025 में लगातार दो बार चाइना मास्टर्स का खिताब जीता है। अब उनकी नजर लगातार तीसरी बार खिताब जीतने पर है। अगर वह इस बार भी चैंपियन बनती हैं तो महिला एकल में सबसे ज्यादा चाइना मास्टर्स खिताब जीतने के मामले में चियोन वी-पेई की बराबरी कर लेंगी। चियोन ने 2018, 2019 और 2023 में तीन बार यह खिताब जीता था।

साई कोच पर जूनियर निशानेबाजों से यौन उत्पीड़न के आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय जूनियर राइफल निशानेबाजों ने एक साई कोच पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। भारतीय शूटिंग टीम जून में जर्मनी के सुहल में आयोजित जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लेने गई थी। आरोप है कि इसी दौरान कुछ शूटर यौन उत्पीड़न का शिकार हुईं। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) ने आरोपी कोच को दिल्ली की डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज से हटा दिया है। एनआरएआई सूत्रों के अनुसार, इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी ने खिलाड़ियों के लगाए गए आरोपों पर कोच का जवाब सुना। इसके बाद एनआरएआई ने अपनी रिपोर्ट साई को भेजी। रिपोर्ट के आधार पर साई ने कोच को तुगलकाबाद स्थित करणी सिंह शूटिंग रेंज से हटा दिया। हालांकि, इस मामले में अब तक पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी गई है। साई के अनुसार, उसे डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में तैनात एक शूटिंग कोच के खिलाफ एक महिला शूटर की शिकायत की जानकारी एनआरएआई से मिली थी। मामला फिलहाल एनआरएआई की इंटरनल कंप्लेंट्स कमेटी के सामने विचाराधीन है। प्रशासनिक कदम के तौर पर संबंधित कोच डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज से हटाकर दिल्ली के साई रीजनल सेंटर से अटैच कर दिया गया है।

अल्कराज यूएस ओपन के चौथे दौर में

गत चैंपियन ने चीन के वू यीबिंग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-1 से दी शिकस्त

एजेंसी, न्यूयॉर्क

गत चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने शुक्रवार को चीन के वू यीबिंग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-1 से हराकर यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। इस जीत के साथ अल्कराज ने फ्लशिंग मीडोज में अपने तीसरे खिताब की दावेदारी को और मजबूत कर दिया।

इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में अल्कराज की लगातार जीत का सिलसिला 17 मैचों तक पहुंच गया है। उन्होंने पिछले साल यूएस ओपन का खिताब जीता था और इस साल फरवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन भी अपने नाम किया था। ऑस्ट्रेलियन ओपन की जीत के साथ वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बने थे।

कलाई की चोट के कारण करीब पांच महीने तक प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर रहने के बाद न्यूयॉर्क पहुंचे अल्कराज हर दौर के साथ बेहतर लय में नजर आ रहे हैं। हालांकि पहले सेट में वू यीबिंग ने एक समय उनका ब्रेक वापस हासिल कर शुरुआती दबाव को कुछ देर के लिए कम किया, लेकिन अल्कराज ने जल्द ही नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया और वू यीबिंग को सीधे सेटों में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। चौथे दौर में अल्कराज का

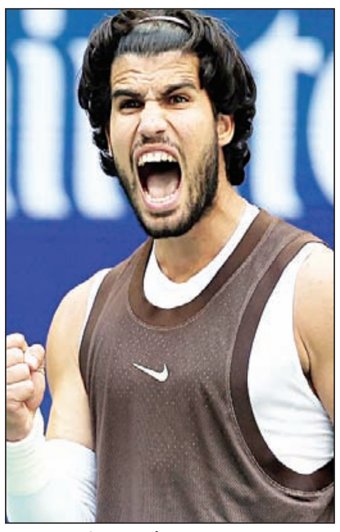

सामना अमेरिका के 20वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल से होगा।

यूनान के त्सित्सिपास ने लेहेका को हराया

न्यूयॉर्क। यूनान के स्तेफानोस त्सित्सिपास ने चेक गणराज्य के 18वीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को हराकर यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली। त्सित्सिपास ने शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6 (7-3), 6-1 से हराया। यह पहली बार है जब उन्होंने यूएस ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया है। त्सित्सिपास ने लेहेका की तुलना में चार गुना ज्यादा ऐस लगाए और मुकाबले का अंत शानदार सर्विस विनर के साथ किया। इस जीत के साथ वह दो साल से अधिक समय बाद किसी ग्रैंड स्लैम में अंतिम-16 में पहुंचे हैं। जीत के बाद त्सित्सिपास ने दर्शकों का अभिवादन करते हुए कहा, 'आपने इस मुकाबले में मेरा साथ दिया और मुझे जीत तक पहुंचाया।' यह प्रतिक्रिया न्यूयॉर्क में बड़ी संख्या में मौजूद यूनानी-अमेरिकी प्रशंसकों के समर्थन के संदर्भ में थी।

नवारो, टाउनसेंड और नोस्कोवा अंतिम 16 में पहुंचीं

एजेंसी, न्यूयॉर्क

एम्मा नवारो ने यूएस ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए सातवीं सीड कैरोलिना मुचोवा को हरा दिया। वहीं, टेलर टाउनसेंड लगातार दूसरे साल चौथे राउंड में पहुंचीं। नवारो ने अपनी पहली मुलाकात में सातवीं सीड कैरोलिना मुचोवा को 6-3, 7-5 से हराया। इस जीत के साथ नवारो ने चौथे राउंड में जगह बना ली है। छठी सीड लिंडा नोस्कोवा ने भी मुश्किल चुनौती का सामना किया। उन्होंने कोर्ट 17 पर अमेरिका की 29वीं सीड एन ली को 6-2, 6-7(6), 6-2 से हराया। 6-2, 3-0 की बढ़त के बाद नोस्कोवा पूरी तरह से नियंत्रण में दिखीं, लेकिन ली ने जबरदस्त वापसी करते हुए निर्णायक सेट में जगह बना ली, लेकिन नोस्कोवा ने तब नियंत्रण हासिल किया जब सबसे ज्यादा जरूरत थी और तीसरे सेट के आखिरी चार गेम जीत लिए। वहीं, टेलर टाउनसेंड ने 15वीं सीड डायना श्नाइडर को 2 घंटे, 27 मिनट तक चले मुकाबले में 6-2, 6-7(3), 6-3 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। तीसरी सीड जेसिका पेगुला भी एक मुश्किल दौर से उबरीं, उन्होंने एक खराब शुरुआती सेट से उबरते हुए 31वीं सीड लेयला फर्नांडीज को 2 घंटे 11 मिनट में 1-6, 6-4, 6-3 से हराया। इस नतीजे से पेगुला की टूर्नामेंट को दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी के तौर पर खत्म करने की उम्मीदें जिंदा हैं। हालांकि यह कामयाबी हासिल करने के लिए उन्हें अपना पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतना होगा। चौथे राउंड में उनका मुकाबला 36 साल की सोराना सिर्स्टिया से होगा।

सेरेना-वीनस की जोड़ी यूएस ओपन में पहले दौर में ही हारी

एजेंसी, न्यूयॉर्क। यूएस ओपन में सेरेना और वीनस विलियम्स की जोड़ी की वापसी का सफर पहले ही दौर में खत्म हो गया। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए करीब तीन घंटे दो मिनट लंबे मुकाबले में 14वीं वरीयता प्राप्त माया जॉइंट और हाओ-चिंग चान ने विलियम्स बहनों को 6-3, 6-7(6), 10-7 से हराया। इस हार के साथ 2022 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में साथ उतरी सेरेना और वीनस की जोड़ी का अभियान खत्म हो गया। दोनों बहनों ने मुकाबले में कई बार वापसी की और निर्णायक क्षणों में दर्शकों का जबरदस्त समर्थन भी हासिल किया, लेकिन अंत में जीत से दूर रह गईं। माया जॉइंट और हाओ-चिंग चान ने मुकाबले की शुरुआत बेहतर तरीके से की। दोनों ने पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर सेरेना और वीनस पर दबाव बना दिया। हालांकि विलियम्स बहनों ने धीरे-धीरे अपनी लय हासिल की और दूसरे सेट में मुकाबला बराबरी पर ला दिया। सेट टाईब्रेक तक पहुंचा, जहां आर्थर ऐश स्टेडियम में मौजूद घरेलू दर्शकों का समर्थन पूरी तरह अमेरिकी जोड़ी के साथ था। सेरेना और वीनस ने दबाव के बीच शानदार खेल दिखाया और टाईब्रेक 8-6 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया। तीसरे और निर्णायक सेट में मुकाबला 10-पॉइंट मैच टाईब्रेक में पहुंचा और यहां विलिम्यस बहनें हार गईं।

भारत ने पिकलबॉल विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, मुंबई

भारत ने वियतनाम के दा नांग में पिकलबॉल विश्व कप के दूसरे दिन लगातार मुकाबलों में चीन और फिलीपींस को हराकर टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भरतीय टीम ने अब तक टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया है। हर्ष मेहता, अर्जुन सिंह, अनिश फ्रोलियन, अमन पटेल, पर्ल अमलसाडिवाला, नाओमी अमलसाडिवाला, आलिया इब्राहिम और मिहिका यादव की भारतीय टीम ने राउंड 32 के मुकाबले में चीन को 4-0 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना मजबूत अमेरिकी टीम से होगा।

अब क्वार्टर फाइनल में मजबूत टीम अमेरिका से होगा मुकाबला

पर्ल अमलसाडिवाला और मिहिका यादव ने पहले मुकाबले को 21-19 से जीतकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। इसके बाद हर्ष मेहता और अर्जुन सिंह ने भारत के खाते में एक और अंक जोड़ा।

तीसरी मुकाबले में हर्ष मेहता और पर्ल अमलसाडिवाला ने कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। इसके बाद अर्जुन सिंह और मिहिका यादव ने भी अपना मुकाबला जीतकर चीन के खिलाफ भारत की 4-0 से जीत सुनिश्चित कर दी। राउंड 16 में भारत ने फिलीपींस को 4-1 से हराया। पर्ल और मिहिका की महिला युगल जोड़ी ने एक बार फिर जीत के साथ भारत को पहला अंक दिलाया। हालांकि, पुरुष युगल जोड़ी को दूसरे मुकाबले में कड़ी टक्कर के बाद 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद लगातार दो मिश्रित युगल मुकाबले भारत के पक्ष में रहे और टीम ने 3-1 की बढ़त हासिल कर ली। फिर आलिया इब्राहिम ने अपने मुकाबले में प्रतिद्वंद्वी को 21-12 से हराकर भारत को क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया।

ला लीगा : रियल बेटिस ने मैड्रिड को 1-0 से हराया

ट्रॉय पैरॉट ने 81वें मिनट में निर्णायक गोल कर लोकल टीम को दिलाई जीत

एजेंसी, सेविले

रियल बेटिस ने शुक्रवार को रियल मैड्रिड की ला लीगा में लगातार जीत की शुरुआत पर विराम लगा दिया। घरेलू टीम ने रोमांचक मुकाबले में मैड्रिड को 1-0 से हराया। ट्रॉय पैरॉट ने 81वें मिनट में निर्णायक गोल किया, जबकि गोलकीपर अल्वारो वालेस ने इंजरी टाइम में किलियन एमबापे की पेनल्टी रोककर बेटिस की जीत सुनिश्चित की। मुकाबले की शुरुआत तेज गति से हुई, लेकिन सेविले की गर्मी में दूसरे हाफ के बाद खेल की रफ्तार कुछ धीमी पड़ गई। 68वें मिनट में मैदान पर उतरे पैरॉट ने 81वें मिनट में बेटिस को बढ़त दिलाई। रियल मैड्रिड के गोलकीपर थिबो कूर्तुआ ने एक हेडर को रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद पैरॉट के सामने आ गई और उन्होंने तुरंत उसे गोल में पहुंचा दिया। मैड्रिड ने बराबरी की कोशिश की। एमबापे ने चार मिनट बाद गेंद को क्रॉसबार पर दे मारा। इसके बाद विनिसियस जूनियर के क्रॉस पर स्थानापन्न खिलाड़ी कार्लोस एस्पी ने शानदार साइकिल किक से गेंद को गोल में पहुंचाया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी

की समीक्षा के बाद ऑफसाइड के कारण गोल को रद्द कर दिया गया।

बेटिस की ओर से नेल्सन डिओसा ने भी लंबी दूरी से गोल करने का प्रयास किया। उन्होंने कूर्तुआ को गोल से बाहर देखा और दूर से शॉट लगाया, लेकिन मैड्रिड के गोलकीपर ने समय रहते वापसी करते हुए शानदार बचाव किया। मैच के इंजरी टाइम में मैड्रिड को बराबरी का सबसे बड़ा मौका मिला। नातान ने पेनल्टी क्षेत्र के अंदर विनिसियस को गिरा दिया, जिसके बाद मैड्रिड को पेनल्टी मिली। एमबापे ने पेनल्टी ली, लेकिन बेटिस के गोलकीपर अल्वारो वालेस ने उनका शॉट रोक दिया। इस बचाव के साथ बेटिस ने 1-0 की बढ़त बरकरार रखते हुए तीन अंक हासिल किए और रियल मैड्रिड की ला लीगा में परफेक्ट शुरुआत समाप्त कर दी।

अमेरिका ने ईरानी टैंकर पर दागी मिसाइल

डोनाल्ड ट्रंप ने परमाणु ठिकाने पिकैक्स को उड़ाने की दी धमकी

एजेंसी, वॉशिंगटन/तेहरान

अमेरिका ने शनिवार को ईरानी तेल टैंकर को निशाना बनाया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, खार्ग आइलैंड के पास ईरान का तेल ले जा रहे टैंकर पर अमेरिका ने 4 मिसाइलें दागीं। इसके बाद धमाका सुना गया। खार्ग आइलैंड से ईरान के करीब 90% तेल का निर्यात होता है।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के बेहद सुरक्षित भूमिगत परमाणु ठिकाने पिकैक्स माउंटेन पर जल्द जोरदार हमला करने की चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियां इस ठिकाने पर होने वाली गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। अगर किसी तरह की भी एक्टिविटी दिखाई दी तो हमला हो सकता है। ट्रंप ने ईरान के खिलाफ पिछले पांच महीने से चल रहे अमेरिकी सैन्य अभियान का बचाव किया। उन्होंने कहा कि अभियान का सबसे बड़ा मकसद ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है।

ईरान में जमीन के अंदर है पिकैक्स माउंटेन

पिकैक्स माउंटेन ईरान के नतांज यूरेनियम संवर्धन केंद्र के पास है। नतांज पर पहले ही भारी नुकसान हो चुका है। पिकैक्स जमीन के अंदर बना बेहद मजबूत और सुरक्षित परिसर है। इसमें जमीन के काफी नीचे दो बड़े सुरंग सिस्टम बताए जाते हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइली खुफिया अधिकारियों का मानना है कि ईरान ने हजारों सेंट्रीफ्यूज इस गहरे भूमिगत ठिकाने पर पहुंचा दिए हैं। सेंट्रीफ्यूज का इस्तेमाल यूरेनियम को संवर्धित करने के लिए किया जाता है। पिकैक्स माउंटेन जमीन के काफी नीचे होने की वजह से सामान्य हवाई हमलों से इसे नुकसान पहुंचाना मुश्किल है। ऐसे में अगर अमेरिका इस ठिकाने पर हमला करता है तो यह ईरान के परमाणु ठिकानों के खिलाफ चल रहे अभियान को और बड़ा रूप दे सकता है।

आईसीआईसीआई में 9.99% हिस्सेदारी खरीदेगी एलआईसी

एजेंसी, मुंबई। देश की सबसे बड़ी सरकारी बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया अब आईसीआईसीआई बैंक में 9.99% हिस्सेदारी खरीदेगी। इसके लिए एलआईसी को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से मंजूरी मिल गई है। आईसीआईसीआई बैंक ने शेयर मार्केट फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी है। बैंक के मुताबिक, एलआईसी की ओर से जारी मंजूरी पत्र 4 सितंबर 2026 को रात 9:09 बजे प्राप्त हुआ। यह अनुमति मिलने के बाद अब एलआईसी अगले एक साल के भीतर बैंक में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकेगी। फाइलिंग में बताया गया है कि यह मंजूरी एक सीमित समय सीमा के साथ दी गई है। यदि एलआईसी मंजूरी पत्र जारी होने की तारीख से एक साल के भीतर इस हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा नहीं कर पाती है, तो यह अनुमति रद्द हो जाएगी। यह खरीद सरकारी नियमों और कानूनी शर्तों को पूरा करने पर ही तय होगी।

आरबीआई 30 दिन के लिए 7 लाख करोड़ रुपये करेगा अवशोषित

विदेशी मुद्रा प्रवाह से बढ़ी नकदी को आरबीआई करेगा नियंत्रित

एजेंसी, मुंबई

अनिवासी भारतीयों की ओर से देश में भेजी गई रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा से भारतीय बैंकिंग व्यवस्था में नकदी की उपलब्धता काफी बढ़ गई है। इस अतिरिक्त तरलता को नियंत्रित करने और अल्पकालिक ब्याज दरों को संतुलित रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने सात लाख करोड़ रुपये के 30 दिवसीय परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो नीलामी की तैयारी की है। इस प्रक्रिया के माध्यम से बैंक अपनी अतिरिक्त नकदी को आरबीआई के पास रख सकेंगे, जिससे बाजार में उपलब्ध धन की मात्रा कुछ समय के लिए कम होगी।

अतिरिक्त तरलता पर आरबीआई की पैनी नजर

परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो नीलामी स्वैच्छिक प्रक्रिया होती है। इसमें बैंक अपनी उपलब्ध अतिरिक्त नकदी को आरबीआई के पास जमा करने के लिए बोली लगाते हैं। हालांकि बाजार में नकदी की पर्याप्त उपलब्धता को देखते हुए विशेषज्ञों को उम्मीद है कि बैंक इस नीलामी में बड़ी मात्रा में भागीदारी करेंगे। यदि सात लाख करोड़ रुपये की पूरी राशि या उसका बड़ा हिस्सा अवशोषित हो जाता है, तो बाजार में अतिरिक्त नकदी का दबाव कम होगा और अल्पकालिक ब्याज दरों को स्थिर रखने में मदद मिल सकती है।

टीसीएस हैदराबाद में शुरू करेगी एक गीगावाट का डेटा सेंटर

एजेंसी, हैदराबाद

टाटा समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस हैदराबाद में 264 एकड़ में एक गीगावाट का डेटा सेंटर स्थापित करेगी। कंपनी ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह अपनी सहायक कंपनी हाइपरवॉल्ट एआई डेटा सेंटर लिमिटेड के जरिये यह डेटा सेंटर शुरू करेगी। इसके लिए उसने जमीन अधिग्रहण का काम पूरा कर लिया है। टीसीएस हाइपरवॉल्ट को चरणबद्ध तरीके से विकसित कर रही है। वह हाइपरस्केलर्स, एआई कंपनियों और वैश्विक कंपनियों के लिए सुरक्षित, विस्तार के विकल्प के साथ और एआई-रेडी डेटा सेंटर अवसंरचना तैयार कर रही है।

हाइपरवॉल्ट के डेटा सेंटर विशेष रूप से एआई वर्कलोड के लिए बनाये जा रहे हैं। इनमें लिक्विड कूलिंग, डायरेक्ट टू चिप कूलिंग, हाई रैक डेनसिटी, हरित ऊर्जा और विश्वसनीयता को जोड़ने वाला एनर्जी मॉडल तथा मजबूत नेटवर्क कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं होंगी। कंपनी और उसके साझेदार इस अवसंरचना के निर्माण और प्रबंधन के लिए 70,000 करोड़ रुपये तक निवेश करने की उम्मीद कर रहे हैं। टीसीएस ने बताया कि हैदराबाद का यह एआई डेटा सेंटर कैम्पस विशेष रूप से फ्रंटियर एआई कंपनियों और हाइपरस्केलर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया जायेगा। इसमें एआई प्रशिक्षण, इंफ्रेंस और आधुनिक कंप्यूटिंग वर्कलोड्स के लिए हाई-डेंसिटी जीपीयू लगाने की सुविधा होगी।

पूरी तरह विकसित होने के बाद इस परिसर के देश के सबसे उन्नत और सबसे बड़े एआई अवसंरचना परिसरों में शामिल होने की उम्मीद है। परिसर के निर्माण में हरित ऊर्जा और जल-निरपेक्ष डिजाइन के सिद्धांतों का भी इस्तेमाल किया जायेगा। तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हाइपरवॉल्ट के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान इस परियोजना को न केवल तेलंगाना बल्कि पूरे देश के लिए 'ऐतिहासिक' बताया।

टीचर-डे बच्चों में नशे की प्रवृत्ति और अधिक स्क्रीन इस्तेमाल को लेकर सतर्क रहने की अपील

बच्चों की गतिविधियों पर भी नजर रखें शिक्षक : पीएम

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षकों से विद्यार्थियों की पढ़ाई और शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ उनके व्यवहार, दिनचर्या और मानसिक स्थिति पर भी ध्यान देने का आह्वान किया है। उन्होंने बच्चों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति और अत्यधिक स्क्रीन इस्तेमाल को लेकर शिक्षकों से सतर्क रहने की अपील की। प्रधानमंत्री शुक्रवार शाम लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों और शिक्षाविदों के साथ संवाद कर रहे थे।

शिक्षक दिवस से एक दिन पहले आयोजित इस कार्यक्रम में इस वर्ष के 82 पुरस्कार विजेताओं ने हिस्सा लिया। इनमें 48 स्कूली शिक्षक, 21 उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक के शिक्षक तथा 13 कौशल प्रशिक्षक शामिल रहे।

कहा- बच्चों की जिज्ञासा को सही दिशा दें

पीएम मोदी ने बच्चों की स्वाभाविक जिज्ञासा को दबाने के बजाय उसे सही दिशा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों की मासूमियत और सीखने की उत्सुकता को बनाए रखना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों में श्रम की गरिमा की भावना विकसित करने को भी शिक्षकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि बच्चों को मेहनत और हर प्रकार के काम के सम्मान का महत्व समझाया जाना चाहिए। संवाद के दौरान राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेताओं ने प्रधानमंत्री के साथ अपने शिक्षण अनुभव साझा किए। शिक्षकों ने कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी, रोचक और विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बनाने के लिए अपनाए गए विभिन्न नवाचारों और प्रयोगों के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने शिक्षकों के इन प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा केवल किताबों और परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के समग्र व्यक्तित्व और भविष्य के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षक की जिम्मेदारी केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने तक सीमित नहीं है। उन्हें विद्यार्थियों के व्यवहार में होने वाले बदलावों को पहचानना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उन्हें व्यक्तिगत मार्गदर्शन देना चाहिए। मोदी ने कहा कि पारंपरिक संयुक्त परिवार व्यवस्था कमजोर होने के कारण बच्चों के जीवन में शिक्षकों की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ऐसे में शिक्षकों को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाने और उनकी समस्याओं के पीछे के कारणों को समझने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने बच्चों में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को विद्यार्थियों के व्यवहार में अचानक होने वाले बदलावों पर नजर रखनी चाहिए और यदि किसी बच्चे में नशे की आदत के संकेत दिखाई दें तो उसे सही दिशा देने और इस समस्या से बाहर निकालने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने अत्यधिक स्क्रीन इस्तेमाल को लेकर भी बच्चों के प्रति सावधानी बरतने की जरूरत बताई।